बालाघाट
बुधवार 09 सितम्बर 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

चावल घोटाले में गोंदिया का राइस मिलर आदित्य अग्रवाल गिरफ्तार

अदालत ने पुलिस रिमांड पर भेजा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से उजागर हुए बहुचर्चित शासकीय चावल अफरा तफरी मामले में गठित विशेष जांच टीम और स्थानीय पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए ७ सितंबर को मामले में संलिप्त एक आरोपी राइस मिलर आदित्य अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को ८ सितंबर को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया जहां से पुलिस ने उसे आगे की पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। मामले की शुरुआत वारासिवनी स्थित संचेती राइस मिल से हुई थी । नवेगांव एफसीआई से छिंदवाड़ा स्थित इथेनॉल प्लांट के लिए भेजे गए शासकीय चावल से लदे एक संदिग्ध ट्रक को जब्त किया था। जांच आगे बढ़ी तो सांठगांठ से सरकारी राशन के चावल की भारी हेराफेरी का एक बड़ा नेटवर्क उजागर हुआ। इस घोटाले को लेकर वारासिवनी थाने में अपराध क्रमांक २७२/२०२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१६,३ और ३,५के अंतर्गत प्राथमिक मामला दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है। शुरुआती आरोपियों से हुई गहन पूछताछ और जांच के दौरान अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की कई अन्य कड़ी धाराएं (३३६)३, ३३८, ३४०(२), ६१(२), २३८, ३१८(३) एवं ३१८(४) भी जोड़ दी हैं। मामले में लगातार साक्ष्य जुटा रही एसआईटी ने ७ सितंबर को दबिश देकर आरोपी राइस मिलर आदित्य अग्रवाल उर्फ मन्नू पिता हनुमानदास अग्रवाल उम्र ४१ वर्ष को गिरफ्तार किया। आरोपी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के गणेश नगर सुखदेव भवन विवेक मंदिर स्कूल के पास का निवासी है। आदित्य अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद पुलिस और एसआईटी की टीम उसे रिमांड पर लेकर लगातार पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के दौरान इस अंतरराज्यीय चावल घोटाले की कई और महत्वपूर्ण परतें खुल सकती हैं।

हैदराबाद मजदूरी के लिए निकले थे, रास्ते में मौत ने रोका, गोंदिया के नागरा के पास हुआ भीषण हादसा

ट्रक-बोलेरो की सीधी भिड़ंत में 6 की मौत

7 गंभीर रूप से घायल, मृतकों में 3 वर्ष का मासूम भी शामिल

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाराष्ट्र को मध्यप्रदेश से जोड़ने वाले गोंदिया-बालाघाट राज्य महामार्ग पर सोमवार देर रात रफ्तार का कहर टूट पड़ा। रोजी-रोटी की तलाश में अपने घर-परिवार के साथ हैदराबाद जा रहे मजदूरों की बोलेरो को नागरा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 3 वर्षीय मासूम बालक समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही मध्यप्रदेश के लांजी-किरनापुर क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई।

मजदूरी की तलाश में निकले थे, सफर बना आखिरी सफर

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालाघाट जिले की लांजी और किरनापुर तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों से मजदूर अपने परिवारों के साथ बोलेरो क्रमांक एमपी 15टी-3495 में सवार होकर मजदूरी के लिए तेलंगाना के हैदराबाद जा रहे थे। सोमवार रात करीब 11ञ्30 बजे उनकी बोलेरो गोंदिया शहर से लगभग पांच किलोमीटर दूर नागरा के पास पहुंची ।इसी दौरान बालाघाट की ओर से गोंदिया की तरफ आ रहे तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक एमएच 35 एजे -2547 ने कथित तौर पर लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सामने से आ रही बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। आमने-सामने की भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग वाहन के मलबे में फंस गए।

मृतकों में तीन साल का मासूम भी

हादसे में मृतकों की पहचान संतोष मात्रे और उनकी पत्नी सुशीला निवासी किन्ही, ज्योति सतेकर व रूपसेन सतेकर निवासी नीमदेवाड़ा, तीन वर्षीय आरुष मात्रे निवासी सावरीखुर्द तथा लोढ़ामा निवासी एक महिला के रूप में बताई गई है। मासूम आरुष की मौत की खबर से परिवार और गांव में मातम पसरा हुआ है।

टक्कर की आवाज सुन दौड़े ग्रामीण, मंजर देख दहल उठे

हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। दुर्घटना का दृश्य बेहद भयावह था। बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और कई लोग वाहन के अंदर फंसे हुए थे। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोंदिया ग्रामीण पुलिस का दल मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। वाहन में फंसे घायलों और मृतकों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस एवं बचाव दल ने गैस कटर की मदद से बोलेरो को काटकर शवों और घायलों को बाहर निकाला। सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

7 घायल, अस्पताल में कराया गया उपचार

हादसे में घायल 7 लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की सूचना के बाद मृतकों के परिवारों और परिचितों में कोहराम मच गया। जिन घरों से मजदूरी के लिए परिवार निकले थे, वहां हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया।

ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज

हादसे के संबंध में घायल राजेंद्र शिवचरण पंधारे, निवासी पिपलगांव खुर्द, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट के बयान के आधार पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस ने ट्रक चालक मोहसिन खान (32), निवासी गोंदिया के खिलाफ मामला दर्ज किया है ।पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 281, 106(1), 125(a), 125(b) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत अपराध क्रमांक 527/2026 दर्ज किया है। पुलिस निरीक्षक वैभव पवार के मार्गदर्शन में मामले की आगे की जांच महिला सहायक पुलिस उपनिरीक्षक वर्षा नैताम द्वारा की जा रही है।

एक झटके में बिखर गई कई परिवारों की खुशियां

यह हादसा सिर्फ सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि उन परिवारों के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गया है, जो बेहतर कमाई और परिवार का पेट पालने की उम्मीद में घर से निकले थे। किसी ने शायद सोचा भी नहीं था कि रोजी-रोटी की तलाश में शुरू हुआ यह सफर उनके अपनों के लिए आखिरी विदाई का सफर बन जाएगा। हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे को सामने ला दिया है।

गेमिंग एप में जीत का लालच देकर छात्र से 27399 की ठगी

टेलीग्राम पर भेजी गेम की लिंक, रकम निकालने के नाम पर बार-बार करवाया भुगतान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब गेमिंग एप में रुपए जीतने का लालच देकर कक्षा 12वीं के एक छात्र से 27399 रुपए की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम मराठा बूढ़ी निवासी 18 वर्षीय

आयुष बिसेन की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आयुष बिसेन का महाराष्ट्र बैंक की हट्टा शाखा में खाता है। 5 सितंबर को उसके मोबाइल पर टेलीग्राम के माध्यम से एक गेमिंग एप की लिंक भेजी गई। लिंक पर जाने के बाद उसे पहले 500 रुपए जमा करने के लिए कहा गया। आयुष ने बताए गए लिंक ड्डड्डड्डह्ल2द्बठ्ठ3.द्यद्ब1द्र पर 500 रुपए जमा किए। इसके बाद मैसेज आया कि न्यूनतम जमा राशि 2 हजार रुपए है। इस पर उसने 1500 रुपए और जमा कर दिए।

पेमेंट के बाद यूटीआर नंबर डालने को कहा

पेमेंट में परेशानी आने पर टेलीग्राम के जरिए उससे लिंक के अंदर यूटीआर नंबर डालने के लिए कहा गया। आयुष ने बताए अनुसार यूटीआर नंबर भी दर्ज कर दिया। इसके बाद गेमिंग एप में उसके खाते में 65 545 रुपए दिखाई देने लगे। रकम बढ़ती देख उसे विश्वास हो गया कि उसने रुपए जीत लिए हैं।

रकम निकालने के नाम पर मांगे रुपए

जब आयुष ने गेमिंग एप से रकम निकालने की कोशिश की तो टेलीग्राम पर संपर्क करने वाले व्यक्ति ने पहले 6900 रुपए जमा करने को कहा। आयुष ने यह रकम भी ट्रांसफर कर दी लेकिन इसके बाद भी रकम विड्रॉल नहीं हुई। फिर उसे बताया गया कि सरकारी टैक्स कटने के बाद ही रकम निकाली जा सकेगी। इसके लिए उससे 8500 रुपए और जमा करने को कहा गया। आयुष ने यह रकम भी भेज दी ।इसके बाद आरोपी ने खुद को कस्टमर केयर से संपर्क में होने की बात कहते हुए विड्रॉल करवाने का भरोसा दिया और 5 हजार रुपए जमा करने को कहा। आयुष ने 5 हजार रुपए भी ट्रांसफर कर दिए लेकिन इसके बावजूद उसे रकम वापस नहीं मिली। कुछ समय बाद उससे 4999 रुपए और जमा करने को कहा गया। आयुष ने आरोपी की बातों में आकर यह राशि भी ट्रांसफर कर दी।

खाते में रुपए खत्म हुए तो रुक गया भुगतान

इसके बाद आरोपी ने आयुष से 4 हजार रुपए और जमा करने के लिए कहा लेकिन तब तक उसके खाते में पर्याप्त राशि नहीं बची थी। इसी दौरान आयुष के खाते में शासन की योजना के तहत लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपए की राशि आई थी। आरोपी ने गेमिंग एप में रुपए जीतने और उन्हें निकालने का लालच देकर इसी राशि में से भी रकम ट्रांसफर करवा ली। इस तरह छात्र से कुल 27 399 रुपए की धोखाधड़ी की गई।

छात्रों को ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर ठग रहे साइबर ठग

इस मामले ने एक बार फिर ऑनलाइन गेमिंग और टेलीग्राम के जरिए होने वाली साइबर ठगी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लालच देकर छात्रों को ऐसे गेमिंग एप में फंसाया जा रहा है और रकम निकालने के नाम पर अलग अलग बहाने बनाकर लगातार पैसे जमा करवाए जाते हैं। जब तक पीड़ित को ठगी का एहसास होता है, तब तक उसके खाते से बड़ी रकम निकल चुकी होती है।

शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की जांच

आयुष बिसेन ने मामले की शिकायत साइबर थाना बालाघाट में की। शिकायत के आधार पर हट्टा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन लेनदेन तथा टेलीग्राम अकाउंट से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है।

शराब के नशे में स्कूल पहुंचने पर प्रभारी प्रधान पाठक निलंबित

कलेक्टर कुमार सत्यम ने की कार्रवाई, विद्यार्थियों की कम उपस्थिति और शैक्षणिक स्तर भी मिला अत्यंत निम्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम ने शासकीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर उदासीनता पाए जाने पर शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बोंदारी, विकासखंड बिरसा के प्रभारी प्रधान पाठक कुमुद कावड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। श्री कावड़े का मूल पद माध्यमिक शिक्षक है। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट श्रीमती शकुंतला डामोर द्वारा 29 अगस्त 2026 को शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बोंदारी का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधान पाठक कुमुद कावड़े शाला में विलंब से उपस्थित पाए गए। निरीक्षण में उनके शराब के नशे की अवस्था में होने की बात भी सामने आई। इसके साथ ही शाला में विद्यार्थियों की उपस्थिति अत्यंत न्यून तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर भी अत्यंत निम्न पाया गया। निरीक्षण के बाद श्री कावड़े को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब में केवल शाला में विलंब से उपस्थित होने के संबंध में क्षमा-याचना की गई, जबकि निरीक्षण के दौरान पाए गए अन्य गंभीर बिंदुओं के संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रथम दृष्टया कुमुद कावड़े के विरुद्ध शासकीय कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता, पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर उदासीनता तथा शिक्षक पद की गरिमा के प्रतिकूल आचरण पाया गया। शिक्षक जैसे उत्तरदायित्वपूर्ण एवं गरिमामय पद पर रहते हुए इस प्रकार का आचरण गंभीर एवं अशोभनीय मानते हुए कलेक्टर कुमार सत्यम ने निलंबन की कार्रवाई की है। श्री कावड़े का उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के विपरीत कदाचरण की श्रेणी में पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ी, विकासखंड बैहर निर्धारित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट

{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 09 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 346
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 75,577.58
निफ्टी - 23,635.10
सोना - 1,64,273
चांदी - 250000
डॉलर - 94.80

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सैमसंग इंडिया ने 100 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली। लागत में बढ़ोतरी और सुस्त बिक्री की दोहरी मार झेल रही इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज सैमसंग इंडिया ने भारत में नौकरियों में कटौती की प्रोसेस शुरू कर दी है। कंपनी अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस से अधिकारियों और कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। सूत्रों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक अलग-अलग स्तरों के करीब 80 से 100 अधिकारियों को कंपनी छोडने् के लिए कहा जा चुका है। प्रभावित कर्मचारियों में सैमसंग इंडिया हेडक्वार्टर में तैनात डायरेक्टर लेवल के अधिकारियों और टीम लीडर्स के अलावा ब्रांच और एरिया मैनेजर्स भी शामिल हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स को इस वक्त वैश्विक और घरेलू स्तर पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

4 करोड़ की निर्माणाधीन टंकी नदी में समाई

बरेली। यूपी के बरेली में 4 करोड़ रुपए की निर्माणाधीन पानी की टंकी किच्छा नदी में समा गई। मंगलवार सुबह तेज बहाव के चलते कटान तेजी से हुआ। टंकी हिलने लगी और देखते ही देखते 4 सेकेंड में नदी में ढह गई। 4 दिन पहले ही इसकी बाउंड्रीवाल बह गई थी। जानकारी मिलते ही एसडीएम निधि मौके पर पहुंचीं और अफसरों और ग्रामीणों से जानकारी ली। जल जीवन मिशन के तहत 2023 से टंकी का निर्माण चल रहा था। इसका ढांचा तैयार हो चुका था, जबकि टंकी लगाने का काम बाकी था। पाइपलाइन भी बिछाई जा चुकी थी। मामला जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर शेरगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत बैरमनगर का है। टंकी का फाउंडेशन, परिसर, कमरा और गेट का काम हो चुका था। गांव के 70 प्रतिशत घरों में पानी की टोंटियां लगाई जा चुकी हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, टंकी बनाने से पहले इंजीनियरों ने सर्वे किया था, लेकिन उन्होंने नदी के कटान का ध्यान नहीं दिया।

घोटाले में घिरे पूर्व मंत्री नेहरू पर एफआईआर

चेन्नई। डीवीएसी ने पूर्व मंत्री केएन नेहरू को मुख्य आरोपी और 12 अन्य लोगों को 1,020 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामले में एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में सरकारी टेंडर में बड़ी गड़बड़ी और रिश्वत लेने का आरोप है। एफआईआर में डीएमके नेता के भाइयों और डीएमके के दो पूर्व विधायकों एस. सुदर्शनम और जे.जे. एबेनेजर का नाम शामिल है। उन पर आरोप है कि उन्होंने ठेकेदारों की सिफारिश की, टेंडर की जानकारी साझा की। इसके साथ ही कथित तौर पर रिश्वत की रकम का हिसाब-किताब किया। सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय के दस्तावेज में दावा किया गया है कि डीएमके नेता ने वरिष्ठ नौकरशाहों तक पहुंचने में मदद की और टेंडर

कुछ ना कहना

तीन राज्यों में मेडिकल इंटर्न की हड़ताल...

स्टाइपेंड बढ़ाने की कर रहे मांग, मप्र उग्र हुआ आंदोलन, भोपाल में इंटर्न डॉक्टर्स पर लाठीचार्ज के विरोध में मप्र के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में काम ठप

भोपाल/नई दिल्ली । स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मप्र, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड़ में एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टर्स आंदोलन कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टरों का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रहा। वे मौजूदा स्टाइपेंड 14,337 रुपए को बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने की मांग कर रहे हैं। इसके चलते भोपाल के हमीदिया, इंदौर के एमवाय अस्पताल, ग्वालियर, खंडवा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल समेत कई सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं प्रभावित रहीं। इस कारण मरीज परेशान होते रहे। अस्पतालों में केवल सीनियर डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। फिलहाल, भोपाल में इंटर्न डॉक्टर कमला पार्क के पास चक्काजाम कर सड़क पर बैठे हैं। उन्होंने दोपहर का भोजन भी सड़क पर ही किया। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इंटर्न डॉक्टर्स के प्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने मुख्यमंत्री के लौटने पर स्टाइपेंड बढ़ाने पर चर्चा की बात कही। इस पर इंटर्न डॉक्टर्स ने कहा- स्टाइपेंड बढ़ाने का लिखित आदेश मिलने और पुलिस एक्शन के खिलाफ कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा। इससे पहले सोमवार को सीएम हाउस की ओर मार्च कर रहे इंटर्न डॉक्टरों को पुलिस ने रोका था। इस दौरान वाटर कैनन भी चलाई। डॉक्टर्स ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल का आरोप भी लगाया। इस पर पुलिस ने कहा- धक्कामुक्की के बाद वाटर कैनन चलाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाटर कैनन मामले में जांच के निर्देश दिए हैं।

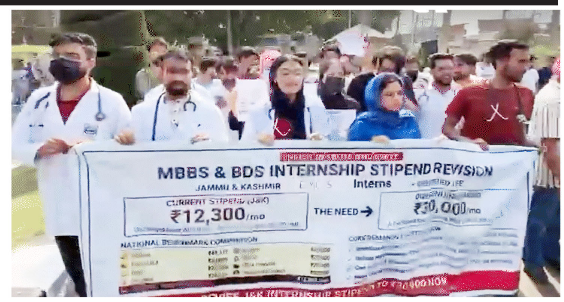

पूर्व मंत्री बोले- बात करके सुलझाया जा सकता था मामला

पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने कहा- गांधी मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टर पिछले दो-ढाई साल से स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कई डॉक्टर घायल हुए हैं, कुछ के आंख और कान में चोट आई है। कई अस्पताल में भर्ती हैं। सरकार को डॉक्टरों से बातचीत करनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री नहीं होते तो अधिकारी या दूसरे प्रतिनिधि बातचीत कर सकते थे।

भोपाल में डॉक्टरों ने सड़क पर बैठकर किया भोजन

भोपाल में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने सड़क पर ही दोपहर का भोजन किया। वे सड़क पर ही बैठे। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टर संकेत शर्मा ने कहा कि वे पिछले तीन-चार दिन से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं। उनकी दो-तीन जायज मांगें हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि मजबूरी में आंदोलन का यह कदम उठाना पड़ा। यदि सरकार मांगें मान लेती है तो इंटर्न डॉक्टर आज ही आंदोलन खत्म कर देंगे। वे तुरंत सेवा देने के लिए तैयार हैं।

अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम मानदेय

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह 14 हजार 337 रुपए स्टाइपेंड मिलता है, जो देशभर में सबसे कम है। अन्य राज्यों में मेडिकल फीस कम होने के बावजूद डॉक्टरों को इससे अधिक मानदेय दिया जाता है। दिन-रात सेवाएं देने वाले डॉक्टरों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किए जाने पर आक्रोश जताया गया है।

निलंबन और स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने मांग रखी है कि भोपाल घटना के दोषी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। इसके साथ ही इंटर्न का स्टाइपेंड अन्य राज्यों की तर्ज पर बढ़ाया जाए। मांगें पूरी न होने की स्थिति में पूरे प्रदेश में आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी गई है।

वॉटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में जांच के निर्देश

इंटर्न डॉक्टरों के साथ प्रदर्शन के दौरान हुए वॉटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में जांच के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। सोमवार को स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों पर पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया था। घटना के बाद डॉक्टरों ने कार्रवाई का विरोध किया और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की थी। मामले को लेकर सरकार और डॉक्टरों के बीच बातचीत भी जारी है। अब पुलिस आयुक्त के निर्देश पर वॉटर कैनन के इस्तेमाल की परिस्थितियों और कार्रवाई की जांच की जाएगी।

जम्मू कश्मीर में 48 घंटे की भूख हड़ताल

जम्मू-कश्मीर में एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न 31 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। जम्मू-कश्मीर के 10 सरकारी मेडिकल कॉलेजों और दो डेंटल कॉलेजों के मेडिकल इंटर्न ने बढ़े हुए स्टाइपेंड की मांग को लेकर 7 सितंबर से 48 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की है। प्रदर्शनकारी इंटर्न का कहना है कि उनका आंदोलन तब तक खत्म नहीं होगा, जब तक स्टाइपेंड को लेकर सरकार की ओर से आदेश जारी नहीं किया जाता। उनका कहना है कि इस मुद्दे पर वे सरकार को काफी समय दे चुके हैं। इस संबंध में छात्रों द्वारा 2023 में भी सिफारिश की गई थी। फिलहाल मेडिकल इंटर्न की नजर सरकार की ओर से आधिकारिक आदेश जारी होने पर है। इंटर्न का कहना है कि केवल बातचीत अब पर्याप्त नहीं हैं।

उत्तराखंड में करीब 600 इंटर्न भूख हड़ताल पर

उत्तराखंड में मेडिकल इंटर्न अपना स्टाइपेंड 17,000 से बढ़ाकर 30,000 किए जाने की मांग कर रहे हैं। इस आंदोलन में करीब 600 एमबीबीएस इंटर्न आंदोलन में शामिल हैं। इंटर्न ने ओपीडी और वार्ड ड्यूटी का बहिष्कार किया है। हालांकि इमरजेंसी ड्यूटी वाले इंटर्न मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इस आंदोलन का नेतृत्व वॉइस ऑफ इंटर्नस - उत्तराखंड के बैनर तले हो रहा है।

दिल्ली बिल्डिंग हादसे के बाद सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश

अब पूरे देश में होगी असुरक्षित इमारतों की जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की घटना के मद्देनजर पूरे देश में इमारतों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जांच करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने मामले पर यह भी कहा कि वह सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को दिल्ली हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर करने पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे मन में पहले से यह योजना है कि पूरे देश में ऐसी जांच होनी चाहिए। हम इसे (दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को) यहां ट्रांसफर करवा सकते हैं। हम इस मामले पर परसों यानी 10 सितंबर को सुनवाई करेंगे। कोर्ट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) और सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार कुमार सिन्हा ने इस मुद्दे पर एक याचिका का जिक्र किया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी जिसमें देश भर के प्राइवेट पीजी अकोमोडेशन, हॉस्टल और छात्रों के रहने की अन्य सुविधाओं के निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई थी। अजीत कुमार सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि हाल ही में हुई दुखद घटना को देखते हुए, यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है।

हल्द्वानी रेलवे जमीन विवाद-सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

शहर छावनी में तब्दील, 50000 लोगों, 11 स्कूल और 10 मस्जिदों का तय होगा भविष्य

हल्द्वानी/नई दिल्ली। हल्द्वानी का बनभूलपुरा इलाका इन दिनों सिर्फ पुलिस की भारी तैनाती के कारण चर्चा में नहीं है। यहां बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई ने उस पुराने जमीन विवाद को फिर केंद्र में ला दिया है, जिसमें एक तरफ रेलवे अपनी जमीन पर अतिक्रमण हटाकर स्टेशन का विस्तार करना चाहता है, तो दूसरी तरफ करीब 50 हजार लोगों की आबादी के सामने घर और वर्षों पुरानी बसावट बचाने की चुनौती है। सुनवाई से पहले इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बनभूलपुरा को सेक्टर, जोन और सुपर जोन में बांटकर पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। पीएसी के साथ एंटी-राइट स्क्वाड, आंसू गैस दस्ता, ड्रोन निगरानी टीम, फायर और ट्रैफिक पुलिस की भी तैनाती की जा रही है। स्थानीय इंटेलिजेंस यूनिट को भी सक्रिय किया गया है। लेकिन इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी तस्वीर जमीन के आंकड़ों से ज्यादा उन लोगों की संख्या से सामने आती है, जिनका भविष्य इस मामले से जुड़ा है।

4365 निर्माणों को बताया गया अतिक्रमण

रेलवे स्टेशन के आसपास गफूर बस्ती, ढोलक बस्ती और इंदिरा नगर का इलाका विवाद के केंद्र में है। रेलवे का दावा है कि उसकी जमीन पर बिना अनुमति निर्माण किए गए हैं। 2016-17 में रेलवे और जिला प्रशासन के संयुक्त सर्वे में 4365 निर्माणों

की पहचान अतिक्रमण के तौर पर की गई थी। दूसरी ओर, यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि वे कई दशकों से इस इलाके में रह रहे हैं। कई परिवारों का दावा है कि उनके पास जमीन और संपत्ति से जुड़े पुराने दस्तावेज मौजूद हैं। यही वजह है कि मामला केवल यह तय करने तक सीमित नहीं है कि जमीन किसकी है। असली सवाल यह है कि यदि रेलवे का दावा स्वीकार होता है, तो यहां रहने वाले हजारों परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था कैसे होगी।

एक बस्ती, जिसमें सिर्फ घर नहीं

विवादित क्षेत्र की संवेदनशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां बड़ी आबादी के साथ पूरा सामाजिक ढांचा भी विकसित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे गए आंकड़ों के मुताबिक इलाके में तीन सरकारी स्कूल, 11 मान्यता प्राप्त निजी स्कूल, 10 मस्जिदें, 12 मदरसे, एक सरकारी पब्लिक हेल्थ सेंटर और एक मंदिर मौजूद है। यानी अगर जमीन को खाली कराने का सवाल आता है, तो इसका असर केवल मकानों तक सीमित नहीं रहेगा। स्कूलों, धार्मिक स्थलों और स्वास्थ्य सुविधा सहित स्थानीय सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित होना पड़ेगा।

जमीन के कागजों पर भी टिका है विवाद

इस मामले में जमीन के स्वामित्व का इतिहास भी पेचीदा है। रेलवे अपने दावे के समर्थन में 1959 की अधिसूचना, 1971 के राजस्व रिकॉर्ड और 2016-17 के संयुक्त सर्वे का हवाला देता है। वहीं, स्थानीय लोग 1907 के सरकारी रिकॉर्ड को महत्वपूर्ण मानते हैं। उनका तर्क है कि रिकॉर्ड में जमीन को नजूल भूमि के रूप में देखा गया था और इसी आधार पर वे अपने कब्जे और लंबे समय से चली आ रही बसावट को जायज बताते हैं। हालांकि हाई कोर्ट ने स्थानीय लोगों की इस व्याख्या को स्वीकार नहीं किया था।

खरगे की रैली के बाद शुद्धिकरण पर एफआईआर

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद हुई शुद्धिकरण की घटना को लेकर कोतवाली में अज्ञात लोगों के खिलाफ स्नङ्क्र दर्ज की गई है. यह मामला वकील अंजू की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 299 तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(आर) के तहत दर्ज किया गया है. आरोपों में जाति-आधारित भेदभाव, सामाजिक अपमान और अनुसूचित जाति के व्यक्ति के प्रति नफरत और तिरस्कार की भावना रखना शामिल है. हल्द्वानी के एसपी(क्राइम) डॉ. जगदीश चंद्र इस मामले की जांच करेंगे. पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, 8 अगस्त को रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का एक कार्यक्रम हुआ था. इसके बाद, 10 अगस्त को कुछ लोगों ने उसी जगह पर तथाकथित शुद्धिकरण की रस्म निभाई. इस घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस शुद्धिकरण की रस्म से जाति-आधारित भेदभाव को बढ़ावा मिला और अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति का अपमान हुआ. इसके अलावा, एक भ्रामक और संभवत~ एडिट किए गए वीडियो के जरिए धार्मिक नफरत फैलाने के आरोप भी हैं. पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है।

उद्धव का सवाल- देश में कोई दूसरा राज्य नहीं है क्या ?

गुजरात में नेशनल फिल्म अवॉर्ड समारोह स्थानांतरित किए जाने पर उठ रहे सवाल

मुंबई। राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड समारोह को दिल्ली से गुजरात के केवडिया स्थानांतरित किए जाने पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह अपने 72 साल के इतिहास में पहली बार दिल्ली से बाहर आयोजित किया जा रहा है और इस बार इसे गुजरात के केवडिया में आयोजित किया जाएगा। ठाकरे ने कहा कि पहले विश्व कप के मैच गुजरात ले जाए गए और अब राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह भी वहीं ले जाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या देश में कोई दूसरा राज्य नहीं है?

उद्धव ने गुजरात में कथित तौर पर पंजीकृत छह फर्जी राजनीतिक दलों और एक पार्टी से जुड़े 620 करोड़ रुपये की संपत्ति के विवाद का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वह गुजराती समाज पर कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन गुजरात और देश के दूसरे राज्यों के बीच दूरी क्यों पैदा की जा रही है? उन्होंने चुनाव आयोग से भी सवाल किया कि क्या उसने संबंधित पार्टी के संविधान और उसकी संपत्तियों की जांच की है?

डीजे विवाद पर उद्धव ने कहा कि त्योहारों की पवित्रता बरकरार रहनी चाहिए और उत्सव के नाम पर अराजकता नहीं फैलनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जिनके पास गृह मंत्रालय भी है, से इस मामले का समाधान निकालने की मांग की। ठाकरे ने आरोप लगाया कि कार्यकर्ताओं को रात में उठाकर पीटा जाता है, जबकि जनता से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा।

मुंबई के लालबाग और भायखला की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने सांप्रदायिक तनाव को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को हिंदुत्व का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। एमपीएससी पेपर लीक के मुद्दे पर ठाकरे ने छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि सरकारी नौकरी की परीक्षा का पेपर लीक होने पर छात्र न्याय के लिए कहां जाएं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार को गंभीर समस्या बताया।

बीएमसी के उद्धव सेना के पार्षदों को 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत अयोग्य ठहराए जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसा कोई पैदा नहीं हुआ जो 'टाइगर' का ऑपरेशन कर सके। ठाकरे ने सवाल उठाया कि केवल उनकी पार्टी के पार्षदों के खिलाफ ही इतनी तेजी से कार्रवाई क्यों हो रही है और शिंदे सेना तथा बीजेपी के पार्षदों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर वैसी तेजी क्यों नहीं दिखाई जा रही। दिल्ली में इमारत गिरने की घटना पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि हादसे से पहले इमारतों का निरीक्षण क्यों नहीं किया गया और अब सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

मोदी मानहानि केस में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका, समन रद्द करने से इनकार

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने 2019 में मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी। हालांकि, अदालत ने निचली अदालत में मानहानि की शिकायत पर सुनवाई को छह सप्ताह तक टालने का आदेश बढ़ा दिया है। इससे राहुल गांधी को तत्काल मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने से राहत मिल गई है। उनके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल करने के लिए समय मांगा था। मामला वर्ष 2018 का है, जब राजस्थान में आयोजित एक सभा के दौरान राफेल विमान सौदे को लेकर राहुल गांधी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर 'चौकीदार चोर है' का नारा इस्तेमाल किया था। आरोप है कि उन्होंने 24 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी पोस्ट किया था, जिसमें मोदी के लिए 'कमांडर-इन-थीफ' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। इसी बयान को लेकर उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 28 अगस्त 2019 को मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया था। हाईकोर्ट में राहुल ने इसी आदेश को चुनौती दी थी।

रिजिजू बोले- 'वे हिंदुस्तानी हैं, इसे राजनीति का विषय न बनाएं'

नई दिल्ली। दिल्ली में मणिपुर के संगीतकार और म्यूजिक टीचर चोंगथम विक्रम सिंह की हत्या के मामले ने राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस से सवाल किया है। इसके जवाब में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हत्या जैसी घटना को राज्य के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित मणिपुर के रहने वाले हैं, लेकिन आखिर वे हिंदुस्तान से ही हैं और यह राजनीति का विषय नहीं है। मंत्री रिजिजू ने बताया कि मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके अनुसार, विक्रम सिंह का दक्षिणी दिल्ली में कुछ डिलीवरी एग्जीक्यूटिव और ढाबा कर्मचारियों से रात में शोर-शराबे को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद मारपीट हुई और विक्रम सिंह की मौत हो गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले को लेकर बात की है और पुलिस ने गिरफ्तार किए गए सभी आठ आरोपियों के बैकग्राउंड की जांच की है। रिजिजू ने कहा कि दिल्ली पुलिस मामले में तेजी से कार्रवाई कर रही है और जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए और सरकार इस घटना को हल्के में नहीं ले रही है। उन्होंने विक्रम सिंह के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कार्रवाई में तेजी का भरोसा दिया। उन्होंने यह भी बताया कि सभी आठ आरोपी अलग-अलग राज्यों से हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विक्रम सिंह अपने घर के बाहर हो रहे शोर को रोकने के लिए नीचे गए थे और इसी दौरान उनके साथ मारपीट की गई, जिससे उनकी मौत हो गई। राहुल ने इसे राजधानी दिल्ली में एक परिवार के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता बताते हुए सवाल किया कि नॉर्थ-ईस्ट से आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस क्या कदम उठा रहे हैं। इस मामले ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था और नॉर्थ-ईस्ट के लोगों की सुरक्षा को लेकर बहस तेज कर दी है।

नोटों की गड्डी दिखाकर चार गुना रकम का लालच-तीन आरोपी गिरफ्तार

ऊपर असली नोट नीचे कागज की गड्डियां रखकर करते थे ठगी, होंडा साइन बुलेट सहित 3.17 लाख रुपये का मशरूका जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोगों को कम समय में रकम कई गुना करने का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नोटों की गड्डियां दिखाकर लोगों का विश्वास जीतते थे और रकम लेने के बाद उसे वापस करने के नाम पर अलग-अलग बहाने बनाकर टालमटोल करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल,चार मोबाइल फोन, 7 हजार रुपये नगद तथा नोटों की गड्डी सहित कुल 3 लाख 17 हजार रुपये का मशरूका जप्त किया है।

तीन मामलों में लोगों को बनाया ठगी का शिकार

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने अगस्त 2026 में एक फरियादी को चार गुना रकम देने का झांसा देकर 30 हजार रुपये लिए थे। आरोपियों ने इसके बदले 1 लाख 20 हजार रुपये देने का भरोसा दिलाया था लेकिन रकम वापस मांगने पर टालमटोल करते रहे।दूसरे मामले में आरोपियों ने 20 मई 2026 को लालबर्रा स्थित कपड़े की दुकान पर नोटों की गड्डियां दिखाकर फरियादी को दो-तीन गुना रकम करने का लालच दिया। इसके बाद 29 मई को बालाघाट के मोती गार्डन में उससे 50 हजार रुपये लिए गए। रकम वापस मांगने पर आरोपी उसे लगातार बहाने बनाकर टालते रहे।तीसरे मामले में 3 अगस्त 2026 को ग्राम बोटेझरी चौक स्थित पान गुटखा एवं किराना दुकान पर आरोपियों ने फरियादी को नोटों की गड्डियां दिखाई और रकम तीन चार गुना करने का झांसा दिया। 9 अगस्त को 30 हजार और 10 अगस्त को 10 हजार रुपये लिए गए। रकम वापस नहीं करने पर फरियादी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सीसीटीवी और तकनीकी जानकारी से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

तीनों मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। थाना कोतवाली पुलिस ने घटनास्थलों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर को सक्रिय किया। तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि तीनों आरोपी गर्रा में वैनगंगा नदी के पुल के नीचे मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने तीनों फरियादियों से रकम चार गुना करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करना स्वीकार किया।

ऊपर तीन असली नोट नीचे कागज की गड्डियां

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोगों को अधिक रकम वापस देने का लालच देकर पहले विश्वास में लेते थे। विश्वास कायम करने के लिए नोटों की गड्डियां दिखाते थे। खास बात यह थी कि गड्डी के ऊपर असली नोट लगाए जाते थे जबकि उनके नीचे कागज की गड्डियां रखी होती थीं। रकम हासिल करने के बाद उसे लौटाने के नाम पर अलग अलग बहाने बनाकर फरियादियों को टालते रहते थे।

नंबर प्लेट बदलकर छिपाते थे पहचान

आरोपियों ने पुलिस को यह भी बताया कि वे पुलिस से बचने और अपनी पहचान छिपाने के लिए घटनाओं के दौरान मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट बदल लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से फर्जी नंबर प्लेट लगीमोटरसाइकिल भी जप्त की है। इस संबंध में प्रकरण में धारा 340(2) बीएनएस का इजाफा किया गया है।

तीनों आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी आयर्न 23 वर्ष मनकापुर नागपुर (महाराष्ट्र), लकेश चचाने 27 वर्ष मनकापुर नागपुर (महाराष्ट्र) तथा अंकित पांडे 26 वर्ष बाजारापारा, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) निवासी को गिरफ्तार किया है।

यह सामान हुआ जप्त

आरोपी आयर्न के कब्जे से होंडा साइन मोटरसाइकिल तथा आईफोन एवं वीवो कंपनी के पुराने मोबाइल फोन कुल कीमत करीब 60 हजार रुपये जप्त किए गए। आरोपी लकेश के कब्जे से रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन कीमत करीब 15 हजार रुपये तथा 2 हजार रुपये नगद और आरोपी अंकित के कब्जे से सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन कीमत करीब 5 हजार रुपये तथा 5 हजार रुपये नगद जप्त किए गए।इसके अलावा तीनों आरोपियों से संयुक्त रूप से बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक रू॥31त्र॥1089 जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपये है तथा 100-100 रुपये के नोटों की गड्डी जप्त की गई। गड्डी के ऊपर 100 रुपये के तीन असली नोट लगे थे।जबकि नीचे कागज के बंडल रखे गए थे।तीनों आरोपियों से कुल 3 लाख 17 हजार रुपये का मशरूका जप्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 606/2026, 607/2026 एवं 611/2026 में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। फर्जी नंबर प्लेट के उपयोग के संबंध में धारा 340(2) बीएनएस का इजाफा किया गया है।

प्रेसिडेंट कप फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आगाज

रोमांचक मुकाबले में भरवेली ने उकवा को 4-3 से हराया

20 टीमें दिखाएंगी दमखम, 13 सितंबर को होगा फाइनल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में फुटबॉल के खेल को नई ऊंचाइयां देने और ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से बालाघाट जिला फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 का मंगलवार को स्थानीय रेंजर

कॉलेज मैदान में शानदार आगाज किया गया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने फीता काटकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया।

शुभारंभ अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उद्योगपति जितेन्द्र कोचर, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, सुभाष गुप्ता, सेवानिवृत्त क्रीड़ा अधिकारी जसविंदर सिंह सौंधी, एनआरआई कनाडा लखविंदर सिंह, फुटबॉल संघ जिला उपाध्यक्ष जेम्स बारीक, दीपक जैन, राजेश सेवईवार, डॉ. अक्षय कटरे सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं आयोजन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।आयोजन को सफल बनाने में टूर्नामेंट कॉर्डिनेटर गणेश अग्रवाल, सुनील यादव, दिलीप राजपूत, पूनम खोब्रागढ़े, रूपेंद्र गायकवाड़, अमन गौतम, आशीष नाग, युवराज यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य जुटे हुए हैं। आयोजन समिति ने जिले के खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है

भरवेली ने रोमांचक मुकाबले में उकवा को दी शिकस्त

प्रतियोगिता का पहला मुकाबला भरवेली इलेवन और उकवा इलेवन के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मुकाबला शुरू से ही रोमांचक रहा और खिलाड़ियों ने गोल के लिए लगातार प्रयास किए। अंततः भरवेली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उकवा को 4-3 गोल से पराजित कर शुभारंभ मैच अपने नाम किया।

खेलों के नाम से पहचाना जाए बालाघाट-एसपी

मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय बालाघाट जिले की पहचान नक्सलवाद के नाम से होती थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। बालाघाट जिला नक्सलवाद से मुक्त होने के साथ ही खेल प्रतिभाओं के लिए भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है।उन्होंने कहा कि उकवा में दुर्गा उत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित होती है। इसी तरह जिला मुख्यालय पर भी राष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया जाना चाहिए। इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा। ऐसे आयोजनों से जिले के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा बड़े मंच पर दिखाने का अवसर मिलेगा।एसपी ने कहा कि बालाघाट में फुटबॉल को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जो जुनून देखने को मिलता है, वह काबिले तारीफ है। पुलिस प्रशासन खेल गतिविधियों और ऐसे आयोजनों को हमेशा प्रोत्साहित एवं सहयोग करता रहेगा।

ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा प्रोफेशनल मंच- रंगलानी

टूर्नामेंट कमेटी के अध्यक्ष रमेश रंगलानी ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले के ग्रामीण अंचलों में छिपी फुटबॉल प्रतिभाओं को एक बड़ा और प्रोफेशनल मंच उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को जिला ही नहीं, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदर्शित कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में जिले की कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष जेम्स बारीक ने किया।

मांगों पर अड़ा वंशानुगत ढीमर मछुआ समाज, दूसरे दिन भी जनपद के सामने दिया धरना

नव सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन प्रदर्शन जारी, प्रशासन की बेरुखी पर नाराजगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वंशानुगत ढीमर मछुआ समाज अपनी नव सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार से जिला मुख्यालय पहुंचकर स्थानीय जनपद पंचायत के सामने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार को आंदोलन के दूसरे दिन भी समाज के लोग धरना स्थल पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। समाज ने स्पष्ट कर दिया है कि मांगों का निराकरण होने तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। समिति पदाधिकारी शेखर जायसवाल ने कहा कि समाज पिछले लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर शासन और प्रशासन के समक्ष आवेदन एवं ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात रखता आ रहा है। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण अब समाज को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस बार केवल आश्वासन के भरोसे आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। शेखर जायसवाल के अनुसार सोमवार को समाज के लोग कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें वहां प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर मिले निर्देश और परिस्थितियों के चलते उन्होंने अपना प्रदर्शन स्थानीय जनपद पंचायत के सामने शुरू किया। सोमवार के बाद मंगलवार को भी समाज के लोग इसी स्थान पर टेंट लगाकर धरने पर बैठे रहे। आंदोलनकारियों की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि दो दिन से धरना चलने के बावजूद संबंधित विभाग का कोई अधिकारी उनसे चर्चा करने नहीं पहुंचा। समाज पदाधिकारी का कहना है कि न तो विभागीय अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और न ही प्रशासन की ओर से कोई जिम्मेदार प्रतिनिधि उनकी समस्याएं सुनने आया। इससे आंदोलनकारियों में प्रशासन के प्रति नाराजगी और बढ़ती जा रही है। धरना स्थल पर मंगलवार को दिनभर समाज के लोगों ने टेंट लगाकर माइक के माध्यम से अपनी मांगों और समस्याओं को उठाया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं और कई बार अधिकारियों

को इसकी जानकारी दी जा चुकी है। इसके बावजूद समाधान के बजाय लगातार आश्वासन ही मिलते रहे हैं। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी नव सूत्रीय मांगों पर जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। शेखर जायसवाल ने कहा कि जरूरत पड़ी तो समाज के लोग आमरण अनशन पर बैठेंगे और इसके बाद भी मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन का विस्तार करते हुए बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। समाज पदाधिकारी ने कहा कि आंदोलन को आगे बढ़ाने की स्थिति में पैदा होने वाली परिस्थितियों की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। उनका कहना है कि समाज शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहा है और प्रशासन से बातचीत कर समाधान चाहता है, लेकिन यदि उनकी बात सुनने के लिए कोई आगे नहीं आता है तो आंदोलन को मजबूरन अगले चरण में ले जाना पड़ेगा। मंगलवार को दूसरे दिन भी धरना जारी रहने के साथ अब प्रशासन के सामने समाज की मांगों को लेकर बातचीत शुरू करने की चुनौती है। वहीं आंदोलनकारी भी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में प्रशासन की ओर से क्या पहल होती है और क्या समाज को चर्चा के लिए बुलाया जाता है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

रूपझर पुलिस ने दो साल से फरार वारंटी को दबोचा-न्यायालय में किया पेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रूपझर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गोपनीय एवं विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी वारंट में फरार चल रहे आरोपी उदय उर्फ उदेलाल टेकाम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेती के नेतृत्व में फरार वारंटियों की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी संजय शाक्य न्यायालय बैहर जिला बालाघाट के प्रकरण क्रमांक ऋष्ठज्ञ/286/2024 में धारा 324, 294, 323, 506 भादवि के तहत जारी गिरफ्तारी वारंट की तामीली करते हुए पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपी उदय उर्फ उदेलाल पिता जयसिंह टेकाम 40 वर्ष वार्ड क्रमांक 01 जगनटोला थाना रूपझर निवासी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए परिजनों को सूचना दी और आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

इनकी रही अहम भूमिका

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेती, प्रधान आरक्षक द्वारिकानारायण दुबे, प्रधान आरक्षक तेजराम उइके, आरक्षक उमेश मालवीय, आरक्षक अभिषेक कोष्टी, आरक्षक कृष्णकुमार यादव, आरक्षक जितेंद्र ब्रम्हे एवं विशेष सहयोगी दस्ते के सदस्य सुरेश मेरावी का सराहनीय योगदान रहा।

आवश्यकता है
लड़कों की
आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैंने महेंद्र कुमार उर्फ टक्कल पिता श्री बारेलाल गायग्वाल जाति कुम्हार, सुरेंद्र कुमार पिता श्री बारेलाल गायग्वाल जाति कुम्हार, नरेंद्र कुमार पिता श्री बारेलाल गायग्वाल जाति कुम्हार, प्रहलाद कुमार पिता श्री बारेलाल गायग्वाल जाति कुम्हार, दौलत कुमार पिता श्री बारेलाल गायग्वाल जाति कुम्हार सभी निवासी कुम्हारी मोहल्ला ग्राम पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. के स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नंबर 331/15, 522/5 रकबा 0.405 हे0 भूमि विक्रय करने का सौदा दिनांक 30.07.2024 को एक मुश्त राशि पचपन लाख रूपये में करते हुये दिनांक 03.07.2024 को एक बिक्री इकरारनामा निष्पादित कर दिया और विक्रय प्रतिफल की राशि में से विक्रेतागणों ने ग्यारह लाख नब्बे हजार रूपये की राशि मुझसे प्राप्त कर लिया है। कोई आमजन उपरोक्त विक्रेतागणों से उक्त भूमि के संबंध में खरीदी बिक्री का सौदा ना करे और ना करावें। कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन के बाद सौदे शुदा भूमियां जिनका विवरण ऊपर दिया गया है, किसी भी रूप में अपने पक्ष में अंतरित/अर्जित/भारित करने हेतु अग्रसर न हो। यदि कोई भी व्यक्ति, इस सूचना के प्रकाशन के बाद सौदे शुदा भूमियों को अपने पक्ष में अर्जित/अंतरित/भारित करता है या ऐसा करने का प्रयत्न या अनुबंध करता है तो ऐसा अर्जन/अंतरण/भारण या उसका अनुबंध, अवैधानिक और अनाधिकृत मेरे विरूध्द बंधनकारी, प्रभावी और प्रवर्तनीय नहीं होगा।

अतः आम सुचना प्राप्त करे।

प्रकाशक
निजामुद्दीन पिता अब्दुल करीब रंगरेज
निवासी वार्ड नंबर 15 ग्राम पांढरवानी
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.
मोबाईल नंबर 7000605349

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा वारासिवनी

समितियों की वार्षिक आमसभा की सूचना

दिनांक 18 सितम्बर 2026

आपको सूचित किया जाता हैं कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा वारासिवनी के अंतर्गत आने वाली निम्नांकित बहुउद्देशीय प्रा.कृषि साख सहकारी समितियों की वार्षिक आमसभा निम्नानुसार समितियों के कार्यालय भवन में आयोजित की गई हैं। निर्धारित समय पर गणपूर्ति के अभाव में बैठक स्थगित की जाकर उसी दिनांक एवं उसी जगह पर आधा घंटा पश्चात पुनः प्रारंभ की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी अतः आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय हैं।

विषय सूची

1. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिए तैयार किया गया हो, अनुमोदन करने के लिए। 2.संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन यदि वह कराया जाना अपेक्षित हो गया हैं। 3.संपरीक्षा रिपोर्ट, यदि प्राप्त हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने के लिए। 4.शुद्ध लाभ के व्ययन के लिए। 5.किसी अन्य विषय पर जो कि उपविधियों के अनुसार लाया जाये, विचार करने के लिए। 6.आगामी सहकारी वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत करने के लिए। 7.वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए घाटे के कारणों का परीक्षण करना। 8.लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करना।

क्र.	समिति का नाम	संस्था प्रबंधक	प्रशासक	दिनांक	समय
1	बहु. प्रा. कृषि सहकारी साख समिति मर्या.वारासिवनी	दिनेश परिहार	एस के बोम्बर्डे	30.09.2026	दोपहर 1 बजे
2	बहु. प्रा. कृषि सहकारी साख समिति मर्या.कायदी	के एस उइके	एस के बोम्बर्डे	29.09.2026	दोपहर 1 बजे
3	बहु. प्रा. कृषि सहकारी साख समिति मर्या.सावंगी	बी सी पंचेश्वर	एस के बोम्बर्डे	26.09.2026	दोपहर 1 बजे
4	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. झालीवाड़ा	एस एन पटले	एस के बोम्बर्डे	24.09.2026	दोपहर 1 बजे
5	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. रमरमा	एम एल ऐड़े	एस के बोम्बर्डे	22.09.2026	दोपहर 1 बजे
6	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. थानेगॉव	एस एन पटले	एस के बोम्बर्डे	21.09.2026	दोपहर 1 बजे
7	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. जागपुर	एस के बिसेन	एस के बोम्बर्डे	28.09.2026	दोपहर 1 बजे
8	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. कोस्ते	एस एन पटले	एस के बोम्बर्डे	23.09.2026	दोपहर 1 बजे
9	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. बुदबुदा	एम एल ऐड़े	एस के बोम्बर्डे	20.09.2026	दोपहर 1 बजे
10	बहु. प्रा. कृषि साख सहकारी समिति मर्या. कोचेवाही	एम एल ऐड़े	एस के बोम्बर्डे	19.09.2026	दोपहर 1 बजे

एवं समस्त कर्मचारीगण बहु.प्रा.साख सह.समितियॉ

न्यूज गैलरी

टीईटी परीक्षा शिक्षकों का अपमान, समस्त शिक्षक करेंगे बहिष्कार,आज सौपेंगे ज्ञापन

बैठक में ई-अटेंडेंस का भी जताया विरोध सेवानिवृत शिक्षक अंगद चौधरी का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा शिक्षक संघ जिला बालाघाट द्वारा शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत शिक्षक अंगद चौधरी का श्रीफल साल और पुष्प माला से स्वागत कर अभिनंदन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष हरिशंकर दमाहे ने की ।वही राष्टपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सुनील मेश्राम की विशिष्ट स्थिति पदाधिकारियो सदस्यो द्वारा टीईटी शिक्षक पात्रता परीक्षा और विद्यालय में शिक्षकों द्वारा ईअटेंडेंस पर व्यापक चिंतन किया गया। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित सुनील मेश्राम ने कहा कि शिक्षक का सम्मान समाज एवं राष्ट की एकता और अखंडता के लिए आवश्यक है जब अनिवार्य अर्हताए प्राप्त करके शिक्षक शासन में सेवाएं दे रहा है तो पात्रता परीक्षा का प्रयोजन प्रश्नात्मक हो जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व अध्यक्षों एवं पदाधिकारी ने एकमत से ही ईअटेंडेंस की समस्याओं को देखते हुए एवं शिक्षकों को होने वाले आर्थिक नुकसान से बचने तथा टीईटी जैसी अपमानजनक परीक्षा का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व जिला अध्यक्ष टीएल भालेकर,डीएस कलचुरी, केआर सोनवाने, रेवाप्रसाद जतरे, संतोष मेश्राम, नरेंद्र डोहरे,महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष लीना रूसी नूरजहां कुरैशी,उराडे मैडम एवं संगठन से जुड़े अन्य पदाधिकारी सदस्य बैठक में उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी जिला प्रवक्ता प्रो. हंसराज भौतिक द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन हरि प्रसाद देशमुख द्वारा किया गया। अंत में आभार व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष हरिशंकर दमाहे द्वारा संगठन की मजबूती का आह्वान किया गया साथ ही उन्होंने अपनी इन्हीं मांगो को लेकर गुरुवार शाम 5:30 बजे महामहिम राष्टपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने, टीईटी परीक्षा पर राष्टपति महोदय से हस्तक्षेप की मांग को लेकर गुहार लगाई जाने की भी जानकारी दी है।

गुजरी बाजार में एक साथ 8 दुकानों के टूटे ताले

रात के अंधेरे में बेखौफ बदमाशों का आतंक, सीसीटीवी कैमरों से भी की छेड़छाड़, दुकानदारों ने संदिग्ध युवक पर जताया शक, पुलिस ने शुरू की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के मेन रोड स्थित गुजरी बाजार वार्ड क्रमांक 16 में बीती रात चोरों ने एक साथ कई दुकानों को निशाना बनाते हुए पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े कर दिए। बदमाशों ने करीब 7 से 8 दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद सुबह बाजार पहुंचने वाले दुकानदारों को अपनी दुकानें अस्त-व्यस्त मिलीं, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार गुजरी बाजार में चाय, पान, मनिहारी और किराना सहित अलग-अलग व्यवसाय की दुकानें वर्षों से संचालित हैं। रात के समय दुकानदार अपने प्रतिष्ठान बंद कर घर चले गए थे। इसी दौरान बदमाशों ने एक के बाद एक दुकानों के ताले तोड़े और जहां से सामान व नकदी हाथ लगी, उसे लेकर फरार हो गए।

चाय दुकान संचालक सचिन असाटी ने बताया कि उन्होंने रात करीब 9 से 10 बजे के बीच दुकान बंद की थी। सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो ताला टूटा मिला। दुकान में रखी करीब तीन हजार रुपए की दैनिक नकदी के साथ लगभग तीन हजार रुपए का किराना और कपूर चोरी होने की जानकारी उन्होंने दी। पान ठेला संचालक शेख जमील ने बताया कि सुबह पहुंचने पर उनके ठेले के दोनों ताले टूटे मिले। हालांकि अंदर से कोई सामान चोरी नहीं हुआ। वहीं मनोहर मंगलानी ने बताया कि उनकी दुकान का भी ताला तोड़ा गया था, लेकिन शटर वजनदार होने के कारण बदमाश अंदर प्रवेश नहीं कर सके और उनका सामान सुरक्षित बच गया। दुकानदारों के अनुसार घटना के दौरान बदमाशों ने बाजार में लगे कुछ सीसीटीवी कैमरों को भी क्षतिग्रस्त किया। कई कैमरों की दिशा बदलने की बात सामने आई है, जिससे वारदात के दौरान बदमाशों ने अपनी पहचान छिपाने का प्रयास किया होने की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा कुछ दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। एक हाल ही में शुरू हुई मनिहारी दुकान में सबसे अधिक नुकसान होने की बात सामने आई है। दुकानदार के अनुसार दुकान में रखा करीब तीन लाख रुपए तक का सामान चोरी या क्षतिग्रस्त होने का अनुमान है। सभी दुकानों को मिलाकर दुकानदारों ने करीब तीन से चार लाख रुपए तक के नुकसान की आशंका जताई है। घटना के बाद दुकानदारों ने गुजरी चौक में घूमने वाले एक संदिग्ध युवक पर भी शक जताया है। उनका आरोप है कि उक्त युवक पहले भी चोरी जैसी घटनाओं में शामिल रहा है और कार्रवाई के बाद कुछ समय में बाहर आने के बाद दोबारा ऐसी घटनाएं करता है। हालांकि चोरी की इस वारदात में उसकी संलिप्तता की अभी पुलिस स्तर से पुष्टि नहीं हुई है। दुकानदारों का कहना है कि यदि पूर्व की घटनाओं में सख्त कार्रवाई की जाती तो इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाया जा सकता था। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि इस मामले में संदिग्ध युवक से पूछताछ कर वास्तविक आरोपी तक पहुंचा जाए और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। दुकानदारों ने रात के समय गुजरी चौक और बाजार क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग भी की है। उनका कहना है कि मुख्य बाजार में एक साथ इतनी दुकानों के ताले टूटना सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। नियमित रात्रि गश्त होने से ऐसी घटनाओं पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। इधर घटना के संबंध में दो दुकानदारों ने कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने का काम शुरू कर दिया है। पुलिस संदिग्ध युवक की तलाश भी कर रही है और जांच के बाद ही चोरी की पूरी स्थिति स्पष्ट होने की बात सामने आ रही है। एक ही रात में कई दुकानों के ताले टूटने की इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब दुकानदारों की नजर पुलिस की कार्रवाई पर है कि आरोपी कब तक पकड़े जाते हैं और चोरी हुए सामान की बरामदगी हो पाती है या नहीं। साथ ही बाजार क्षेत्र में रात की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस को ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

बीएसी-सीएसी की काउंसलिंग या खानापूर्ति ? आवेदन के लिए महज एक दिन, अगले दिन चयन

वरिष्ठता, उम्र और कार्यकाल के नियम ताक पर! पारदर्शिता पर सवाल, करीबियों को पद बांटने के आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार विकासखंड अकादमिक समन्वयक (बीएसी) और जन शिक्षक (सीएसी) के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए 5 अगस्त को डाइट परिसर बालाघाट में काउंसलिंग आयोजित की गई थी। काउंसलिंग के दौरान कुछ आवेदकों ने वरिष्ठता को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसके बाद पूर्व में आयोजित काउंसलिंग को निरस्त कर दिया गया। अब विभाग द्वारा पात्र एवं इच्छुक आवेदकों को शामिल करते हुए 9 सितंबर को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत बालाघाट में पुन: काउंसलिंग कराई जा रही है।

विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार इच्छुक पात्र आवेदक 8 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक निर्धारित प्रपत्र में अपना आवेदन जिला शिक्षा केंद्र बालाघाट में जमा किये थे। जिन आवेदकों ने पूर्व में आवेदन जमा किया है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। काउंसलिंग में शामिल होने वाले आवेदकों को नियुक्ति और शैक्षणिक योग्यता से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि नई काउंसलिंग प्रक्रिया का आदेश जारी होते ही शिक्षक संगठनों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष रितेश गेडाम ने आरोप लगाया कि बीएसी और सीएसी जैसे महत्वपूर्ण पदों की काउंसलिंग के लिए समय रहते व्यापक रूप से विज्ञापन जारी कर सभी पात्र शिक्षकों को जानकारी दी जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। रितेश

का आरोप है कि 8 सितंबर को ही आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख रखी गई और अगले ही दिन 9 सितंबर को काउंसलिंग आयोजित की जा रही है। उनका कहना है कि इतनी कम समय सीमा में जिले के सभी पात्र शिक्षक आवेदन की जानकारी हासिल कर प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकते। उन्होंने दावा किया कि कुछ आवेदक आवेदन जमा करने पहुंचे, लेकिन तकनीकी या अन्य त्रुटियां बताकर उन्हें वापस कर दिया गया। शिक्षक संगठन ने बीएसी और सीएसी पदों पर लंबे समय से जमे शिक्षकों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। संगठन का आरोप है कि कुछ शिक्षक निर्धारित कार्यकाल से कहीं अधिक समय से इन पदों पर बने हुए हैं। रितेश का कहना है कि जिन पदों का कार्यकाल सीमित अवधि के लिए होता है, वहां वर्षों तक एक ही व्यक्ति के बने रहने से नई नियुक्तियों और पात्र शिक्षकों के अवसर प्रभावित होते हैं। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि कई मामलों में शिक्षक दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद भी पदों पर बने हुए हैं। वहीं उम्र सीमा और पात्रता के नियमों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। संगठन का दावा है कि निर्धारित आयु सीमा से अधिक उम्र के शिक्षक भी लंबे समय से बीएसी और सीएसी जैसे पदों पर कार्यरत हैं, जिसकी विभाग को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। रितेश ने आरोप लगाया कि यदि सभी रिक्त पदों को स्पष्ट रूप से सामने रखकर नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जाती तो अधिक से अधिक पात्र शिक्षक काउंसलिंग में शामिल हो सकते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पदों को सार्वजनिक प्रक्रिया से दूर रखने तथा कुछ शिक्षकों को ऐसे क्षेत्रों में नियुक्त करने की कोशिश की जाती है जहां अन्य शिक्षक जाना नहीं चाहते। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। शिक्षक संगठन ने मांग की है कि 9 सितंबर को होने वाली काउंसलिंग पूरी तरह पारदर्शी तरीके से कराई जाए। सभी रिक्त पदों की जानकारी सार्वजनिक की जाए और पात्रता, वरिष्ठता, आयु सीमा तथा कार्यकाल से जुड़े नियमों का समान रूप से पालन किया जाए। संगठन का कहना है कि किसी भी शिक्षक के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। रितेश ने चेतावनी दी है कि यदि काउंसलिंग प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की गई तो संगठन इसका विरोध करेगा और आवश्यकता पड़ने पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और जिला शिक्षा अधिकारी से पूरे मामले में हस्तक्षेप कर पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं इस पूरे मामले को लेकर जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी श्री बर्मन और जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों अधिकारियों ने फोन रिसीव नही किया । अब 9 सितंबर को होने वाली काउंसलिंग पर शिक्षकों और शिक्षक संगठनों की नजर रहेगी। खास तौर पर यह देखना होगा कि वरिष्ठता और पात्रता को लेकर पहले उठी आपत्तियों के बाद इस बार विभाग प्रक्रिया को किस तरह पारदर्शी बनाता है।

दंपती को थाने ले जाकर मारपीट करने के मामले में मरार माली समाज में रोष ,एसपी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना पुलिस पर ग्राम टिमकीटोला निवासी दंपती को कथित रूप से अवैधानिक तरीके से हिरासत में लेकर थाने लाने और उनके साथ मारपीट व अमानवीय व्यवहार किए जाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले की जानकारी सामने आने के बाद जिला मरार माली समाज में आक्रोश देखने को मिल रहा है। समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। समाज की ओर से दिए गए ज्ञापन में ग्राम टिमकीटोला, तहसील किरनापुर निवासी कैलाश चौधरी द्वारा 7 सितंबर को दिए गए आवेदन का हवाला दिया गया है। आवेदन के अनुसार किरनापुर थाना पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा कैलाश चौधरी और उनकी पत्नी को कथित तौर पर हिरासत में लेकर थाने लाया गया। आरोप है कि थाने के बंद कमरे में उनके साथ मारपीट की गई और अमानवीय व्यवहार किया गया। मामला सामने आने के बाद समाज ने पुलिस विभाग द्वारा जांच के लिए गठित एसआईटी की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए हैं। समाज प्रतिनिधियों का कहना है कि जब आरोप सीधे किरनापुर थाना पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों पर लगाए गए हैं, ऐसे में उसी विभाग के अधिकारियों से जांच कराए जाने पर निष्पक्षता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। समाज पदाधिकारियों मीरा राधेश्याम सिंगनधुपे, राम भाऊ पंचेश्वर और राधेश्याम सिंगनधुपे ने कहा कि मामले की जांच ऐसी एजेंसी या अधिकारी से कराई जानी चाहिए, जिसका इस प्रकरण से कोई प्रत्यक्ष संबंध न हो। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की स्वतंत्र, न्यायिक, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ संवैधानिक और दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। समाज ने पुलिस अधीक्षक से यह भी मांग की है कि जांच की प्रक्रिया और उसके निष्कर्ष को सार्वजनिक किया जाए, ताकि पीडित परिवार के साथ न्याय होने का भरोसा कायम हो सके। प्रतिनिधियों का कहना है कि घटना की जानकारी समाज के लोगों तक पहुंचने के बाद से लोगों में गहरा आक्रोश है और यदि मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया तो स्थिति आंदोलन तक पहुंच सकती है। समाज प्रतिनिधियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय नहीं मिला और जांच निष्पक्ष तरीके से नहीं कराई गई तो जिला मरार माली समाज सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा। इसके साथ ही समाज न्यायिक जांच की मांग को लेकर आगे की रणनीति भी तय करेगा।

आदिवासी बैगा समाज के 30 बच्चों की मौत शासन प्रशासन की लापरवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विगत दिनों आदिवासी क्षेत्र बैहर तहसील में 30 बच्चों की दु:खद मौत ने यह बता दिया है कि प्रशासन और सरकार दोनों की लापरवाही है और जन सुरक्षा के दावों को पोल खोलती है कुल मिलाकर प्रशासन संवेदनहीन है ।उक्त वक्तव्यं अपना दल एस के राष्टीय महासचिव प्रभारी म.प्र.आर बी सिंह पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी किया है ।उन्होंने आगे बताया कि इतनी बड़ी घटना इसका मतलब आदिवासी इलाकों में व्यवस्था के नाम पर शून्यता है, सरकार बजट पास करती है कि आदिवासियों के क्षेत्र में विकास करने के लिए लेकिन हुआ क्या यही विकास है यही सुविधाएं है ।उन्होंने मांग की है कि सरकार तत्काल प्रभाव से स्वास्थ से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, अविलंब स्वच्छ पानी की व्यवस्था करे, डेंगू मलेरिया की रोकथाम के लिए डॉक्टरो की एक टीम भेजे, जो बच्चे मरे है सरकार उनके परिवार जनों हेतु आर्थिक सहयोग करे।

केंद्रीय विद्यालय भरवेली की अंडर-14 बास्केटबॉल टीम बनी विजेता

पुलिस लाइन मैदान में प्रतियोगिता के बाद हुआ था टीम का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केंद्रीय विद्यालय भरवेली, बालाघाट की अंडर-14 बास्केटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में विजेता बनने का गौरव हासिल किया है। टीम का चयन पुलिस लाइन

बास्केटबॉल मैदान, बालाघाट में आयोजित प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर केंद्रीय विद्यालय भरवेली की टीम को ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए चुना गया है ।अब भरवेली की अंडर-14 बास्केटबॉल टीम 14 से 16 सितंबर 2026 तक कानपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित ऑल इंडिया प्रतियोगिता में मध्य क्षेत्र,मप्र का प्रतिनिधित्व करेगी। टीम के चयन और उपलब्धि से विद्यालय परिवार, खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में उत्साह का माहौल है ।ऑल इंडिया प्रतियोगिता में जाने वाले खिलाड़ियों का पुलिस लाइन बास्केटबॉल मैदान में उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान उपस्थित खेलप्रेमियों और खिलाड़ियों के परिवारजनों ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की कामना की। इस अवसर पर अध्यक्ष पशवेद पारधी, आरआई अजीत कुमार कामरे, प्राचार्य अरुण तुमसरे, नरेंद्र सिंह परिहार, नितेश बारेबार, सतीश भोज, शिवम टेकाम, राकेश मिश्रा, चिनू, राजकुमार, नीटू चौधरी, तपेश असाटी, टिंगां भोज, सुशील पालीवाल, संतोष चौरसिया, नरेश धुवारे, बंटी चौधरी, हैप्पी जैन सहित अन्य खेलप्रेमी, खिलाड़ी एवं उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहे। खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बालाघाट और मध्य क्षेत्र का नाम रोशन करने का संकल्प लिया। टीम की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और खेलप्रेमियों ने खुशी जताई।

प्लॉट बेचकर भूल गया कॉलोनाइजर, सुविधाओं के इंतजार में एकता कॉलोनी हीरापुर के रहवासी

सड़क-नाली और बिजली का मिला था भरोसा, वर्षों बाद भी अधूरी व्यवस्था, बारिश में जलभराव और अंधेरे में सुरक्षा का संकट, जनसुनवाई में पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हीरापुर की वार्ड क्रमांक 08 स्थित एकता कॉलोनी में प्लॉट खरीदकर मकान बनाने वाले रहवासी वर्षों बाद भी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। कॉलोनी में प्लॉट खरीदते समय जमीन मालिकों और कॉलोनाइजर की ओर से सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया था, लेकिन रहवासियों का कहना है कि वर्षों बीत जाने के बाद भी वादे के मुताबिक व्यवस्थाएं विकसित नहीं की गईं।

रहवासियों के अनुसार कॉलोनी में पक्की सड़क नहीं होने से आवागमन में परेशानी होती है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब पानी भर जाने से रास्ते कीचड़ और जलभराव में तब्दील हो जाते हैं। इसके चलते बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। कॉलोनी निवासी शबाना कुरैशी सहित अन्य वार्डवासियों ने बताया कि उन्होंने कुछ वर्ष पहले यहां प्लॉट खरीदा था। प्लॉट खरीदते समय उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि मकान निर्माण से पहले कॉलोनी में सड़क, नाली, बिजली और पानी सहित जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी। इसी भरोसे पर लोगों ने अपनी जमा पूंजी लगाकर जमीन खरीदी और मकान बनाए, लेकिन अब वे मूलभूत सुविधाओं के लिए ही अधिकारियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। रहवासियों का कहना है कि इस संबंध में जमीन विक्रेताओं से कई बार संपर्क कर समस्या बताई गई। हर बार काम कराने का आश्वासन मिला, लेकिन मौके पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। वर्षों बाद भी पक्की सड़क और व्यवस्थित नाली नहीं होने से बारिश के मौसम में जलभराव बड़ी समस्या बन जाता है। कॉलोनी में प्रकाश व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी रहवासियों में नाराजगी है। एक महिला वार्डवासी ने बताया कि शाम के समय कॉलोनी में अंधेरा होने के कारण बीते दिनों उनके साथ चेन स्नेचिंग की घटना तक हो चुकी है। उनका आरोप है कि अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश उनकी लाखों रुपए की चेन छीनकर फरार हो गया। ऐसे में रहवासी सड़क के साथ पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग कर रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि कॉलोनी ग्राम पंचायत के नियमित क्षेत्र में विकसित नहीं होने के कारण पंचायत द्वारा निजी जमीन बताकर स्थायी निर्माण कार्य कराने में असमर्थता जताई जाती है। हालांकि ग्राम पंचायत द्वारा बारिश के दौरान पानी निकासी की व्यवस्था करने और प्रकाश व्यवस्था के लिए स्ट्रीट लाइट लगाए जाने की बात भी सामने आई है, लेकिन रहवासी इसे स्थायी समाधान नहीं मान रहे हैं।

रहवासियों ने बताया कि जब प्लॉट खरीदे गए थे, तब सुविधाओं का भरोसा दिया गया था। अब मकान बनाकर परिवार के साथ रहने के बाद उन्हें सड़क, नाली और प्रकाश जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि निजी जमीन होने का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचने के बजाय संबंधित विभागों को समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। इसी मांग को लेकर 8 सितंबर को आयोजित जनसुनवाई में एकता कॉलोनी के रहवासी एकजुट होकर पहुंचे और प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। रहवासियों ने ज्ञापन सौंपकर कॉलोनी में पक्की सड़क, नाली, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को 23 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

पुरानी पेंशन बहाली, समान समयमान वेतनमान का लाभ एवं टीईटी परीक्षा रद्द करने सहित अन्य लंबित मागों को पूरा करने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर 23 सूत्रीय मांगों को लेकर लालबर्रा म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के बैनर तले संघ के पदाधिकारी एवं शिक्षकों ने मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार को ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों एवं टीईटी परीक्षा को रद्द करने की मांग की है। वहीं मांगे पूरी नही होने पर प्रांतीय आव्हान पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। चर्चा में म.प्र. रा%य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा कर्मचारियों के हितैषी घोषणाओं को पूरा किये जाने की मांगों को लेकर बार-बार ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया जा रहा है। जिसमें अधिकारी/कर्मचारियों एवं पेंशनरों को स्वास्थ्य बीमा योजना, कर्मचारी आयोग के गठन सहित दो संतान की बाध्यता समाप्त करने संबंधित आदेश की कार्यवाही अपेक्षित है। शासन की हठधर्मिता के कारण प्रदेश के समस्त वर्गो के कर्मचारी/अधिकारियों में रोष व्याप्त है। इसलिए सरकार से लंबे समय से पुरानी पेंशन सहित अन्य लंबित मांगों को पूरा किये जाने की मांग की जा रही है लेकिन सरकार उसे पूरा नही कर रही है। मंगलवार को म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर 23 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन तहसीलदार को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया है और सरकार से उक्त मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग की है। यदि मांगे पूरी नही होती है तो आगामी समय में सभी शिक्षक आंदोलन करने बाध्य होगें जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्रीराम तुरकर, एनके बिसेन, एसआर राणा, श्याम भलावी, जितेन्द्र डहारे, बलेश्वर रहांगडाले, दिपांकर मेश्राम, एम राणा, जीआर अंगुरे, राजेन्द्र दुबे सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

ये है प्रमुख मांगे

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ लालबर्रा द्वारा सौंपे गये ज्ञापन में प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना वरिष्ठता के साथ लागू किये जाने, ग्रेज्यूटी की सीमा केन्द्र के सामान 25 लाख किये जाने, शिक्षा विभाग, आदिम जाति कार्य विभाग में नवीन शैक्षणिक संवर्ग की सेवा अवधि की गणना नियुक्ति दिनांक से की जाने, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केन्द्र के समान महंगाई भत्ता दिये जाने, लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान का लाभ दिये जाने, दो से अधिक संतान की बाध्यता वाले आदेश को तत्काल निरस्त करने, स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ दिये जाने, पंचायत सचिवों का संविलियन पंचायत विभाग में किये जाने, नवीन नियुक्तियां में स्टाप फंड की व्यवस्था को माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्णय अनुसार समाप्त कर 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के पूर्णवर्ति नियम को लागू किये जाने, कृषि विस्तार अधिकारियों की वेतन विसंगति का निराकरण मान. उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार किये जाने, समस्त विषय के सहायक शिक्षक/उच्च श्रेणी शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक को वरिष्ठ और योग्यता के आधार पर पदोन्नति दिये जाने, विशेषकर जिन्होने स्नातक एवं स्नातकोत्तर जिस विषय में किया गया है उसमें पदोन्नति प्रदान किये जाने, पदोन्नति में डीईओं और बीईएड की अनिवार्यता को पदोन्नति उपरांत विभागीय बीईएड करवाये जाने, भृत्य का पदनाम परिवर्तित कर कार्यालय सहायक किये जाने, परिवार पेंशन के लिए 33 वर्ष की अहर्ता सेवा को कम कर 25 वर्ष किये जाने, प्रदेश के सभी विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का तत्काल निराकरण किये जाने, नियमों का सरलीकरण करते हुए 3 वर्ष में सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता में संसोधन कर पूर्ण नियमों के अनुसार सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत वेतन वृध्दि का लाभ दिये जाने एवं सेवा समाप्ति के आदेश को निरस्त कर शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति हेतु पात्रता परीक्षा एवं प्रशिक्षण की अनिवार्यता को समाप्त किये जाने सहित अन्य मांगे शामिल है।

लंबित मांगों को पूरा करें सरकार - श्रीराम

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ लालबर्रा अध्यक्ष श्रीराम तुरकर ने बताया कि सरकार से लंबे समय से हमारी 23 सूत्रीय मांगों को पूरा किये जाने की मांग कर रहे है, जिसमें पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मांगे शामिल है। लेकिन सरकार उसे पूरा नही कर रही है इसलिए मंगलवार को संघ के प्रांतीय आव्हान पर देश के प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया है। पुरानी पेंशन योजना वरिष्ठता के साथ लागू करने, टीईटी परीक्षा को रद्द करने सहित अन्य लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की गई है। सरकार से मांग है कि उक्त मांगों को जल्द पूरा करें, मांगे पूरी नही होने पर प्रांतीय संगठन के निर्णय अनुसार आगामी आंदोलन किये जायेगें।

टेंगनीकला में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीकला में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शुक्रवार को ग्राम स्थित श्रीकृष्ण मंदिर एवं हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा अपने-अपने घरों में शुभ-मुहूर्त पर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना कर ग्राम की सुख-समृध्दि के लिए प्रार्थना की गई और रातभर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं दुसरे दिन शनिवार को शाम 5 बजे सभी श्रध्दालुजन अपने-अपने घरों से प्रतिमा लेकर ग्राम के चौक में एकत्रित हुए। जिसके बाद डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई और भजन का गायन करते हुए पुरे ग्राम का भ्रमण करते हुए ग्राम स्थित तालाब पहुंची। जहां भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा की आरती कर विधिपूर्वक प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान हाथी घोड़ा पालकी.. जय कन्हैया लाल के नारे से पुरा ग्राम भक्तिमय नजर आया। वहीं उपस्थित श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना की है कि सभी के जीवन में सुख, समृध्दि बनाये रखे।

नेत्र शिविर का हुआ आयोजन, मोतियाबिंद आपरेशन के लिए 25 लोग चयनित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। महावीर इंटरनेशनल लालबर्रा के द्वारा पांढरवानी रोड़ स्थित क्लिनीक में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर महावीर इंटरनेशन लालबर्रा के अध्यक्ष डॉ. विवेक कारे, पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर नेत्र चिकित्सक डॉ. विवेक कारे के द्वारा क्षेत्र से पहुंचे लोगों के आंखों की जांच की गई और उनका उपचार कर आंखों की देख-रेख हेतु आवश्यक परामर्श दिया गया। वहीं मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए 25 व्यक्ति चयनित हुए। जिनका जबलपुर मे ं निःशुल्क आपरेशन किया जायेगा। जिन्हे उपस्थित पदाधिकारियों ने बस से रवाना किया है, जिनका आज जबलपुर में आंखों का आपरेशन किया जायेगा। चर्चा में महावीर इंटरनेशनल लालबर्रा के अध्यक्ष डॉ. विवेक कारे ने बताया कि मंगलवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया और क्षेत्र से पहुंचे लोगों के आंखों की जांच की गई एवं 25 लोग मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए चयनित हुए है जिनका जबलपुर में निःशुल्क आपरेशन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि महावीर इंटरनेशनल लालबर्रा के द्वारा समय-समय पर अन्य कार्यक्रम आयोजित कर विभिन्न कार्य किये जाते है और आगे भी इसी तरह के कार्य किये जायेगें। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल लालबर्रा के सदस्य नीतिन साखला, अशोक जैन सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षकों का 4 दिवसीय एफएलएन रिफ्रेशर प्रशिक्षण जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र में कक्षा पहली और दूसरी को पढ़ाने वाले प्राथमिक शिक्षकों का 4 दिवसीय एफएलएन (निपुण भारत - फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) रिफ्रेशर प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हो गया है। इस चार दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान (भाषा व गणितीय कौशल) को और अधिक मजबूत करना है। वर्कशॉप के दौरान मुख्य रूप से तीन विषयों -हिंदी, गणित और अंग्रेजी के अध्यापन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वहीं प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को शासन द्वारा उपलब्ध करवाये गये 'जादुई पिटारा' के सही और प्रभावी इस्तेमाल के बारे में मास्टर ट्रैनर्स द्वारा जानकारी दी जा रही है। इस पिटारे में लगभग 24 प्रकार के खेल और 53 प्रकार की गतिविधियां शामिल हैं। शिक्षक इन खेल-खेल की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषय में निपुण बनायेगें उसके बारे में प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। वहीं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक स्कूलों में शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देगें। बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एफएलएन रिफ्रेशर का प्रशिक्षण शिक्षकों को दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण दो कमरों में सोमवार से दिया जा रहा है जिसमें 38-38 शिक्षकों को मास्टर ट्रैनरों के द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में तीन विषयों हिन्दी, गणित, अंग्रेजी के अध्यापन पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि ब%चों का बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान बढ़ सके। साथ ही शासन द्वारा भेजे गये जादुई पिटारा (जिसमें 24 प्रकार के गेम और 53 गतिविधियां शामिल हैं) के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने हेतु शिक्षकों को निर्देशित किया जा रहा है। इस प्रथम चरण के चार दिवसीय प्रशिक्षण का गुरूवार को समापन किया जायेगा। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं मास्टर ट्रैनर उपस्थित रहे।

औल्याकन्हार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दही हांडी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकंहार में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पूरे श्रध्दा, भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ गत दिवस मनाया गया। ग्राम सरपंच व ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से आयोजित इस धार्मिक पर्व के दौरान ग्राम में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस अवसर पर ग्राम के गांधी चौक स्थित श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना की गई। देर रात्रि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव के दौरान ग्राम की शारदा महिला मंडल द्वारा भगवान श्रीकृष्ण पर आधारित धार्मिक गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं गांव के विभिन्न घरों में भी श्रध्दालुओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाएं विराजित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान भजन मंडली का भी आयोजन हुआ, जिसमें देर रात तक धार्मिक गीतों की गूंज सुनाई देती रही। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के दुसरे दिन ग्राम में विराजित भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का सामूहिक विसर्जन किया गया। विसर्जन के पूर्व गांव की सभी कृष्ण प्रतिमाओं को ग्राम के चौक पर एकत्रित किया गया। जिसके बाद महिलाएं, बच्चे, युवा एवं ग्राम के अन्य लोग सामूहिक रूप से प्रतिमाओं को लेकर विसर्जन घाट के लिए रवाना हुए। इस दौरान श्रध्दालुओं द्वारा जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी सहित अन्य भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाये गये। वहीं जयघोष से पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। विसर्जन घाट पहुंचने के बाद भगवान श्रीकृष्ण की आरती कर विधि-विधान से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

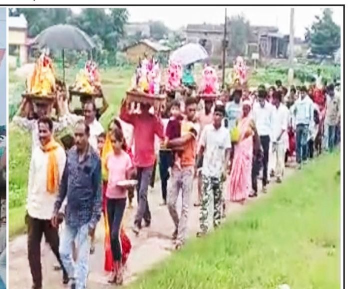

दही हांडी प्रतियोगिता में युवाओं ने दिंखाया उत्साह

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दही हांडी प्रतियोगिता का भी भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन का दूसरा वर्ष रहा, जिसमें यादव समाज का विशेष योगदान रहा। मटकी फोड़ प्रतियोगिता सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, पंच संदीप गुनेश्वर, कोमल बोपचे, श्रीमती डिलेश्वरी बोपचे, श्रीमती रविता पांडे, ओ.पी.बिसेन सरपंच प्रतिनिधि, शैलेन्द्र यादव(प्रशिक्षक एपीसी), प्रमोद चौहान, दीपक यादव(अध्यक्ष ग्राम यादव समाज) नीलकंठ नागेश्वर, परमानंद नागेश्वर, झामसिंह राणा, सालिकराम कटरे, भोजराज कटरे, छन्नूलाल कटरे(पूर्व बीडीसी), नंदकिशोर बिसेन (पंचायत सचिव), रामबाबू मेश्राम, नारायण कटरे, हरिलाल मराठा की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित दही हांडी प्रतियोगिता में ग्राम के ही युवाओं की 11-11 सदस्यों वाली दो टीमों ने हिस्सा लिया। ग्राम सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में दोनों टीमों के बीच टॉस करवाया गया। इस दौरान नायक के रूप में ग्राम के शिवप्रसाद राणा उपस्थित रहे। टॉस जीतने वाली पहली टीम ने दही हांडी प्रतियोगिता में विजयश्री हासिल की। प्रतियोगिता के दौरान टीम का ध्यान भटकाने के लिए बारिश भी करवाई गई तथा पटाखे भी फोड़े गये। लेकिन युवाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। युवाओं ने शानदार प्रयास करते हुए दही हांडी फोड़ने में सफलता हासिल की। विजेता टीम को ग्राम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन व वरिष्ठ सदस्यों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं यादव समाज द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर सोमदत्त यादव, राजकुमार यादव, प्रदीप यादव, श्यामकिशोर यादव, दुर्गेश यादव, जितेन्द्र यादव, अजय यादव, नवीन भाई, जागेश्वर यादव, नितेश यादव, सुरेश यादव,अशीत यादव, धनेश यादव, अभय यादव, रविशंकर यादव, बसंत यादव, अंशु यादव, सुनील यादव, बब्लू यादव, गिरधारी यादव, मनोहर यादव, लक्ष्मण सोनवाने, मुकेश चौहान,धनेन्द्र पटले, मो.सुलेमान खान, सोहनलाल कटरे,संजय ब्रम्हें, सुशील ब्रम्हें, सुनील बिसेन, महेंद्र चौहान,महेश नागेश्वर, सुरेश नागेश्वर, जीतू पटेल, नागेन्द्र चौधरी, चिंतामन नागेश्वर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

भोपाल। एजेंसी। जनसुरक्षा और लोकशांति बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत सोशल मीडिया पर धार्मिक, सामाजिक या जातिगत भावनाएं भड़काने वाले आपत्तिजनक संदेश, फोटो, वीडियो और ऑडियो प्रसारित करने पर कार्रवाई की जाएगी। फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, एसएमएस सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर सांप्रदायिक विद्वेष, घृणा, वैमनस्यता या हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड करने पर रोक रहेगी। अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर उन्माद फैलाने वाली सामग्री तथा गैरकानूनी गतिविधियों के लिए लोगों को एकत्र होने का आह्वान करने वाले संदेश भी प्रतिबंधित रहेंगे। ग्रुप एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि ऐसे संदेशों को रोका जाए। भोपाल के साइबर कैफे संचालकों को प्रत्येक उपयोगकर्ता की पहचान सत्यापित कर रजिस्टर में नाम, पता, मोबाइल नंबर और पहचान प्रमाण दर्ज करना होगा। कैफे में आगंतुकों की तस्वीर रिकॉर्ड करने के लिए कैमरा लगाना भी अनिवार्य होगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर दो माह तक प्रभावी रहेगा। उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय अपराध होगा।

किसानों को भ्रमित किया जा रहा

धान खरीदी सोसायटी में ही होगी-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में मंगलवार को भाजपा किसान मोर्चा की प्रेसवार्ता आयोजित की गई। यह प्रेसवार्ता पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे ,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुभाष पारधी सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें भावांतर योजना के विषय पर विस्तृत चर्चा कर बताया कि कहीं कोई सोसायटी बंद होने वाली नहीं है। शासन के द्वारा पूर्व वर्षों की तरह इस बार भी खरीदी करने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। वहीं सरकार के द्वारा किसान हित में किए गए कार्यों का बखान किया गया। इस अवसर पर किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुभाष पारधी ,विमल राहंगडाले, अंजीलाल पगरवार, रमेश नगपुरे ,संदीप चिखले सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

भावांतर योजना से किसानो को नुकसान नहीं होगा सरकार किसान हितैषी है

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष का कार्यालय में आगमन हुआ विस्तृत चर्चा की गई है और विषय पर संज्ञान लिया गया है। यह विपक्षी लोगों के द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है कि समिति में खरीदी नहीं होगी इसमें किसानो को नुकसान होगा ऐसा पिछली बार भी कहा गया था किंतु सोसायटी में धान खरीदी की गई। इस वर्ष भी धान खरीदी सोसायटी में होगी पंजीयन प्रारंभ करने के लिए निर्देश समिति को मिल गए हैं। समर्थन मूल्य जो केंद्र एवं राज्य सरकार ने घोषित किया है, उस पर खरीदी होगी मंडी में जो किसान धान बेचने आते हैं जैसे अधिकांश बारीक धान लेकर लोग आते हैं बाकी सभी की खरीदी सोसायटी में होगी। भावांतर योजना से किसी किसान को नुकसान नहीं है यह किसान हितैषी सरकार है जिसने लोगों को शून्य प्रतिशत पर कर्ज देने का काम किया है। केंद्र एवं राज्य सरकार हर प्रकार से किसानो का सहयोग कर रही है। किसानों से हमारा कहना है कि वह सरकार के काम पर ध्यान दें सोसायटी में कहीं कोई दिक्कत जाती है तो बताएं। कुछ लोग भ्रमित करने का काम कर रहे हैं यह वही लोग हैं जिन्होंने सत्ता में रहकर किसानों को कुछ नहीं दिया अब उन्हें भ्रमित कर रहे हैं। जिले की सभी सोसायटियों में खरीदी होगी किसी को परेशान नहीं होना है हर वर्ष की तरह सभी का धान खरीदा जायेगा।

भावांतर योजना में जिले में जो भ्रम फैलाया जा रहा है वह गलत है-यशवंत लिल्हारे

किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे ने बताया कि हमारे भाई लोग प्रचार प्रसार कर भ्रम की स्थिति बन रहे हैं जिले में जो भ्रम फैलाया जा रहा है वह गलत है। २००३ में भाजपा सरकार बनी थी तब सहकारिता के माध्यम से सरकारी खरीदी प्रारंभ करवाई गई थी। २०२६ को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किसान वर्ष घोषित किया है लगातार नए आयाम स्थापित हो रहे हैं ,पहले ६ माह में ऋण वापस देना होता था अब उसकी अवधि १ वर्ष कर दी गई है। सोसायटी कभी बंद नहीं होगी पहले की तरह धान खरीदी की जाएगी जिला कलेक्टर ने बैठक भी की है १५ सितंबर से पंजीयन करने के लिए समिति को कहां है। यह सरकार किसानो की है अन्यथा आप पूर्व की सरकारों को देखो जिन्होंने किसानो को कर्ज में डुबाया था उसके घर का एक.एक सामान कुर्की किया जाता था। १८ प्रतिशत ब्याज लगता था यह सरकार ० प्रतिशत ब्याज पर कर्ज देता है। इस संबंध में हमने जिला कलेक्टर व अन्य अधिकारियों से भी चर्चा की तो बताया कि अभी भावांतर का कोई निर्देश जिले में नहीं है और ना ही कोई विधिवत आदेश है। उन्होंने बैठक में समिति को पंजीयन प्रारंभ करने निर्देश दिए बारदाना भी आ गया है। किसानों से निवेदन है कि वह अपनी गिरदावरी कर लें ताकि भविष्य में दिक्कत ना हो।

जनता के सहयोग से नगर के सभी वार्डो में होगा विकास कार्य - प्रदीप जायसवाल

आवारा पशुओं को पकडने फिर से मुहिम प्रारंभ करने दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद में मंगलवार को जनता दरबार में इस सप्ताह भी प्रशासन और आम जनता के बीच सीधे संवाद का एक सशक्त माध्यम देखा गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के द्वारा मौके पर ही समस्या के समाधान का प्रयास व त्वरित निराकरण किया गया। जनता दरबार में सबसे पहले मुख्य मार्गो पर आवारा पशुओं के जमघट के विषय को प्राथमिकता दी गयी। सबसे पहले नपा की हाका गैंग से स्पष्टीकरण मांगा गया की अभी तक के निर्देश पर क्या कार्यवाही की गयी है। जिसमें सामने आया की गत सप्ताह नपा की टीम ने मुख्य मार्गो व गलीयो से कुल ४९ पशुओं को पकडकर नगर की गौ शाला के सुपुर्द किया है। जंहा से आवारा पशुओं के मालिको ने आज तक १० पशुओं को छूडवाये है। इस जानकारी के बाद तत्काल इसी टीम को पुन आवारा पशुओं को पकडने के निर्देश प्रदान किये गये है। साथ ही आवारा कुत्तो की बढ़ती बेतहाशा संख्या को देखते हुये नपा परिषद ने इस विषय में भी मंथन किया। किंतू पूर्व में उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशो और डाग लवर्स की बार बार आपत्तियों के कारण समाधान के विषय में विपरित स्थितीया देखी जा रही है। यह भी उल्लेखनीय है की इस विषय में कोई भी व्यक्ति या संस्था आगे नही आ रही है। फिर भी बेतहाशा बढ गये आवारा कुत्तो को पकडने के विषय में नपा परिषद किसी निर्णय पर पहुंचने का प्रयास कर रही है। जनता दरबार में बस स्टेड के कुछ दुकानदारो ने भी आकर नये बस स्टाप के निर्माण व इस कार्य में उनकी दुकानो के प्रभावित होने के विषय में चर्चा की। साथ ही नगर के एक परिवार के द्वारा आने जाने के रास्ते को प्रभावित करने और एक दुकानदार के द्वारा पडोसी के दो शटर के मामले की शिकायत सामने रखी। इसी तरह वार्ड एक की महिलाओं ने समूह में आकर पटटे और उनके मकानो को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। जिस पर तत्काल पटवारी को बुलाकर समस्या के समाधान की दिशा में कदम बढाये गये।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी का जिलाध्यक्ष जावेद अली ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी में स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की धरातली स्थिति जानने के लिए कांग्रेस राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना। यह निरीक्षण स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा स्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्थाओं और सुविधाओं को लेकर की गई विभिन्न शिकायतों के आधार पर किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाध्यक्ष जावेद अली ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, दवा वितरण कक्ष और आपातकालीन सेवाओं का बारकी से अवलोकन किया। उन्होंने भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधा संवाद कर अस्पताल में मिल रहे इलाज, भोजन, सफाई और दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जावेद अली ने स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों व उपस्थित स्टाफ से विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने अस्पताल में व्याप्त कमियों और मरीजों को आ रही व्यावहारिक समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया और जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार करने मांग की। वही अधिकारियों से बातचीत में जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण अंचल के मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज मिलना चाहिए और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान जावेद अली ने बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार के कुशासन और अनदेखी के चलते समूचे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ चुकी है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली का आलम यह है कि आम जनता को समय पर ना तो इलाज मिल पा रहा है और ना ही जीवन रक्षक दवाएं। भाजपा सरकार सिर्फ कागजी दावों और झूठी घोषणाओं में मस्त है जबकि धरातल पर गरीब और ग्रामीण जनता मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दर.दर भटक रही है। क्षेत्र के लगभग सभी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के पद खाली पड़े हैं। मरीजों को पर्चा थमा दिया जाता है लेकिन समय पर जरूरी दवाएं तक उपलब्ध नहीं होतीं। स्थानीय स्तर पर समुचित और समय पर इलाज नही मिलने के कारण मजबूरी में क्षेत्र के गरीब मरीजों को इलाज कराने के लिए महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की ओर रुख करना पड़ रहा है। भाजपा सरकार में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर केवल बड़े.बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत में आम जनता को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। यदि जल्द ही अस्पतालों की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई और डॉक्टरों की कमी दूर नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी जनता के हक के लिए उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कर्मचारियों और शिक्षकों की लंबित मांगो का निराकरण करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ शाखा वारासिवनी के तत्वावधान में संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ८ सितंबर को एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन तथा प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम दो ज्ञापन एसडीएम को सौंप कर कर्मचारियों व शिक्षकों की ज्वलंत और लंबित समस्याओं का निराकरण करने मांग की हैं। ज्ञापन में कर्मचारी संघ ने बताया की सरकार द्वारा समय समय पर की गई घोषणाओं और लंबे समय से चल रही मांगों पर ठोस कार्यवाही नही होने के कारण प्रदेश के शासकीय सेवकों और शिक्षकों में गहरा असंतोष व्याप्त है। इसमें प्रदेश सरकार से प्रदेश में वरिष्ठता के साथ पुरानी पेंशन योजना पुन: बहाल की जाए तथा ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को केंद्र के समान २५ लाख किया जाने, प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र के समान ४ प्रतिशत बकाया महंगाई भत्ता तुरंत प्रदान किया जायें, लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान का लाभ मिले, दैनिक वेतन भोगी, संविदा, स्थायी कर्मियों को रिक्त पदों के विरुद्ध नियमित किया जाए तथा आउटसोर्सिंग प्रथा को समाप्त कर कर्मचारियों को शासकीय सेवक माना जाए। वहीं दो से अधिक संतान संबंधी बाध्यता नियम को समाप्त किया जाए, पंचायत सचिवों का संविलियन पंचायत विभाग में हो, नवीन नियुक्तियों में २ वर्ष की परिवीक्षा अवधि वाला पूर्ववर्ती नियम लागू किया जाए, स्वास्थ्य, आयुष, कृषि विस्तार अधिकारियों एवं वाहन चालकों की वेतन विसंगतियों व पदोन्नति की समस्याओं का निराकरण किया जाए। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च श्रेणी शिक्षकों को योग्यता वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति दी जाए। वहीं केंद्र सरकार से नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा एनसीटीई के नियमों के तहत ३१ मार्च २०१५ के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से छूट दी जाए, १० से १५ वर्षों से निरंतर अध्यापन कार्य करा रहे शिक्षकों के अनुभव और प्रशिक्षण को प्राथमिकता देते हुए २०१० से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हित में स्पष्ट एवं संशोधित परिपत्र जारी किया जाने मांग की हैं। चर्चा में विजय दखने ने बताया की मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के आव्हान पर ब्लॉक जिला एवं प्रदेश सभी जगह ज्ञापन दिया गया है। इसी कड़ी में हम सभी अधिकारी कर्मचारी एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन देने के लिए उपस्थित हुए हैं। हमारे द्वारा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम २३ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया गया है जिसमें अधिकारी कर्मचारी वर्ग में होने वाली समस्याएं वर्णित है। वहीं प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम नई शिक्षा नीति के तहत ज्ञापन दिया हुआ है जिसमें तीन विषय को विस्तृत रख दिया गया है। हमारी मांग है कि शासन के द्वारा उक्त विषय पर गंभीरता से विचार कर अधिकारी कर्मचारी को हो रही समस्याओं का समाधान करें। इस अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

कांग्रेस के रीति नीति से प्रभावित होकर दर्जनों भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

विधायक पटेल ने सभी को गमछा पहनाकर दिलाई कांग्रेस पार्टी की सदस्यता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में लगातार विधायक विवेक पटेल के द्वारा विकास कार्य किए जा रहे है। उन विकास कार्यों को देखते हुए विधानसभा क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से भाजपा समर्पित कार्यकर्ता दर्जनों की संख्या में एक साथ कांग्रेस का हाथ थाम रहे है। इसी के तहत खैरलांजी जनपद पंचायत के ग्राम खुर्सीपार में एक साथ २१ भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं ने रतनलाल लिल्हारे के निवास पर कांग्रेस का हाथ थामा है। कांग्रेस विधायक विवेक पटेल ने सभी को कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाई। यह भाजपा पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बताया जा रहा है ये सभी पूर्व भाजपा कार्यकर्ता पिछले कई वर्षों से नाराज चल रहे थे। इन्होंने थामा कांग्रेस पार्टी का हाथ जिसमें मोनू नगपुरे,विशाल लिल्हारे,अभिषेक लिल्हारे, अभिमन्यु माहुले, पंकज लिल्हारे, नवनीत सुलकिया,हर्ष लिल्हारे,वेदांत तिवाडे,महेंद्र पटले, अभिषेक सुलकिया, अंकित लिल्हारे, दिनेश पटले, रूपम तिवडे,पारस मेश्राम,आशीष लिल्हारे,अमित लिल्हारे, अमित तिवडे,शुभम नगपुरे, अंकित सुलकिया, कुलदीप लिल्हारे , आलोक, सुमित ने कांग्रेस पार्टी का हाथ थामा है। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी से लेकर आज तक राजनीति के साथ साथ समाज सुधारक के रूप में काम किया है। समाज को एक नई दिशा दी है कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़चढ़कर भाग लेकर देश को आजादी दिलाने का काम किया है। दुर्भाग्य से आज जो देश में राज कर रहे है उन्होंने देश के सर्वधर्म को समाप्त करने का काम किया है। देश में भय का माहौल पैदा हो गया है,यदि बेरोजगार अपने हक के लिए आंदोलन करते है तो उन पर लाठीचार्ज किया जाता है। उन्हें डराया धमकाया जा रहा है जो स्वच्छ लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भाजपा के नेताओं ने लोकतंत्र को तार तार करने का काम किया है। भाजपा के नेताओं ने सिर्फ झूठ बोलने के अलावा कोई विकास नही किया है ।लोग कठिन समय में भी काग्रेस पार्टी के साथ जुट रहे है। कांग्रेसी उनका संरक्षण करने का काम करेगी,कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से निश्चित ही पार्टी और मजबूत होगी। प्रदेश के कई तमाम मुद्दों को लेकर भाजपा के कार्यकर्ता बेहद परेशान है। उन्हें भी अब पता चल रहा है कि भाजपा के लोग सत्ता में रहने के लिए किसानों से झूठे वादे कर रहे है। किसान आत्महत्या कर रहे है मगर भाजपा सरकार का किसानों पर कोई ध्यान नहीं है।

कीटनाशक दवा के छिड़काव के दौरान किसान की तबीयत बिगड़ी

सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के बनियाटोला निवासी ४४ वर्षीय किसान तेजलाल मानकर ८ सितंबर की दोपहर करीब १ बजे कीटनाशक के प्रभाव से बीमार हो गया। जिन्हें उपचार के लिए शासकीय सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में खरीफ की खेती का मौसम चल रहा है जिसमें किसानों के द्वारा पंप के माध्यम से कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। ऐसे ही तेजलाल पिता नरोत्तम मानकर उम्र ४४ वर्ष बनियाटोला निवासी अपने खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के लिए मंगलवार की दोपहर करीब १२ बजे पहुंचे थे। जहां उनके द्वारा दवा का छिड़काव पूरे खेत में किया जा रहा था इसी दौरान उन्हें दोपहर करीब १ बजे अचानक बेहोशी एवं कीटनाशक के प्रभाव का अंदेशा हुआ। जिस पर वह दवा का छिड़काव कार्य बीच में ही रोक कर अपने परिजनों को घटना की जानकारी देकर तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचे। जहां उनके द्वारा डॉक्टर को घटना की जानकारी दी गई जिस पर अस्पताल स्टाफ के द्वारा तत्काल उन्हें भर्ती कर उपचार प्रारंभ कर दिया गया। इसके बाद उनका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है।

सिर्फ हस्ताक्षर नहीं, अधिकार है साक्षरता

हर वर्ष 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। साक्षर का मतलब होता है -पढ़ने-लिखने में सक्षम व्यक्ति। मतलब यह है कि जो व्यक्ति पढ़ और लिख सकता हो तथा लिखी हुई बात को समझ सकता हो,साक्षर कहलाता है।इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य शिक्षा और साक्षरता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कोई भी व्यक्ति हो, हर किसी को ज्ञान और सूचना से जोड़ने का माध्यम साक्षरता ही है। जब कोई व्यक्ति साक्षर होता है तो वह शिक्षा के माध्यम से ज्ञान और सूचनाएं प्राप्त कर सकता है और जब व्यक्ति के पास ज्ञान और सूचनाएं होतीं हैं, तो वह व्यक्ति न केवल अपने जीवन को बेहतर ढंग से जी सकता है, बल्कि शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अपना महत्वपूर्ण और अहम् योगदान दे सकता है। सच तो यह है कि आज के युग में प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बहुत ही जरूरी हो गई है, क्यों कि एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ही आज के एआइ तथा डिजिटल युग में डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता और सूचना की सही पहचान कर सकता है। वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्गों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध हों।

शिक्षा का मतलब केवल अक्षर ज्ञान नहीं

हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि शिक्षा व्यक्ति को केवल और केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं देती है, बल्कि यह व्यक्ति विशेष को जीवन में आत्मनिर्भर, अधिक जागरूक और अधिकार-संपन्न भी बनाती है। यदि हमें किसी राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है तो शिक्षा ही वह अनमोल रत्न है,जो उस राष्ट्र विशेष को प्रगति के पथ पर आगे ले जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो साक्षरता किसी राष्ट्र की प्रगति का पहला कदम है। जिस समाज में हर व्यक्ति पढ़ने, समझने और सही निर्णय लेने में सक्षम होता है, वहां गरीबी, भेदभाव और अज्ञानता को कम करने की संभावनाएं बढ़ती हैं। आज आवश्यकता केवल हर व्यक्ति को साक्षर बनाने की नहीं, बल्कि उसे जीवनोपयोगी, डिजिटल और ज्ञान-आधारित शिक्षा से जोड़ने की है। वास्तव में, एक साक्षर व्यक्ति स्वयं का भविष्य बदलता है और एक साक्षर समाज राष्ट्र का भविष्य बदल देता है।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस का इतिहास

इस दिवस के इतिहास की यदि हम यहां पर बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुरुआत यूनेस्को की पहल से हुई। दरअसल, 26 अक्टूबर 1966 को यूनेस्को के 14वें आम सम्मेलन में 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और इसके बाद पहला अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर 1967 को मनाया गया। तब से प्रत्येक वर्ष यह दिवस दुनिया भर में साक्षरता के महत्व और शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करता है। हालांकि, यह भी विवरण मिलता है कि 1965 में ईरान के तेहरान में आयोजित 'विश्व शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन' में साक्षरता के वैश्विक अभियान का प्रस्ताव रखा गया था। यह भी बहुत कम लोग जानते होंगे कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1990 को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय साक्षरता वर्ष घोषित किया था। इसी वर्ष थाईलैंड के जोमटिएन में ऐतिहासिक एजुकेशन फॉर ऑल सम्मेलन हुआ, जिसने आधुनिक वैश्विक प्राथमिक शिक्षा की नींव रखी। यह भी उल्लेखनीय है कि साक्षरता को दीर्घकालिक गति देने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2003 से 2012 तक एक पूरा दशक साक्षरता के नाम समर्पित किया था, जिसका नारा था-साक्षरता एक मुक्ति मार्ग।

माता-पिता वृद्धाश्रम में,बच्चे विदेश में, क्या यही है आधुनिक सफ़लता की कीमत?

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से मांगी रिपोर्ट ;अब सामने आएगा वृद्धाश्रमों,पेंशन इलाज और बुजुर्गों की वास्तविक स्थिति का सच - समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों या आर्थिक समृद्धि से नहीं,बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों,कमजोरों और निर्भर लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है।आज दुनियाँ तेजी से बदल रही है।संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार ले रहे हैं,बच्चे शिक्षा और रोजगार के लिए महानगरों तथा विदेशों में बस रहे हैं और जीवन की भागदौड़ में कहीं माता-पिता की वह भावनात्मक जगह सिकुड़ती जा रही है,जो कभी परिवार की नींव हुआ करती थी।सबसे पीड़ादायक स्थिति तब सामने आती है,जब जिन माता-पिता ने अपनी संतान की शिक्षा, करियर और भविष्य के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, वही संतान उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर उनसे दूरी बना लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, वृद्धाश्रमों की बढ़ती आवश्यकता माता- पिता को अकेला छोड़ देने की घटनाएं और बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार से जुड़े वायरल वीडियो केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं; वे समाज की बदलती संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं। क्या आधुनिकता की कीमत अपनी जड़ों को भूल जाना है? क्या आर्थिक सफलता का अर्थ उस हाथ को भूल जाना है, जिसने हमें चलना सिखाया था?इसी व्यापक सामाजिक और संवैधानिक चिंता के बीच 7 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में बुजुर्गों के अधिकारों से जुड़ी वर्ष 2016 से लंबित जनहित याचिका पर हुई सुनवाई बेहद महत्वपूर्ण बन गई है।अदालत ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से वृद्धाश्रमों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं की ताजा स्थिति रिपोर्ट मांगी है। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की दस्तक- क्या देश अपने बुजुर्गों के लिए सचमुच तैयार है? इसको समझने की करें तो,7 सितंबर 2026 की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे, ने लंबे समय से लंबित इस मामले को फिर गंभीरता से उठाया। वर्ष 2016 में पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दायर जनहित याचिका का मूल प्रश्न केवल वृद्धाश्रमों की संख्या तक सीमित नहीं है; यह उस व्यापक अधिकार से जुड़ा है जिसके तहतप्रत्येक बुजुर्ग को सम्मान,सुरक्षा,आश्रय,स्वास्थ्य सुविधा और गरिमापूर्ण जीवन मिलना चाहिए।अदालत ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एडवोकेट जनरल तथा स्टैंडिंग काउंसिल से संपर्क कर वृद्धाश्रमों की स्थापना और वहां उपलब्ध सुविधाओं की ताजा जानकारी जुटाई जाए।राज्यों को संबंधित पत्र मिलने के बाद लगभग चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।यह निर्देश महज प्रशासनिक औपचारिकता नहीं माना जाना चाहिए। इसके पीछे एक बुनियादी सवाल है,कागजों पर बुजुर्गों के लिए कितनी योजनाएं हैं और जमीन पर वास्तव में उन्हें सटीकता से कितना सहारा मिल रहा है? साथियों, बात अगर हम अनुच्छेद 21बुजुर्गों के लिए सिर्फ जीवन नहीं,गरिमा का जीवन को समझने की करें तो भारतीय संविधान काअनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा करता है। बुजुर्गों के संदर्भ में यह सवाल और भी व्यापक हो जाता है,क्या केवल सांस लेते रहना ही जीवन है, या जीवन का अर्थ सम्मान,सुरक्षा स्वास्थ्य,आश्रय और गरिमा के साथ जीना भी है?वर्ष 2016 की इस जनहित याचिका में इसी व्यापक दृष्टिकोण से बुजुर्गों के लिए आश्रय, पर्याप्त पेंशन, जेरियाट्रिक चिकित्सा देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग उठाई गई है। साथ ही मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑ? पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजन्स एक्ट , 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया है।इस कानून की धारा 19 में राज्यों द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक वृद्धाश्रम स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बेसहारा बुजुर्गों के लिए आवास की व्यवस्था हो। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं कि वृद्धाश्रम मौजूद हैं या नहीं। असली प्रश्न यह है कि क्या वे रहने योग्य हैं? क्या वहां पर्याप्त भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा,दवाइयां, चिकित्सकीय देखभाल,मानसिक स्वास्थ्य सहायता और और उचित सटीक मानवीय वातावरण उपलब्ध है? साथियों बात अगर हम वृद्धाश्रम- समाधान या परिवार के विघटन का आईना? इसको समझने की करें तो,वृद्धाश्रम अपने आप में बुराई नहीं हैं।कुछ बुजुर्गों के लिए वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का महत्वपूर्ण सहारा हो सकते हैं।अकेले रहने वाले, संतान विहीन अथवा आर्थिक और सामाजिक रूप से असुरक्षित वरिष्ठ नागरिकों के लिए संस्थागत देखभाल आवश्यक भी हो सकती है।लेकिन चिंता तब पैदा होती है,जब वृद्धाश्रम विकल्प से बढ़कर जिम्मेदारी से बचने का साधन बनने लगें।जिस माता ने अपने बच्चे की बीमारी में रातें जागकर बिताईं जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चे की फीस भरी, जिस परिवार ने अपनी सीमित आय में भी संतान को बेहतर शिक्षा दिलाने का सपना देखा,यदि वही संतान आर्थिक रूप से सक्षम होने के बाद माता- पिता को भावनात्मक रूप से अकेला छोड़ दे, तो समस्या केवल पारिवारिक नहीं रहती; वह सामाजिक चेतना का प्रश्न बन जाती है।आज महानगरों और विदेशों में बसना अपने आप में गलत नहीं है। बेहतर अवसरों की तलाश स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब भौगोलिक दूरी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है और व्यस्तता जिम्मेदारी से पलायन का बहाना बन जाती है। साथियों बात अगर हम जब अंतिम विदाई भी समय मांगने लगे इसको समझने की करें तो,समाज को विचलित करने वाली वे घटनाएं, जिनमें बुजुर्ग माता-पिता को अकेला छोड़ दिया जाता है या उनकी अंतिम अवस्था में संतान अपनी उपस्थिति तक को बोझ समझती है, हमें भीतर तक झकझोरती हैं।किसी बुजुर्ग पिता का अंतिम संस्कार देखने के लिए भी समय न होना,या किसी बुजुर्ग मां को रात में सड़क पर छोड़कर चले जाने जैसीघटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आना, यदि वास्तव में समाज की बढ़ती प्रवृत्ति का संकेत हैं,तो हमें केवल उन परिवारों को दोष देने से आगे बढ़कर अपने सामाजिक मूल्यों पर भी विचार करना होगा।जिस समाज में वृद्ध माता-पिता की आंखों में अपने ही बच्चों की प्रतीक्षा दिखाई देती हो और बच्चों के पास उनके लिए समय न हो, वहां विकास के आंकड़े अधूरे हैं। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट ने पूछा,कितने वृद्धाश्रम कितनी पेंशन,कैसी चिकित्सा ? इसको समझने की करें तो, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील ने अदालत को बताया कि इस मामले में तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए,देश में कितने वृद्धाश्रम हैं,बुजुर्गों को कितनी पेंशन मिल रही है और उनके लिए चिकित्सा सुविधाओं की वास्तविक स्थिति क्या है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि मामला वर्षों से प्रभावी सुनवाई से दूर रहा है।उन्होंने बताया कि अगस्त 2023 में केंद्र की ओर से दाखिल हलफनामे में 15 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों की जानकारी दी गई थी, लेकिन पूरी अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने भी 2022 के बाद मामले के सूचीबद्ध न होने पर सवाल उठाया।यही कारण है कि राज्यों से ताजा रिपोर्ट मांगना महत्वपूर्ण है। इससे पहली बार नहीं, लेकिन एक बार फिर यह जांचने का अवसर मिलेगा कि सरकारी नीतियां और जमीनी वास्तविकता कितनी दूर या कितनी करीब हैं। साथियों बात कर हम मामला हाईकोर्टों को भेजना या देशव्यापी सिद्धांत तय करना? इसको समझने की करें तो,सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से मामले को संबंधित हाईकोर्टों में भेजने का सुझाव भी आया। लेकिन याचिकाकर्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि बुजुर्गों के अधिकार पूरे देश से संबंधित समान प्रश्न हैं और सुप्रीम कोर्ट को अपने पहले के निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करना चाहिए।मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट को पहले देशभर के लिए व्यापक संवैधानिक और कानूनी सिद्धांत तय करने चाहिए और उसके बाद उनके स्थानीय क्रियान्वयन की निगरानी हाईकोर्टों के माध्यम से हो सकती है।यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि बुजुर्गों की गरिमा किसी राज्य की सीमा से बंधी हुई नहीं है।माता-पिता का सम्मान राजस्थान महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार या किसी अन्य राज्य में अलग संवैधानिक मूल्य नहीं हो सकता। साथियों बात अगर हम सरकार की जिम्मेदारी से पहले समाज की जिम्मेदारी को समझने की करें तो,कानून सरकार को जिम्मेदारी सौंप सकता है,वृद्धाश्रम बना सकता है,पेंशन दे सकता है और अस्पतालों में जेरियाट्रिक वार्ड विकसित कर सकता है। लेकिन कोई कानून बच्चे के दिल में माता-पिता के लिए प्रेम और कृतज्ञता पैदा नहीं कर सकता।इसलिए बुजुर्गों की समस्या के दो स्तर हैं,संस्थागत जिम्मेदारी और पारिवारिक संवेदनशीलता।सरकार को पर्याप्त वृद्धाश्रम, नियमित पेंशन, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, कानूनी संरक्षण और प्रभावी शिकायत तंत्र उपलब्ध कराना होगा।

वहीं परिवारों को यह समझना होगा कि बुजुर्गों की जरूरत केवल पैसा नहीं है। उन्हें समय चाहिए, संवाद चाहिए, अपनापन चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे अपने ही परिवार में अनावश्यक नहीं हो गए हैं। साथियों बात अगर हम बुजुर्ग बोझ नहीं, हमारी सभ्यता की जीवित स्मृति हैं इसको समझने की करें तो,जिस पीढ़ी को हम आज बूढ़ा कहते हैं, वही पीढ़ी कल के भारत की नींव रखकर गई है। उसने सीमित साधनों में परिवार बनाए, बच्चों को शिक्षित किया, घर चलाए और कठिन परिस्थितियों में जीवन खड़ा किया। इसलिए बुजुर्गों की देखभाल कोई दया नहीं,यह सामाजिक कृतज्ञता और नैतिक उत्तरदायित्व है।आज आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें वृद्धाश्रम अंतिम मजबूरी न हों, बल्कि जरूरतमंदों के लिए सम्मानजनक विकल्प हों; पेंशन इतनी हो कि बुजुर्ग दूसरों पर निर्भर न रहें; अस्पतालों में उनकी उम्र और आवश्यकताओं के अनुरूप चिकित्सा उपलब्ध हो; और कानून का उल्लंघन होने पर उन्हें सटीकता से तत्काल संरक्षण मिले। साथियों हम अंतिम सवाल- हम अपने भविष्य के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? इसको समझने की करें तो सुप्रीम कोर्ट की 7 सितंबर 2026 की सुनवाई ने एक महत्वपूर्ण दरवाजा फिर खोल दिया है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

दो टूक-मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

-योगेश कुमार गोयल

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का कहना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है। सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है, मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है। यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैंकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है। दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने र्जे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो? समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है। अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी। तब फिर कोई इमारत गिरेगी, कोई परिवार उजड़ेगा, कोई बच्चा मलबे में दबेगा और हम फिर पूछेंगे कि आखिर असली गुनहगार कौन है? जबकि सच हम सभी जानते होंगे। गुनहगार केवल वह व्यक्ति नहीं होगा, जिसने अवैध निर्माण किया बल्कि गुनहगार वह पूरा तंत्र होगा, जिसने उसे बनने दिया, चलने दिया और तब तक आंखें बंद रखी, जब तक मलबे ने चीखना शुरू नहीं कर दिया। अब समय चीख सुनने का नहीं, व्यवस्था को जवाबदेह बनाने का है।

जहरीली शराब का जहर-कुछ घूंट और उजड़ जाता है पूरा परिवार

मध्यप्रदेश के सागर से फिर उठी वही भयावह तस्वीर, 2026 में बिहार, महाराष्ट्र और गुजरात में भी जहरीली शराब ने ली जानें; सवाल यह कि कार्रवाई हादसे के बाद ही क्यों होती है शराब की कुछ घूंटें किसी व्यक्ति की जिंदगी ही नहीं, उसके पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ सकती हैं। मध्यप्रदेश के सागर जिले से सामने आई जहरीली शराब की घटना ने एक बार फिर देश को उसी पुराने और भयावह सवाल के सामने खड़ा कर दिया है कि आखिर अवैध शराब का कारोबार बार-बार लोगों की जान लेने के बाद भी क्यों नहीं रुकता। बंडा तहसील के गूगरा खुर्द, नौराज, बराज और आसपास के गांवों में कथित नकली शराब पीने के बाद बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने और मौतों का सिलसिला सामने आया है। छह सितंबर तक उपलब्ध रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 11 तक पहुंच चुकी थी और 54 लोगों के प्रभावित होने की सूचना थी। जांच में शराब की आपूर्ति का तार उत्तर प्रदेश के ललितपुर से जुड़ने की आशंका सामने आई है। प्रशासन ने शराब की दुकानों को सील किया है और आबकारी तथा पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। इस घटना की सबसे बड़ी त्रासदी केवल मौतों की संख्या नहीं है। इसके पीछे वे परिवार हैं जिनके घर का कमाने वाला व्यक्ति अचानक दुनिया छोड़ देता है। किसी घर में बच्चों के सिर से पिता का साया उठता है, किसी परिवार में पति की मौत के बाद पत्नी के सामने बच्चों की जिम्मेदारी आ जाती है और कहीं बूढ़े माता-पिता अपने जवान बेटे की अर्थी उठाने को मजबूर हो जाते हैं। जहरीली शराब का कारोबार करने वालों के लिए यह भले ही अवैध कमाई का जरिया हो, लेकिन पीड़ित परिवारों के लिए यह जीवनभर का दर्द बन जाता है। सागर की घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि शुरुआती सूचनाओं में ही बड़ी संख्या में लोगों के प्रभावित होने की बात सामने आई। अस्पतालों में मरीज पहुंचने लगे, कुछ की हालत गंभीर हुई और प्रशासन को प्रभावित गांवों में चिकित्सा दल भेजकर लोगों की जांच करनी पड़ी। नकली शराब की बोतलों और उनके स्रोत की जांच के साथ यह भी देखा जा रहा है कि अवैध शराब का नेटवर्क कितने गांवों और कितने इलाकों तक फैला हुआ था। यदि जांच में अंतरराज्यीय आपूर्ति की पुष्टि होती है तो यह मामला केवल स्थानीय स्तर पर अवैध शराब बेचने का नहीं, बल्कि एक बड़े नेटवर्क की ओर संकेत करेगा।

2026 में कई राज्यों में सामने आई जहरीली शराब की घटनाएं

सागर की घटना कोई अकेला मामला नहीं है। वर्ष 2026 में देश के कई हिस्सों से जहरीली या मिलावटी शराब से मौतों की खबरें सामने आई हैं। बिहार में मार्च और अप्रैल के दौरान ऐसी घटनाओं ने फिर चिंता बढ़ाई। मार्च में सारण जिले में संदिग्ध जहरीली शराब के सेवन के बाद पांच लोगों की मौत की खबर सामने आई और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि प्रशासन ने कुछ मौतों के कारणों पर अलग राय रखी थी, लेकिन परिजनों और स्थानीय लोगों ने शराब सेवन को मौतों से जोड़ा था। इसके बाद अप्रैल में पूर्वी चंपारण में मिलावटी शराब से मौतों का मामला सामने आया। शुरुआती तौर पर चार-पांच मौतों की जानकारी सामने आई, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या सात तक पहुंची। कई लोगों की हालत गंभीर हुई और कुछ मरीजों की आंखों की रोशनी जाने की बात भी सामने आई। मई में बिहार सरकार ने इस मामले में आबकारी विभाग के 14 कर्मचारियों को निलंबित किया। जांच में विभागीय स्तर पर लापरवाही के आरोप भी सामने आए। बिहार की तस्वीर इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि राज्य में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब का कारोबार पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाया है। मार्च 2026 में पुलिस की ओर से बताया गया था कि 2016 में शराबबंदी लागू होने के बाद से राज्य में जहरीली शराब के सेवन से 354 लोगों की मौत दर्ज की जा चुकी थी। इसका अर्थ साफ है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून के प्रभावी पालन, अवैध नेटवर्क पर लगातार निगरानी और स्थानीय स्तर पर जिम्मेदारी तय किए बिना समस्या का समाधान संभव नहीं है। महाराष्ट्र में भी मई 2026 में पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में जहरीली शराब ने कई परिवारों को तबाह कर दिया। अलग-अलग चरणों में सामने आए आंकड़ों में मौतों की संख्या बढ़ती गई और जून की शुरुआत में महाराष्ट्र सीआईडी ने 20 मौतों को मेथनॉल मिले अवैध शराब से जुड़ा बताया। जांच में अवैध शराब के पीछे आपूर्ति नेटवर्क और जहरीले रसायन की सप्लाई की पड़ताल की गई। इस घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के कई अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई। गुजरात में अगस्त 2026 में भावनगर जिले में जहरीली शराब की घटना ने चिंता बढ़ाई। गुजरात में शराबबंदी लागू होने के बावजूद कथित मिलावटी शराब के सेवन से कई लोग प्रभावित हुए। अगस्त 22 तक मृतकों की संख्या नौ पहुंचने की रिपोर्ट सामने आई थी, जबकि कई लोग अस्पतालों में उपचार करा रहे थे। जांच में शराब में अत्यंत जहरीले मेथनॉल की मौजूदगी सामने आई। पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया और अवैध शराब की आपूर्ति तथा उसके निर्माण की पूरी श्रृंखला की जांच शुरू की। इन घटनाओं को केवल अलग-अलग राज्यों की स्थानीय घटनाएं मानकर छोड़ देना समस्या को छोटा करके देखना होगा। अलग-अलग मामलों में भले ही परिस्थितियां अलग हों, लेकिन एक समान तस्वीर सामने आती है। कहीं अवैध शराब की बिक्री होती है, कहीं नकली बोतलों में शराब भरकर उसे असली जैसा दिखाया जाता है और कहीं जहरीले रसायनों के कारण शराब जानलेवा बन जाती है। जब तक इस पूरी आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक केवल एक दुकान सील करने या कुछ लोगों को गिरफ्तार करने से समस्या समाप्त नहीं होगी। सागर में अधिकारियों के निलंबन और शराब दुकानों को सील किए जाने की कार्रवाई बताती है कि प्रशासन घटना के बाद तेजी दिखा सकता है। लेकिन असली सवाल यह है कि ऐसी कार्रवाई घटना से पहले क्यों नहीं हो पाती। अवैध शराब के कारोबार को रोकने की जिम्मेदारी केवल पुलिस की नहीं है। आबकारी विभाग, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और खुफिया तंत्र के बीच लगातार समन्वय जरूरी है। अवैध शराब का नेटवर्क अक्सर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके पीछे निर्माण, परिवहन, वितरण और बिक्री की अलग-अलग कड़ियां हो सकती हैं। इसलिए किसी घटना के बाद केवल स्थानीय विक्रेता तक पहुंचना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। जांच को उस पूरे नेटवर्क तक पहुंचना चाहिए जहां से जहरीली या नकली शराब तैयार होकर अलग-अलग इलाकों तक पहुंचती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि आम लोगों को जागरूक किया जाए। सस्ती शराब के लालच में या असली समझकर संदिग्ध शराब पी लेना जानलेवा हो सकता है। किसी व्यक्ति को शराब सेवन के बाद अचानक उल्टी, चक्कर, दृष्टि में परेशानी, असामान्य कमजोरी या गंभीर तबीयत खराब होने जैसी समस्या हो तो इसे सामान्य न मानकर तत्काल चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। जहरीले पदार्थ से होने वाली विषाक्तता में समय पर उपचार जीवन बचाने में महत्वपूर्ण हो सकता है।

सिर्फ मौत का आंकड़ा नहीं, हर संख्या के पीछे एक परिवार है

जहरीली शराब की हर घटना के बाद आंकड़े सामने आते हैं।इतने लोगों की मौत, इतने अस्पताल में भर्ती, इतने गंभीर और इतने गिरफ्तार। लेकिन इन आंकड़ों के पीछे की मानवीय कहानी कहीं अधिक भयावह है। एक व्यक्ति की मौत का अर्थ केवल एक संख्या का बढ़ जाना नहीं है। उसका अर्थ है परिवार की आय का खत्म होना, बच्चों की पढ़ाई पर संकट, बुजुर्ग माता-पिता का सहारा छिनना और वर्षों तक चलने वाला आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष। इसीलिए जहरीली शराब को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक समस्या भी है। सरकारों को अवैध शराब के खिलाफ ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें किसी घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से ही संभावित नेटवर्क की पहचान हो सके। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर तत्काल जांच हो, स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और अंतरराज्यीय नेटवर्क की जानकारी साझा करने की व्यवस्था मजबूत हो। सागर की घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है। बिहार, महाराष्ट्र और गुजरात में 2026 के दौरान हुई घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि जहरीली शराब का खतरा खत्म नहीं हुआ है। यदि हर बड़ी घटना के बाद कुछ दिन कार्रवाई और फिर सब कुछ सामान्य होने का सिलसिला चलता रहा तो अगली त्रासदी केवल समय की बात होगी। सरकारों और प्रशासन के सामने चुनौती साफ है। शराब के अवैध कारोबार से होने वाली कमाई के पीछे छिपे नेटवर्क को तोड़ना होगा और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय करनी होगी। समाज को भी यह समझना होगा कि सस्ती या संदिग्ध शराब के पीछे कभी-कभी ऐसी कीमत छिपी होती है जिसे जिंदगी देकर चुकाना पड़ सकता है। जहरीली शराब से किसी एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, उसके साथ एक परिवार की उम्मीदें भी मरती हैं। किसी घर का चूल्हा ठंडा पड़ता है, किसी बच्चे का भविष्य अनिश्चित होता है और किसी मां-बाप का सहारा छिन जाता है। इसलिए अगली घटना का इंतजार करने के बजाय अभी से ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें जहरीली शराब बनाने और बेचने वालों तक कानून पहले पहुंचे और मौत की खबर बाद में कभी आए ही नहीं।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। स्टॉकिस्ट पकड़ मजबूत रहने से मंगलवार को अनाज मंडी में चना उछाल पर रहा। उड़द-मूंग में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में बाजार सुस्ती के रहे। तिलहनों में सोयाबीन में बढ़त देखी गयी। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में सीमित आवक और स्टॉकिस्टि पकड़ मजबूत रहने से बाजार तेजी के रहे। चना बढ़िया मालों में 6800 रू. क्विंटल पर आ गया। उड़द में सुर्खी कायम रही। खाद्य तेलों में बाजार सुस्ती के रहे। तिलहनों में सोयाबीन में बढ़त देखी गयी। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। शक्कर में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4750-4900, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीर्डि?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3200, (200) 3500, (250) 4200,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1385-1390, सोया रिफाइंड 1445-1450, कपास्या 1580, धूलिया 1585, कड़ी 1590,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1485,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 6000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6700-6800, एवरेज 6500-6550, विशाल 6500-6600, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 233000, चाँदी (99) 232800, टंच 232200, सिक्का 2700, सोना 10 ग्राम 148900,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.49 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपय 10 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.66 पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 97 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की लगातार डॉलर बिकवाली और विशेष योजनाओं के तहत विदेशी मुद्रा का मजबूत प्रवाह बाहरी दबावों के बावजूद रुपये को एक सीमित दायरे में बनाए रखने में मदद कर रहा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.49 प्रति डॉलर पर खुला।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों केसाथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है उससे भी ये गिरा है। आज प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। वैश्विक और घरेलू दोनों कारकों के चलते भी बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना रहा और निवेशकों ने मुनाफावसूली पर जोर दिया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई संसेक्स, 555 अंक से अधिक की गिरावट के साथ ही 75,577.58 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, दिन के कारोबार के दौरान इसने 76,012.11 का उच्चतम स्तर भी छुआ था, जो बाजार में अस्थिरता को दर्शाता है। इसी तरह 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 144 अंकों की गिरावट के साथ ही 23,635.10 पर समाप्त हुआ। कारोबार की शुरुआत में निफ्टी में 23,758.95 तक का

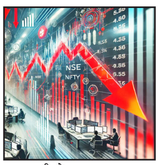

उछाल भी देखा था पर वह इस बढ़त को बरकारार नहीं रख सका और अंत में गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुआ। आज बाजार पर दबाव बनाने में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक प्रभाव रहा। पश्चिम एशिया में संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव में कोई कमी न आने के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं और फिलहाल 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रही हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें आयातकों और ईंधन पर निर्भर उद्योगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। वहीं घरेलू मोर्चे पर, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों में तेज बिकवाली ने भी सूचकांकों को नीचे धकेलने का काम किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.37 फीसदी टूटकर बंद हुआ, जो इस क्षेत्र के प्रदर्शन में कमजोरी का स्पष्ट संकेत देता है। इसी तरह, निफ्टी बैंक इंडेक्स में भी 0.54 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय शेयरों पर बढ़ते दबाव का पता चलता है। निवेशकों ने इन क्षेत्रों से दूरी बनाते हुए बिकवाली का रुख अपनाया।

तकनीकी खराबी से आरबीआई की 7 लाख करोड़ की नीलामी प्रभावित

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार को 7 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए आयोजित 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी में उम्मीद से काफी कम मांग देखी गई। यह कमी आरबीआई के ई-कुबेर पोर्टल में आई एक तकनीकी खराबी के कारण हुई, जिसके चलते नीलामी को दूसरे प्लेटफॉर्म पर ले जाना पड़ा और कई बैंक इसमें भाग नहीं ले सके। बाजार सहभागियों ने बताया कि आरबीआई के कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) ई-कुबेर प्लेटफॉर्म में तकनीकी समस्या आ गई थी। इसके कारण बोली प्रक्रिया को दूसरे मंच पर स्थानांतरित करना पड़ा। कुछ बैंकों को इस बदलाव की जानकारी नहीं मिल पाई, जिससे वे नीलामी में भाग नहीं ले सके। आरबीआई ने 7 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 2.59 लाख करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त कीं। बाजार सहभागियों ने लगभग 5 लाख करोड़ रुपये तक की बोलियों की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक प्रतिक्रिया अपेक्षाओं से काफी कम रही। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा, सिस्टम के स्तर पर खराबी थी। यह नीलामी बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने के लिए आयोजित की जाती है। आंकड़ों के अनुसार, रविवार को बैंकिंग व्यवस्था में 11.16 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध नकदी अधिशेष था, जो इस नीलामी की आवश्यकता को रेखांकित करता है। आरबीआई ने इस मामले पर टिप्पणी के लिए भेजे गए मेल का कोई जवाब नहीं दिया।

भारत ने बदली एलपीजी रणनीति, अब अमेरिका बना सबसे बड़ा सप्लायर

नई दिल्ली। एजेंसी। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध ने भारत के सामने एलपीजी आपूर्ति का एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन, भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की है। कतर जैसे पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर हमले के बाद, भारत ने अपनी एलपीजी आयात रणनीति में आमूलचूल परिवर्तन किया है और अब संयुक्त राज्य अमेरिका उसका सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो पहले 10 फीसदी से भी कम था। बीते छह महीनों के आंकड़े बताते हैं कि जहां पहले भारत अपनी जरूरत का अधिकांश एलपीजी खाड़ी देशों जैसे यूएई, कतर, सऊदी अरब और कुवैत से मंगाता था, वहीं अब अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी तक पहुंच गई है। मार्च में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच युद्ध शुरू होने के बाद खाड़ी देशों से भारत का एलपीजी आयात 40 फीसदी तक कम हो गया था, जिससे देश में एलपीजी का संकट गहराने लगा था। इसी संकट के माहौल में सरकार ने तत्काल कदम उठाते हुए अपनी आपूर्ति श्रृंखला को अमेरिका की ओर मोड़ दिया। गौरतलब है कि युद्ध से पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य भारत की ऊर्जा आपूर्ति का लाइफलाइन था, जिससे हमारी जरूरत का 40 फीसदी कच्चा तेल, 60 फीसदी एलएनजी और 90 फीसदी एलपीजी का आयात होता था। यह मार्ग भारत की कुल 54 फीसदी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता था। युद्ध के कारण इस मार्ग पर बढ़ते तनाव ने भारत को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। अबू धाबी की एक एनर्जी एनालिस्ट के अनुसार, युद्ध शुरू होने से पहले भी अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर था, और इस संकट ने एशियाई देशों में उसकी धाक बढ़ा दी है। हालांकि, इस रणनीतिक बदलाव के चलते भारत को फिलहाल एलपीजी के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जबकि अमेरिकी गैस आमतौर पर सस्ती मानी जाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि युद्ध समाप्त होने के बाद गैस के दाम 2 डॉलर तक गिर सकते हैं। इस नए जुगाड़ से भारत की एलपीजी आपूर्ति अब मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक उथल-पुथल से अपेक्षाकृत अप्रभावित रहेगी।

मेष- आज आपका मान-सम्मान और सामाजिक प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की छवि मजबूत होगी और लोगों के बीच आपकी बात को महत्व मिलेगा। हालांकि, किसी की कही बात को दिल पर लेने से मन परेशान हो सकता है। आपका मनमौजी रवैया छोटी-सी बात को बड़ा बना सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

वृषभ- आज संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में भाग्य आपका साथ दे सकता है। एक साथ कई काम आने से व्यस्तता जरूर बढ़ेगी, लेकिन प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का सपना पूरा होने की उम्मीद है। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने से आर्थिक स्थिति और मन दोनों बेहतर होंगे। किसी बाहरी व्यक्ति की सलाह को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें।

मिथुन- आज समाजसेवा और अच्छे कामों के कारण आपकी पहचान और सम्मान बढ़ सकता है। आपकी नई कोशिशें सफल होंगी और लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए मेहनत जारी रखना बेहद जरूरी रहेगा। मन मौज-मस्ती में ज्यादा लग सकता है, जिससे काम टालने का मन करेगा, लेकिन खुद को अनुशासित रखें।

कर्क- आज दिन सकारात्मक रहने के बावजूद मन में किसी बात को लेकर थोड़ी बेचैनी बनी रह सकती है। भाई-बहनों के साथ आपका रिश्ता और मजबूत होगा और उनका सहयोग भी मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कोई व्यक्ति आप पर गलत आरोप लगाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए अपनी बात शांत और स्पष्ट तरीके से रखें। संतान की सफलता आपको गर्व और खुशी का एहसास कराएगी।

सिंह- आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। पड़ोस या आसपास चल रहे विवादों से खुद को दूर रखना ही आपके लिए समझदारी होगी। पुराने लेन-देन से जुड़ी कोई उलझन सुलझ सकती है, जिससे राहत मिलेगी। अपने जरूरी कामों की जिम्मेदारी खुद संभालें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। संतान के साथ घूमने-फिरने का मौका मिलेगा। वहीं किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात दिन को खास और यादगार बना सकती है।

कन्या- आज सफलता और तरक्की के नए रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। लंबे समय से अटका कोई सरकारी काम पूरा होने की संभावना है, जिससे बड़ी राहत मिलेगी। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी रखें और जल्दबाजी से बचें। विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। माताजी के साथ हुई बातचीत आपकी कई उलझनों को सुलझाने में मदद करेगी।

तुला- आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलने की उम्मीद है। भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए आप धन निवेश से जुड़ी नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। कानूनी मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। किसी सहयोगी की कही बात आपको भावुक या परेशान कर सकती है, लेकिन उसे अपने काम पर हावी न होने दें।

वृश्चिक- आज आपके दिमाग में लगातार नए और शानदार विचार आते रहेंगे। कारोबार में किसी नए काम या योजना की शुरुआत लाभदायक साबित हो सकती है। जीवनसाथी के करियर में भी कोई नया अवसर दस्तक दे सकता है, जिससे परिवार में खुशी बढ़ेगी। आय में बढ़ोतरी से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनु- आज लेन-देन से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखना जरूरी होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी, लेकिन किसी के बहकावे या दबाव में आकर फैसला न लें। माताजी की कही कोई बात आपको थोड़ी बुरी लग सकती है, इसलिए तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत रहें। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकता है।

मकर- आज का दिन नई संभावनाओं और अच्छे अवसरों की ओर इशारा कर रहा है। यात्रा या घूमने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को कोई बड़ा पद, जिम्मेदारी या सम्मान मिल सकता है। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा होने की संभावना है।

कुंभ- आज घर-परिवार में मौज-मस्ती और खुशियों का माहौल रहेगा। छोटे बच्चों के साथ बिताया गया समय आपकी कई चिंताओं को भुलाकर चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। पिताजी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलना आपको खास खुशी देगा। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं।

मीन- आज भागदौड़ ज्यादा रहने के कारण मन थोड़ा उलझा हुआ महसूस कर सकता है। काम में लापरवाही करने से आज की छोटी गलती भविष्य में बड़ी परेशानी बन सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी समय पर पूरी करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना होगा, वरना परीक्षा के समय मुश्किल हो सकती है। दूसरों के निजी मामलों में बिना मांगे सलाह देने से बचें। आपके भीतर ऊर्जा की कोई कमी नहीं रहेगी, बस उसे सही दिशा में लगाना जरूरी है।

शब्दजाल - 8375

शब्द जाल में 10 भारत रत्न प्राप्त लोगों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

र	रा	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गां	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

रवि शंकर, अमर्त्य सेन, राजीव गांधी, अब्दुल कलाम, डा. आंबेडकर, सी.वी. रमन, जाकिर हुसैन, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, विनोबा भावे

शब्दजाल - 8374 का हल

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	ड्रे	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

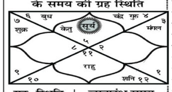

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.23 बजे से
चंद्र	कर्क में	तुला	08.33 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.48 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	13.04 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.09 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.56 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.28 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.59 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.39 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मिथुन	23.37 बजे से
		कर्क	01.51 बजे से
		सिंह	04.07 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 252 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 12.31 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 15.15 बजे को समाप्त। **योग** शिव 21.52 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 12.31 बजे तदनन्तर विष्टि 23.30 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 23' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872827 **जूलियन दिन** 2461292.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 26 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7319

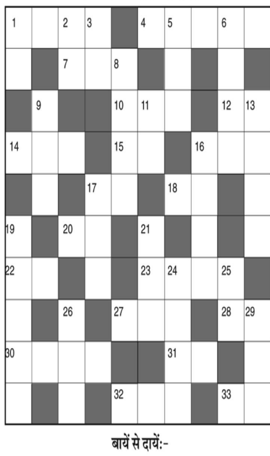

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7318

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: विश्वास की रक्षा

बात तब की है जब अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल पकड़ लिए गए। उन्हें कोतवाली लाया गया। कोतवाली में निगरानी रखने वाला सिपाही सो रहा था। बिस्मिल के पास भागने का पूरा मौका था। उन्होंने देखा कि वहां केवल बुजुर्ग मुंशीजी जागे हुए हैं। बूढ़े मुंशी ने भांप लिया कि बिस्मिल भागने की सोच रहे हैं। वह तुरंत बिस्मिल के पैरों पर गिर गए और बोले, 'ऐसा न करना। नहीं तो मैं बंदी बना लिया जाऊंगा और मेरे बच्चे भूखों मर जाएंगे।' बिस्मिल को उन पर दया आ गई और उन्होंने भागने का विचार तत्काल त्याग दिया। संयोगवश दो दिनों के बाद ही ऐसा मौका उन्हें फिर मिला। उन्हें जब शौचालय ले जाया गया तो उनके साथ दो सिपाही थे। एक ने दूसरे से कहा कि इनके हाथों में बंधी रस्सियां हटा दो। मुझे विश्वास है कि ये भागेंगे नहीं। इसके बाद जब बिस्मिल शौचालय गए तो पाया कि शौचालय की दीवार ज्यादा ऊंची नहीं है। बस हाथ बढ़ाते ही वह दीवार के ऊपर हो जाते और क्षण भर में बाहर निकल जाते। उन्होंने देखा कि बाहर सिपाही कुश्ती देखने में मगन हैं। वह भागने ही वाले थे कि उन्हें विचार आया कि जिस सिपाही ने विश्वास कर इतनी स्वतंत्रता दी उससे विश्वासघात कैसे करूं। उन्होंने भागने का विचार तुरंत त्याग दिया। उन्होंने अपनी आत्मकथा में जेलर पंडित चंपालाल की भी काफी बड़ाई की है। उन्हें भागने के कई मौके हासिल हुए लेकिन उन्होंने सोचा कि इससे पंडित चंपालाल के ऊपर आफत आ जाएगी। बिस्मिल के लिए विश्वास की रक्षा सबसे बड़ी चीज थी।

सूडोकु नवताल- 7628

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7627 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 8843

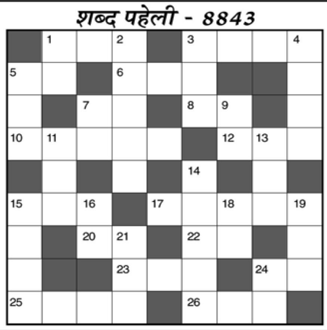

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब (अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8842 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शासकीय गोदाम सहित कृषि केंद्रों का एसडीएम ने किया औचक जांच, स्टॉक का किया भौतिक सत्यापन

उर्वरक-कीटनाशकों के नमूने लिए, किसानों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। नवागत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आदित्य नारायण तिवारी ने पदभार संभालने के बाद से ही प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ जनहित से जुड़े मामलों में सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में मंगलवार 8 सितंबर को एसडीएम तिवारी के नेतृत्व में कृषि केंद्रों का सघन एवं औचक निरीक्षण किया गया। अचानक हुई जांच से कृषि केंद्र संचालकों में भी हड़कंप की स्थिति रही।

निरीक्षण दल ने सबसे पहले मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ मर्यादित लांजी (डबल लॉक) का जायजा लिया। यहां ई-विकास पोर्टल में दर्ज स्टॉक, पीओएस स्टॉक, होलसेल स्टॉक तथा मौके पर उपलब्ध वास्तविक स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान सभी स्टॉक का मिलान सही पाया गया। अधिकारियों ने स्टॉक पंजी एवं कृषक वितरण पंजी की भी बारीकी से जांच की।

डबल लॉक में रखी जैविक खाद का नमूना नियमानुसार लिया गया, जिसे गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। इस दौरान गोदाम की व्यवस्थाओं और स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने डबल लॉक प्रभारी को गोदाम में आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद निरीक्षण दल यूनिवर्सल कृषि केंद्र, लांजी पहुंचा। यहां उपलब्ध दस्तावेजों एवं अभिलेखों की जांच करने के साथ कृषि आदानों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें स्टॉक सही पाया गया। निरीक्षण दल ने विभिन्न उर्वरकों एवं कीटनाशकों के नमूने भी लिए। इन नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराना प्राथमिकता

कृषि केंद्रों के निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराना तथा बाजार में बिकने वाली कृषि सामग्री की गुणवत्ता पर प्रभावी निगरानी रखना है। निरीक्षण के दौरान बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों की गुणवत्ता, उपलब्धता, स्टॉक, विक्रय व्यवस्था तथा आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई।

अधिकारियों ने कृषि केंद्र संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को केवल गुणवत्तापूर्ण एवं मानक कृषि आदान ही निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही स्टॉक और विक्रय से संबंधित अभिलेखों का विधिवत संधारण करने तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संयुक्त दल ने की कार्रवाई

कृषि केंद्रों की जांच की कार्रवाई एसडीएम लांजी आदित्य नारायण तिवारी, तहसीलदार संजय बारस्कर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गनवीर एवं कृषि विकास अधिकारी अमित नारनौरे के संयुक्त दल द्वारा की गई।

एसडीएम एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों की सुरक्षा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कृषि केंद्रों की जांच एवं कृषि आदानों के नमूना संग्रहण की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कल नगर व क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाएगा पोला पर्व

बैलों की पूजा कर खिलाया जाएगा नैवेद्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। कल गुरुवार को लांजी क्षेत्र में पोला पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यह पर्व किसानों और खेतीहर मजदूरों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि बैल खेती में उनकी सहायता करते हैं। इस अवसर पर मिट्टी के बैल और खिलौनों की पूजा की जाएगी, साथ ही छत्तीसगढ़ी पारंपरिक पकवान जैसे ठेठरी और खुरमी बनाए जाएंगे।

नगर में सजी मिट्टी के बैलों एवं खिलौने की दुकाने

पोला पर्व के चलते दो तीन दिन पूर्व से ही नगर चौक चौराहो एवं तथा ग्रामों में मिट्टी के भांडे सोरया एवं नंदी बैल एवं खिलौने की दुकानें वही लकड़ी के भी नंदी बैल की दुकाने सजी दिखाई दी है। बढ़ती मंहगाई के चलते इन भांडे सोरया, नंदी बैल के दामो में बढोतरी नजर आई है। फिर भी पर्व को धुम धाम से मनाने के लिये लोग सामग्री खरीदते नजर आये।

लांजी नगर परिषद के द्वारा मनाया जायेगा पोला पर्व

पोला पर्व पर 10 सितंबर दिन गुरुवार को नगर परिषद लांजी के द्वारा परंपरानुसार नगर के पूराना गुजरी चौक के समीप में पोला पर्व मनाया जाएगा। नगर परिषद कार्यालय से आरती थाल लेकर परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष, पार्षद गण, गणमान्य नागरिक गणो सहित कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी आतिशबाजी करते हुये बाजे गाजे के साथ पोला पर्व स्थल पर पंहुचकर सर्वप्रथम माँ लंजकाई मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत श्री हनुमान मंदिर में पूजन करने के पश्चात आतिशबाजी कर बैल जोडीयों को रवाना किया जाता है। इसके उपरांत बैल जोड़ियों को घर घर ले जाया जाता है, जहां महिलाओं द्वारा बैलों की पूजा कर बनाएं गए पकवान

व नैवेद्य खिलाकर बैलजोड़ी लाने वाले को दक्षिणा दिया जाता है।

11 को मनाया जाएगा तान्हा पोला व नारबोद

पर्व के चलते पोला पर्व के दूसरे दिन अर्थात 11 सितंबर को तान्हा पोला व नारबोद पर्व परम्परानुसार मनाया जावेगा । पोले पर्व की रात्रि में युवाओं की टोली जागरण कर बुराई के प्रतीक एवं बिमारियों के विरोध में प्रतीक स्वरूप लोकभाषा में घेउन जा रे नारबोद के नारे लगाते हुये प्रात: भोर में मारबत का पुतला एवं गेड़ी बनाकर गांव की सीमा के बाहर ले जाकर जलाये जाने की परम्परा बनी हुई है । किन्तु बदलते परिवेश के चलते यह परम्परा धीरे - धीरे समाप्त होते जा रही है । फिर भी क्षेत्र के गांवों में यह परम्परा अब भी बरकरार है । इसके अलावा इस दिन बच्चों द्वारा तान्हा पोला मनाने की परम्परा है, जिसमें लकड़ी के बने नंदी को सजाकर उसकी पूजा की जाती है एवं छोटे बच्चें उसे मोहल्ले में घुमाते हैं तथा कुछ लोगों द्वारा घरों में सतावर का पौधा (नारबोद) खोचकर भेंट भी ली जाती है ।

यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस महान शिक्षाविद, दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का

अवसर ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का दिन भी है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च माना गया है। गुरु अपने विद्यार्थियों को अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान और संस्कार की रोशनी की ओर ले जाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी भावना के साथ देशभर में शिक्षक दिवस को उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जाता है। इसी कड़ी में यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति, लांजी द्वारा संचालित यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट लांजी में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था में कार्यरत शिक्षकों एवं स्टाफ के प्रति विद्यार्थियों ने सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक भानूप्रताप प्रजापति, देवेंद्र क्षीरसागर, रेणुकुमार वल्थरे, राजेश गजभिये, वीरेंद्र कुमार बिसेन, शिक्षिका श्रुति सिंह चौहान एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर लक्की राउत को संस्था के कार्यकारी संचालक रमेश आसटकर एवं संस्था संचालिका रेखा आसटकर द्वारा स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों के सम्मान के दौरान विद्यार्थियों में भी उत्साह दिखाई दिया। संस्था में अध्ययनरत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की और शिक्षकों के प्रति अपने सम्मान एवं आभार की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज की मजबूत नींव तैयार करने वाले मार्गदर्शक होते हैं। उनके ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से ही विद्यार्थी आगे बढ़कर समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देते हैं। कार्यक्रम का वातावरण पूरे समय आत्मीयता एवं सम्मान से भरा रहा। विद्यार्थियों और संस्था के स्टाफ ने शिक्षक दिवस के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट किया।

बालभाऊ देवरस सेवा न्यास की नई कार्यकारिणी गठित

6 अक्टूबर को कारंजा आएंगे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, नई वास्तु का करेंगे लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालासाहेब एवं भाऊराव देवरस सेवा न्यास, कारंजा की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार, 8 सितंबर को सेवा न्यास परिसर में आयोजित हुई। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से न्यास की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसके साथ ही आगामी 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के प्रस्तावित कारंजा आगमन एवं नई वास्तु के लोकार्पण समारोह की तैयारियों को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। निर्वाचन अधिकारी भूपेंद्र पराशर, सागर (मध्य प्रदेश) ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत निर्वाचन संपन्न कराया और नई कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में डॉ. पवन स्थापक (जबलपुर) को अध्यक्ष, अरविंद मार्डीकर (नागपुर) को उपाध्यक्ष, सचिन अग्रवाल (लांजी) को सचिव, नरेंद्र वाजपेयी (आमगांव) को सहसचिव तथा वीरेंद्र अंजनकर (देवरी) को कोषाध्यक्ष चुना गया।

कार्यकारिणी में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि

नई कार्यकारिणी में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े

सदस्यों को स्थान दिया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में अनिल चंद्रवंशी (छपारा), महेश अग्रवाल (गोंदिया), विलास जुगादे (नागपुर), उमेश मेंढे (आमगांव), अमित दवे, मयूर अग्रवाल, पंकज अग्रवाल (बालाघाट), गिरीश बापट (गोंदिया), के.के. बावणे, संतोष मोरघड़े तथा सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे शामिल हैं।

संस्थापक न्यासियों में ये नाम

न्यास के संस्थापक न्यासियों में राजकुमार मटाले, सुरेश अग्रवाल, श्रीकृष्ण माहेश्वरी, अतुल भुसकुटे, रमेश मेहता, श्रीरंग देवरस एवं रजनीश पाठक शामिल हैं।

इसी प्रकार मार्गदर्शक न्यासियों में मा. सुरेश उपाख्य भय्याजी जोशी, विनोदजी, ब्रह्मदेवजी, राजेंद्रजी, अनिल जोशी, दलजीतसिंह खालसा, ब्रजकांतजी एवं गणेशजी का समावेश है।

6 अक्टूबर के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज

बैठक में आगामी 6 अक्टूबर के लोकार्पण समारोह को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के प्रस्तावित आगमन को देखते हुए कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में आयोजन स्थल की व्यवस्था, अतिथियों के स्वागत, कार्यक्रम संचालन, आवश्यक सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर पदाधिकारियों ने अपने सुझाव रखे। साथ ही सभी तैयारियों को समयसीमा के भीतर पूरा करने और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां तय करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही सेवा न्यास की आगामी गतिविधियों को गति देने तथा 6 अक्टूबर को होने वाले नई वास्तु के लोकार्पण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

भारतीय सर्वजन विकास पार्टी का देशव्यापी संगठन विस्तार अभियान

मध्यप्रदेश अध्यक्ष बने शुभम श्रीवास, प्रकाश पांचे को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय सर्वजन विकास पार्टी ने संगठन को देश के विभिन्न राज्यों में मजबूत करने और जमीनी स्तर तक पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को पहुंचाने की दिशा में व्यापक संगठन विस्तार अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय शर्मा एवं राष्ट्रीय प्रभारी संतोष श्रीवास की अनुशंसा पर शुभम श्रीवास को मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं प्रकाश पांचे को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी द्वारा देशभर में संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकारिणी गठित करने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत प्रदेश कार्यकारिणी, मंडल कार्यकारिणी, लोकसभा क्षेत्र कार्यकारिणी, विधानसभा क्षेत्र कार्यकारिणी तथा बूथ स्तर पर संगठन का विस्तार किया जाएगा। पार्टी का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़कर उसकी नीतियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। भारतीय सर्वजन विकास पार्टी द्वारा आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम,

अरुणाचल प्रदेश एवं गोवा सहित विभिन्न राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही प्रत्येक प्रदेश में मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष एवं विधानसभा अध्यक्ष सहित विभिन्न स्तरों पर पदाधिकारियों का चयन किया जाना प्रस्तावित है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संगठन का विस्तार बूथ स्तर तक किए जाने से कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका मिलेगी और पार्टी की गतिविधियों को गांव-गांव तथा क्षेत्र-क्षेत्र तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

इच्छुक कार्यकर्ता कर सकते हैं संपर्क

पार्टी ने संगठन में जिम्मेदारी संभालने के इच्छुक व्यक्तियों एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं से संपर्क करने का आह्वान किया है। इच्छुक व्यक्ति पार्टी कार्यालय, वार्ड क्रमांक 13, लांजी, जिला बालाघाट में संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष शुभम श्रीवास, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश पांचे एवं भारतीय सर्वजन विकास पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं ने इच्छुक लोगों से संगठन से जुड़ने और पार्टी को मजबूत बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया है।

समरसता का संदेश लेकर आज निकलेगी श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प यात्रा

नगर परिषद प्रांगण से निकलेगी कलश यात्रा; सिद्धेश्वर मंगल भवन में होगा मुख्य कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा-2026 का आयोजन आज बुधवार, 9 सितंबर को लांजी में किया जाएगा। आयोजन के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। कार्यक्रम के तहत प्रात: 11:30 बजे नगर परिषद लांजी के प्रांगण से भव्य कलश यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वार्ड क्रमांक 10 स्थित संत श्री रविदास जी महाराज के मंदिर पहुंचेगी, जहां विधिवत पूजन-अर्चन किया जाएगा। कलश यात्रा में नगर के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की सहभागिता रहेगी। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी में मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार करहि एवं पूर्व विधायक रमेश भटेरे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत लांजी की अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले करेंगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनिरे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य हिराचंद आसटकर, नगर पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, मंडल अध्यक्ष लांजी आलोक चौरसिया तथा तहसील अध्यक्ष अखिल भारतीय हिंदू धर्म संगठन लांजी दिनेश चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही नगर परिषद लांजी के समस्त पार्षदगण भी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। आयोजन को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। गुरु रविदास महाराज के विचारों और उनके द्वारा दिए गए समानता, सामाजिक एकता और मानव-मानव के बीच भेदभाव समाप्त करने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मयूर वाहने, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद लांजी ने समस्त नगरवासियों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं ईष्ट-मित्रों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जनसुनवाई में पीड़ितों ने सुनाई अपनी व्यथा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 08 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुमार सत्यम की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल, विजय यादव तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 91 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में बालाघाट के ग्राम पोण्डी के निवासी कृष्णा राणा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद की चयन प्रक्रिया में क्क्क अंक नहीं जोड़े जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि आवेदन में ऑनलाइन राशन कार्ड सहित क्क्क सर्वेक्षण की जानकारी दर्ज की गई थी। चयन सूची में उन्हें क्क्क के 5 अंक नहीं मिलने से नाम चौथे स्थान पर आया है, जबकि अंक जुड़ने पर उनका स्थान प्रथम होने का दावा है। कृष्णा राणा ने विभाग से क्क्क के 5 अंक जोड़ते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दहेगांव की निवासी छाया सिराने अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। छाया ने बताया कि 25 जुलाई 2023 को विशेष विवाह अधिकारी, जिला बालाघाट के समक्ष सामान्य समाज के विशाल सनपाल से उसने विवाह किया था, किंतु जानकारी के अभाव में अब तक उन्हें अनुसूचित जनजाति योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं मिल सका है। छाया सिराने ने शीघ्र उसे योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पायली के बबीता सहारे पति की मृत्यु उपरांत अनुग्रह सहायता राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। बबीता ने बताया कि उसके

पति की मृत्यु 09 जुलाई 2025 को हो चुकी है, किंतु उसे संबल कार्ड होने के बावजूद शासन से अनुग्रह सहायता राशि का लाभ प्राप्त नही हुआ है। बबीता गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाली महिला है और उसकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है अत: उसे शीघ्र अनुग्रह सहायता राशि का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम मानेगांव की रीना पटले धान बीजाई से हुई क्षति का मुआवजा दिलाने की मांग लेकर आयी थी। रीना का कहना था कि उसने 26 जून 2026 को जय बजरंग केंद्र मेन रोड सालेटेका से सवाना 127 फुल पेज नामक धान बीजाई 30 हजार रुपए में खरीदी थी, जिसे उसने 05 एकड खेत में लगाया था। उसने बताया कि बीज उसने लाम्बा, खरपतवार, पुराना बीज नष्ट होने की शर्त पर ली थी। किंतु उक्त धान की बीजाई नही उगी एवं लाम्बा, खरपतवार व पुरान बीज नष्ट नही हुआ जिससे उसे बहुत क्षति हुई है। अत: रीना ने मौका स्थल की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने एवं उसे क्षति का मुआवजा दिलाने की मांग की है। इदस प्रकरण में उपसंचालक कृषि को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत अमवाही की ज्ञानती बोमचेर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की बंद हुई राशि पुन: प्रारंभ कराने की मांग लेकर आयी थी। ज्ञानती ने बताया कि उसे वर्ष 2023 से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि मिलना बंद है और पोर्टल पर कारण परित्यक्ता दर्ज बताया जा रहा है। उसने बताया कि योजना की राशि बंद हो जाने से उसे आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञानती ने प्रकरण की जांच कर वास्तविक कारण का निराकरण करने तथा पात्रता होने पर योजना की राशि पुन: शुरू करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनीकला की बसंती लिल्हारे पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक पर कथित रूप से लापरवाही और उदासीनता बरतते हुए उसे लाडली बहना योजना से वंचित रखने की शिकायत लेकर आये थी। बंसती ने बताया कि उन्हें विगत वर्षों से लाड़ली बहना योजना के तहत 1200 रुपये प्रतिमाह की राशि प्राप्त हो रही थी, किंतु पंचायत सचिव/रोजगार सहायक की कथित लापरवाही के कारण उनका नाम समग्र आईडी से हटा दिया गया, जिसके चलते उन्हें पिछले 24 माह से योजना की राशि नहीं मिल सकी और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अत: बंसती ने मामले की जांच कर उसे लंबित राशि का भुगतान कराने की मांग की है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाडा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा के निवासी शिवप्रसाद नेवर उनके वार्ड में अब तक सीसी रोड निर्माण ना किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि उसके मकान तक जाने वाली गली में लंबे समय से मुरमीकरण नहीं हुआ है, जिससे बारिश के दौरान कीचड़ की स्थिति बन जाती है और आवागमन में परेशानी होती है। कीचड़ के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी दिक्कत होती है। शिवप्रसाद ने वार्ड में सीसी रोड निर्माण और मुरमीकरण करने की मांग की। इस प्रकरण में जनपद सीईओ परसवाडा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा है।

वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कन्हारटोला अमई के निवासी संजय इंदुरकर किसान सम्मान निधि की 19 किस्तों का भुगतान रोके जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसने बताया कि शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली किसान सम्मान निधि की लगातार 19 किस्तों की करीब 38 हजार रुपये की राशि उनके खाते में जमा हुई, लेकिन संबंधित बैंक शाखा द्वारा होल्ड लगाए जाने के कारण राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। संजय ने मामले की जांच कर किसान सम्मान निधि की लंबित राशि दिलाने तथा बैंक खाते से होल्ड हटवाने की मांग की। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट के वार्ड नंबर 27 आजाद चौक निवासी 65 वर्षीय श्यामाबाई राऊत अपने मंझले बेटे कुशाल राऊत के खिलाफ गाली-गलौच और मारपीट के प्रयास की शिकायत लेकर आयी थी। श्यामाबाई ने बताया कि उसने अपने तीनों बेटों को मकान का हिस्सा समान रूप से बांट दिया है, लेकिन कुशाल राऊत उनसे उनके वर्तमान मकान का हिस्सा मांग रहा है। साथ ही गाली-गलौच एवं मारपीट भी करने लगा है। श्यामाबाई ने मामले में कुशाल राऊत के खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस प्रकरण में बालाघाट तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम टेकाड़ी (ला.) की निवासी ज्योति कावरे आंगनवाड़ी सहायिका पद पर चयन के बावजूद ज्वाइनिंग लेटर नहीं दिए जाने की शिकायत लेकर आई थी। ज्योति ने बताया कि ग्राम टेकाड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में सहायिका पद के लिए उनके द्वारा आवेदन किया गया था। 12 अगस्त 2026 को जारी चयन सूची में उनका नाम प्रथम क्रम पर दर्ज है, इसके बावजूद अब तक पदभार ग्रहण करने के लिए ज्वाइनिंग लेटर जारी नहीं किया गया है। उसने मामले की जांच कर आंगनवाड़ी सहायिका पद पर ज्वाइनिंग लेटर जारी कराने की मांग की है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर कायदी में निकली जागरूकता रैली

छात्रों एवं स्टाफ ने लिया साक्षरता का संकल्प,ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर 8 सितंबर मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी में विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को साक्षरता की शपथ दिलाई गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने गांव में साक्षरता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को शिक्षा और साक्षरता के महत्व का संदेश दिया ।कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य कारण सिंह मेरावी, नोडल अधिकारी साक्षरता राजहंस बंसोड़ एवं स्कूल समन्वयक खुमेंद्र बघेले की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए ग्रामीणों को साक्षरता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया ।विद्यालय परिसर से निकली जागरूकता रैली गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे गांव में एक ही नारा, साक्षर बने गांव हमारा तथा शिक्षा है अनमोल रतन, पढ़ने का है सबको जतन जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया ।रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने ग्रामीणों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने, शिक्षा के महत्व को समझने तथा निरक्षरता को दूर करने में सहयोग करने का आह्वान किया। रैली के समापन पर साक्षरता के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया ।विद्यालय के प्राचार्य करण सिंह मेरावी ने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में शिक्षा एवं साक्षरता के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना तथा प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा के महत्व से जोड़ना है।

नशे की जड़ तक पहुंची बालाघाट पुलिस,ओडिशा में दबिश देकर गांजा खेती करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बालाघाट पुलिस ने कार्रवाई का दायरा जिले की सीमा से बाहर तक बढ़ाते हुए ओडिशा में दबिश दी है। पुलिस की विशेष टीम ने गांजा की खेती एवं सप्लाई से जुड़े दो आरोपियों को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 12 किलोग्राम अवैध गांजा और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। जप्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 6 लाख 17 हजार रुपये बताई गई है ।यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशे के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत की गई। बालाघाट पुलिस जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर लगातार कार्रवाई कर रही है।

रिमांड में पूछताछ से मिला ओडिशा का सुराग

थाना चांगोटोला में दर्ज अपराध क्रमांक 76/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों जयकुमार नायक, दुलामनी गुआल एवं महेंद्र मलिक को पुलिस रिमांड पर लेकर गांजा तस्करी के संबंध में गहन पूछताछ की गई ।पूछताछ के दौरान ओडिशा में गांजा सप्लायरों और गांजा की खेती करने वाले लोगों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं सुराग पुलिस के हाथ लगे। इसके बाद बालाघाट पुलिस ने विशेष टीमों का गठन कर उन्हें ओडिशा रवाना किया।

ओडिशा में दबिश- गांजा की खेती करने वाले दो आरोपी पकड़े

बालाघाट पुलिस की विशेष टीमों ने ओडिशा पहुंचकर आरोपी महेंद्र मलिक की निशानदेही पर ग्राम सिगाड़ी जिला बौध में दबिश दी। यहां गांजा की खेती एवं अवैध कारोबार से जुड़े दो आरोपियों सुरेश वारिक और सदुमचरण उर्फ राजू महानंदा को गिरफ्तार किया गया ।दोनों आरोपियों को ओडिशा से गिरफ्तार कर बालाघाट लाया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से 12 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त किये। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये है तथा इसके अलावा दो मोबाइल फोन कीमत करीब 17 हजार रुपये जप्त किए। इस प्रकार कुल 6 लाख 17 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में सुरेश वारिक 39 वर्ष निवासी ग्राम पुरैना जिला बरगढ़ ओडिशा तथा सदुमचरण उर्फ राजू महानंदा 38 वर्ष निवासी ग्राम समरपाली जिला बरगढ़ ओडिशा शामिल हैं।

सप्लाई और वितरण नेटवर्क की होगी पड़ताल

गिरफ्तार आरोपियों को बालाघाट लाकर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी सदुमचरण उर्फ राजू महानंदा को पुलिस रिमांड पर लिया गया है ।पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से गांजा की सप्लाई एवं वितरण नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा किसके माध्यम से बालाघाट एवं अन्य क्षेत्रों तक पहुंचाया जाता था तथा इसकी आपूर्ति किन-किन लोगों को की जानी थी। साथ ही इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है ।पुलिस की इस कार्रवाई से गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के भी सामने आने की संभावना है।

बालाघाट के पाथरी ग्राम में संभागायुक्त ने लगाई रात्रि चौपाल

बैगा जनजातीय परिवारों के साथ किया संवाद, अधिकारियों को योजनाओं के लाभ के त्वरित निराकरण के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने बालाघाट जिले अंतर्गत बैहर विकासखंड के बैगा जनजातीय बाहुल्य ग्राम पाथरी में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, वनाधिकार पट्टा, आहार अनुदान, पेयजल, रोजगार एवं आजीविका सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की मैदानी स्थिति की समीक्षा की। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि बैगा जनजाति को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले और दूरस्थ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष फोकस

रात्रि चौपाल में संभागायुक्त द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र की योजनाओं की विभागीय अधिकारियों से विस्तृत समीक्षा करते हुए उपस्थित ग्रामीण जनों से वस्तुस्थिति का जायजा लिया। मौसमी एवं वर्षाजनित संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं उपचार, दस्तक-सह-स्टॉप डायरिया अभियान, टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति एवं पोषण आहार वितरण, छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्थाओं तथा स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की स्थिति की जानकारी भी विस्तार से ली गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

विभागीय योजनाओं में प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही के दिए निर्देश

बच्चों और परिवारों के पोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए वर्षाजनित संक्रामक बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार के लिए प्रभावी रूप से त्वरित कार्यवाही की जावे। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पोषण संबंधी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली गई। विभागीय योजनाएं की प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, पेयजल स्रोतों के नियमित परीक्षण और क्लोरीनेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने जनजातीय विभाग के अधिकारियों को आहार अनुदान योजना का लाभ सभी बैगा परिवारों को सुनिश्चित कराने एवं योजना अंतर्गत राशि समय पर हितग्राहियों तक मिलने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और आवास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। संबल पंजीयन एवं अनुग्रह सहायता के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। राजस्व विभाग से अविवादित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरणों की जानकारी लेते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जाति प्रमाण-पत्र की प्रगति ली तथा खाद्य विभाग को मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना तथा उज्ज्वला योजना का लाभ ग्रामीणों को सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। वन विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान वनाधिकार पट्टा और पशु हानि के मुआवजे की जानकारी ली। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड और उससे मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में भी विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले इस हेतु एसडीएम और विभागीय अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की सतत मॉनिटरिंग करें।

छात्रावास का निरीक्षण, विद्यार्थियों की सुविधाओं का लिया जायजा

रात्रि चौपाल से पहले संभागायुक्त श्री सिंह ने पाथरी स्थित शासकीय सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर टीकाकरण, छात्रवृत्ति, ठहरने संबधी व्यवस्थाएं, भोजन व्यवस्था और शैक्षणिक गुणवत्ता का जायजा लिया ।उन्होंने सभी विद्यार्थियों का टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। टीकाकरण की व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। पाथरी प्रवास के दौरान संभागायुक्त ने पंचायत भवन में आयोजित आयोजित हेल्थ कैंप स्क्रीनिंग का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार के लिए आवश्यक उपाय प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने विभाग की सभी शासकीय योजनाओं का सैचुरेशन मोड में शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करावें। इस दौरान कलेक्टर कुमार सत्यम, सीसीएफ श्री गौरव चौधरी सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में वैभव सहित इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में 13 सितंबर से शुरु हो रही टी20 सीरीज में भारतीय टीम का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतर रही इस भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इस सीरीज में कई युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और टीम में अपनी जगह मजबूत करने अवसर मिलेगा। इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन से इन युवाओं को भविष्य के मुकाबलों के लिए जगह मिलेगी।

इस सीरीज में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी सहित इन युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के आधार पर इन खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए अवसर मिला है। कराने के बाद, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने आखिरी टी20 मुकाबले में खेली गई 81 रनों की ताबड़तोड़ पारी ने उनकी क्षमता का परिचय दिया था, और दलीप ट्रॉफी में भी उनका बल्ला खूब चला है। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाजों के सामने वैभव किस रणनीति से बल्लेबाजी करते हैं, यह देखना काफी दिलचस्प होगा। उनकी युवा ऊर्जा और निडर अप्रोच टीम के लिए बेहद अहम साबित हो सकती है।

युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने न केवल विकेट चटकाए, बल्कि अपनी किफायती गेंदबाजी से भी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। घरेलू सरजमीं पर अफगानिस्तान के खिलाफ उनका प्रदर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। बिश्नोई

अपनी गुगली और लेग ब्रेक से अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को परेशान करने में सक्षम हैं। इस सीरीज में एक और दमदार प्रदर्शन करके वह भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे और विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगे।

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के पास भी इस सीरीज में अपनी छाप छोड़ने का बेहतरीन मौका होगा। हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में, नीतीश के पास खुद को एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के तौर पर स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। यह भी देखना दिलचस्प होगा कि वह चोट से उबरने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। उनकी बल्लेबाजी और मध्यम गति की गेंदबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। निचले क्रम में तेजी से रन बनाने और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट चटकाने की उनकी क्षमता टीम के लिए काफी मूल्यवान साबित हो सकती है।

मध्यक्रम के बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए, यह सीरीज इस पार या उस पार वाली है। । इंग्लैंड के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई थी। आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों में वह केवल 5 रन बना सके थे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ भी दो मुकाबलों में उनका कुल स्कोर 28 रन ही रहा। ऐसे में, संजू को इस सीरीज में अपने बल्ले से कमाल दिखाना होगा और चयनकर्ताओं को यह साबित करना होगा कि वह बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। उनकी प्रतिभा पर किसी को संदेह नहीं है, लेकिन निरंतरता की कमी ने उनके करियर को प्रभावित किया है। इस सीरीज में एक बड़ी पारी उनके आत्मविश्वास को फिर से लौटा सकती है।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए सुंदर फिट

मुम्बई। भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर अपनी चोट से उबर गये हैं। सुंदर को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में अभी संशय बना हुआ है। बुमराह को मैच सिम्यूलेशन टेस्ट से गुजरना है, जो 9 सितंबर को पूरा होने की उम्मीद है। उसके बाद ही फैसला लिया जा सकेगा कि बुमराह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में खेलेंगे या नहीं। टी20 विश्वकप के बाद बुमराह ने टीम इंडिया के लिए कोई टी20 मैच नहीं खेला है। वहीं सुंदर को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी, जिसके बाद से ही वह टीम से ही वह टीम से बाहर हैं। पर अब वह फिट घोषित कर दिये गये हैं। इन दोनो के अलावा ऑलराउंडर नीतीश राणा और तेज गेंदबाज हर्षित राणा का खेलना भी फिटनेस पर निर्भर करेगा। इन दोनों खिला?ियों का फिटनेस टेस्ट होने के साथ ही सिम्यूलेशन जांच भी हुई है पर बोर्ड ने अभी तक इन्हें खेलने के लिए मंजूरी नहीं दी है। इन सभी खिला?ियों की अंतिम जांच रिपोर्ट बुधवार 9 सितंबर तक आने की संभावना है। वहीं अनभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को अभी तक खेलने की अनुमति नहीं मिली है। पांड्या को अभी फिट होने में समय लग सकता है इसलिए उनका बाहर रहना तय है। बोर्ड ने उन्हें अफगानिस्तान टी20 सीरीज के लिए दल में शामिल नहीं किया था। वह आईपीएल 2026 के दौरान भी चोटिल हुए थे और कुछ मैचों से बाहर बैठे रहे थे। भारत और अफगान टीम के बीच पहला टी20 13 सितंबर , दूसरा टी20 15 सितंबर और तीसरा टी20 17 सितंबर को खेला जाएगा।

भारत का दलः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा

ईशान ने की मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा

चेन्नई। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह जिस प्रकार से घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं। उससे पता चलता है कि वह जुनूनी हैं और हर हाल में राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं। ईशान किशन आजकल दलीप ट्रॉफी में ईस्ट ज़ोन की कप्तानी कर रहे हैं और शमी उनकी कप्तानी में टीम के मुख्य गेंदबाज के तौर पर खेल रहे हैं। गौरतलब है कि शमी ने साल 2025 की शुरुआत में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, पर घरेलू स्तर पर उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। ईशान ने साउथ ज़ोन के खिलाफ फाइनल मुकाबले से पहले शमी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि 36 साल के शमी को खेलते हुए देखकर कोई भी हैरान हुए बिना नहीं रह सकता है। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से उम्र सिर्फ एक नंबर है। ईशान के अनुसार, शमी का मौजूदा रवैया और घरेलू क्रिकेट में उनका लगातार शानदार प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि वह अभी भी भारत के लिए खेलना चाहते हैं और टीम में अपनी जगह दोबारा हासिल करने के लिए पूरे प्रयास कर रहे हैं। ईशान ने शमी के

योगदान को लेकर कहा, वह कड़ी मेहनत के साथ-साथ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी टीम में उनके होने से हमें थोड़ा और आत्मविश्वास मिलता है, खासकर जब आपकी टीम में ऐसे गेंदबाज हों जो आपको विकेट दिला सकें। इस सीज़न में शमी को देखें तो उनका जोश और उनकी उर्जा बहुत अलग रही है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की योजनाओं में शामिल न होने के बावजूद शमी घरेलू टीमों के लिए खेलने के लिए प्रेरित हैं। साथ ही कहा कि भारतीय टीम से दूर रहने के बाद घरेलू मैचों के लिए वही प्रेरणा बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। इस पर ईशान ने भावुक होकर कहा, जब आप नियमित तौर पर भारतीय टीम के लिए नहीं खेल रहे होते हैं तो यह मुश्किल होता है, और घरेलू मैचों के लिए फिर से वही प्रेरणा बनाए रखना भी कठिन होता है। हालांकि, मुझे लगता है कि मैं उनके अंदर वह भूख देख सकता हूं। शमी का घरेलू स्तर पर प्रदर्शन उनकी मेहनत को दिखाता है।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंची

दुबई। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम भी एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। इस प्रकार पाक सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी है। उससे पहले भारत और श्रीलंकाई टीमें भी सेमीफाइनल में पहुंची थीं। पाकिस्तान टीम ने अपने अंतिम रूप मैच में हॉन्ग कॉन्ग को एकतरफा मुकाबले में 72 रनों से हराया। इस मुकाबले में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 143 रन बनाए थे। हॉन्ग कॉन्ग की ओर से जॉयलीन कौर ने 4 ओवर में 19 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि इकरा साहर ने 2 विकेट लिए। वहीं इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए हॉन्ग कॉन्ग टीम केवल 71 रनों पर ही सिमट गयी। पाक की ओर से नशरा संधू ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए। नशरा ने 4 ओवरों में केवल 7 रन देकर 6 बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। वहीं हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ 72 रनों की जीत के बाद पाक टीम ने अंतिम चार में जगह बनायी है।

पाक टीम के गेंदबाजी कोच बने नॉफके का खुलासा, आधी रात को इंग्लैंड जाने कहा गया

लंदन। पाकिस्तान क्रिकेट टीम नये गेंदबाज कोच बने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एश्ली नॉफके ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान बोर्ड (पीसीबी) ने उन्हें आधी रात को एक संदेश भेजकर तत्काल इंग्लैंड जाने के लिए कहा था। इससे पहले पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे के बीच ही सात खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ को भी वापस बुला लिया था। नॉफके ने कहा कि उन्हें आधी रात करीब 3 बजे एक संदेश मिला, जिसमें उन्हें तुरंत इंग्लैंड आकर पाकिस्तानी टीम के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा गया था। नॉफके जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहे हैं। उन्हें उमर गुल की जगह गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। इससे पहले, नॉफके पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीमों से जुड़े हुए थे। उमर गुल और सरफराज अहमद जैसे कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के हटने के बाद, नॉफके और माइक हेसन ने इंग्लैंड दौरे पर टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली है। अचानक हुए इस बदलाव पर नॉफके ने कह, मुझे ज्यादा कुछ नहीं मालूम, क्योंकि मैं उस फैसले करने वाली टीम का हिस्सा नहीं हूं। पाक में कोच करते हुए मैंने यह सीख लिया है कि यहां हर समय कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है। मुझे प्रबंधन से 3 बजे मैसेज आया कि मुझे इंग्लैंड भेजा जा रहा है। टीम के अंदर हुए बदलावों और अनुभवी खिलाड़ियों की जगह युवा चेहरों को शामिल करने के फैसले पर नॉफके ने कहा कि हर किसी टीम को एक बदलाव के दौर से गुजरना होता है, जहां उम्रदराज खिलाड़ियों को बाहर जाना पड़ता है और युवा खिलाड़ी जिम्मेदारी संभालते हैं। यह क्रिकेट में स्वाभाविक है। नॉफके ने खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि क्या बदलाव होने वाले हैं, यह उनके नियंत्रण में नहीं होता, उन्हें सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। गौरतब है कि पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 9 सितंबर को बर्मिंघम में खेला जाएगा। इस महत्वपूर्ण मुकाबले से ठीक पहले, सलमान आगा, मोहम्मद रिजवान और इमाम-उल-हक सहित कुल सात अनुभवी खिलाड़ियों को वापस पाकिस्तान भेज दिया गया है। उनकी जगह सात युवा खिलाड़ियों को इंग्लैंड बुलाया गया है, जिनमें से पांच खिलाड़ियों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण भी नहीं किया है। पीसीबी का यह कदम हैरानी भरा माना जा रहा है क्योंकि किसी सीरीज के बीच में इतने बदलाव नहीं होते।

मिस्र के राष्ट्रीय फुटबॉल कोच दो पत्नियों के झगड़े में हुए बेहोश

मरीनो अल अलामीन । मिस्र में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के नामी कोच होसम हसन की दो पत्नियों के बीच एक कैफे में जमकर बहसबाजी और मारपीट हो गई। दोनो के इस झगड़े को रोकने के प्रयास में कोच भी बेहोश हो गये। यह घटना मिस्र के उत्तरी तट पर स्थित मरीना अल अलामीन के एक आलीशान होटल के कैफे का है। इस मामले में मिली रिपोर्टों के अनुसार, कोच हसन की पहली पत्नी हुवायदा अल-गरबावी और दूसरी पत्नी दीना मुस्तफा किसी बात को लेकर वहीं मौजूद थीं। देखते ही देखते उनके बीच विवाद शुरु हो गया जो मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पत्नियों को झग?ते देख हसन ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया पर वह तनाव में आने के कारण बेहोश होकर गिर गये। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। जिससे यह मामला तेजी से बढ़ा है। हालात इतने बिगड़ गये कि सुरक्षा कर्मचारियों को दोनों महिलाओं को अलग करने के लिए काफी प्रयास करना पड़ा।

आईसीसी रैंकिंग में दीप्ति छठे स्थान पर पहुंची , श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की गेंदबाज श्री चरणी अब भी नंबर एक पर बरकरार है। वहीं एशिया कप में अच्छी गेंदबाजी से ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को लाभ हुआ है। दीप्ति गेंदबाजी रैंकिंग में दो स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर पहुंच गयी हैं। इस प्रकार पहले दोनो स्थानों पर भारतीय गेंदबाजों का कब्जा है। दीप्ति ने एशिया कप के तीन मैचों में 8 विकेट लिए हैं। दीप्ति पिछले साल दिसंबर में टी20ई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर थी पर उसके बाद उनकी रैंकिंग नीचे खिसक गयी थी। वहीं अब वह श्री चरणी और उनके बीच 60 रेटिंग अंक का अंतर है। वहीं तीसरे से पांचवे नंबर पर सोफी एक्लेस्टोन, चार्ली डीन, नोंकुलुलेको म्लाबा और लॉरेन बेल मौजूद जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन करने वाली कई अन्य गेंदबाजों को भी लाभ मिला है। बांग्लादेश की मारुफा अख्तर 19 पायदान की बड़ी छलांग लगाकर अब शीर्ष 20 खिलाड़ियों में आ गयी हैं। उन्हें 18 वां स्थान मिला है। स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं चमारी अटापट्टू पांच स्थान के लाभ के साथ ही संयुक्त रूप से 28वें नंबर पर पहुंच गई हैं। बांग्लादेश की सुल्ताना खातून भी नौ स्थान ऊपर अकर संयुक्त रुप से 37वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग चार स्थान ऊपर आकर 47वें नंबर पर आयी है। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग में बांग्लादेश की सोभाना मोस्तारी तीन स्थान के लाभ के साथ ही 36वें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि दिलारा अख्तर ने पांच स्थान के लाभ के साथ ही 62वां स्थान हासिल किया है।

भारत के खिलाफ होने वाले टी20 मुकाबले के लिए जापान ने घोषित की टीम

कादोवाकी-फ्लेमिंग करेंगे कप्तानी

टोक्यो। जापान क्रिकेट एसोसिएशन ने 22 सितंबर को भारत के साथ राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर होने वाले टी20 मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। यह पहला अवसर होगा जब दोनो देशों की टीमों के बीच कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा था कि दोनो टीमें मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। सुजुकी कप का ये मुकाबला तोचिगी प्रान्त के सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा। इस मैच में जापान क्रिकेट टीम की कप्तानी केंडेल कादोवाकी-फ्लेमिंग करेंगे। उन्होंने अब तक अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इन मैचों की 54 पारियों में उन्होंने 38.18 की औसत और 139.41 के स्ट्राइक रेट से 1871 रन बनाये है। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 114 रनों का रहा है। अब देखना होगा कि वह भारतीय टीम के खिलाफ किस प्रकार से खेलते हैं। बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि ये मुकाबला स्पोर्ट 75 पहल का पहला कदम होगा। यह पहल जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई एक बैठक में हुए समझौते को लेकर है। इसका लक्ष्य खेल के क्षेत्र में दोनो के बीच सहयोग बढ़ाना है। भारत के खिलाफ टी20 मैच के लिए 15 सदस्यीय जापानी टीम इस प्रकार है।

केंडेल कादोवाकी-फ्लेमिंग (कप्तान), चार्ली हारा-हिंज, बेंजामिन इटो-डेविस, कोहेई कुबोटा, वतरू मियाउची, रेओ सकुरानो-थॉमस, एलेक्स शिराई-पैटमोर, शोमा सुगाया-स्लेटर, डेक्लान सुजुकी, इब्राहिम ताकाहाशी, मकोतो तानियामा, लाचलान यामामोटो, एलेस्टर कादोवाकी-फ्लेमिंग, जेक कुसुदा-नायरन, त्सुयोशी तकादा।

एकदिवसीय में सबसे अधिक रन देने का अनचाहा रिकार्ड है पाकिस्तानी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के नाम

लाहौर। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक रनों को देने का अनचाहा रिकार्ड पाकिस्तानी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के नाम है। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी अपने आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी के लिए भी जाने जाते है। अफरीदी ने एकदिवसीय में जमकर रन बनाने के साथ ही विकेट भी लिए हैं पर उनकी गेंदों पर सबसे अधिक रन भी गये हैं।

अफरीदी एकदिवसीय में एक मैच विजेता खिलाड़ी होने के साथ ही सबसे अधिक रन देने वाले गेंदबाजों में भी पहले नंबर पर हैं। साल 1996 से लेकर 2015 तक अपने 19 साल के लंबे एकदिवसीय करियर में अफरीदी ने 398 मुकाबलों की 372 पारियों में कुल 17,670 गेंदें फेंकी और 13,632 रन दिये। इन रनों के साथ ही उन्होंने 395 विकेट भी लिए। इसमें नौ बार पांच या उससे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि भी है। 4.62 की इकोनॉमी और 34.51 के औसत के साथ, ही अफरीदी पाक के एक मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं।

वहीं सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन हैं। साल 1993 से 2011 के बीच 350 एकदिवसीयस खेलने वाले मुरलीधरन ने 341 पारियों में 18,811 गेंदें फेंककर कुल 12,326 रन दिये हैं। मुरलीधरन ने एकदिवसीय इतिहास में सबसे ज्यादा 534 विकेट हासिल किए हैं और वह टीम के सबसे बड़े मैच विजेता रहे हैं। इस दिग्गज का इकोनॉमी रेट सिर्फ 3.93 और औसत 23.08 का रहा, जो उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण है।

वहीं तीसरे पायदान पर भी श्रीलंका के ही पूर्व कप्तान और आक्रामक ऑलराउंडर सनथ जयसूर्या हैं। साल 1989 से 2011 तक के अपने विशाल करियर में जयसूर्या ने 445 मुकाबले खेले। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर जयसूर्या ने लेफ्ट-आर्म स्पिन से भी टीम को मजबूती दी। 368 पारियों में 14,874 गेंदें फेंकते हुए उन्होंने 11,871 रन दिए, और इस दौरान 323 विकेट भी लिए। 4.78 की इकोनॉमी के साथ वह श्रीलंका के सबसे भरोसेमंद ऑलराउंडरों में शुमार रहे।

वहीं चौथे स्थान पर पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर वसीम अकरम हैं। साल 1984 से 2003 तक 356 मैचों में अपनी रिवर्स स्विंग और गति का जादू बिखेरने वाले अकरम ने 351 पारियों में 18,186 गेंदें फेंकी। उन्होंने अपने करियर में 11,812 रन दिए पर 502 विकेट लेकर अपनी टीम को कई बार जीत दिलायी है।

विश्व पैरा तीरंदाजी में भारत को मिले दो स्वर्ण और एक रजत

अहमदाबाद। भारतीय तीरंदाजों ने यहां जारी विश्व तीरंदाजी के पैरा सीरीज मुकाबलों के तीसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है। भारत की ओर से पुरुषों की रिकर्व और कंपाउंड टीमों ने पहला स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीते पर महिला रिकर्व टीम को दूसरे स्थान पर रहने के कारण रजत पदक ही मिल पाया। महिला कंपाउंड टीम चौथे स्थान पर रही। पुरुषों की टीम स्पर्धाओं में कंपाउंड टीम के तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी ने इराक को 152-139 अंक से हराकर स्वर्ण पदक जीता। । वहीं, डबल पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की रिकर्व जोड़ी ने स्लोवाकिया को 6-2 अंक से हराकर दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। स्वामी और तोमन कुमार ने इराक के अब्बास काधिम और अनवर अलदावोद के खिलाफ धीमी शुरुआत के बाद शुरुआती एंड में 8 का स्कोर किया। हालांकि, इसके बाद दोनों ने अपनी लय हासिल कर ली। अगले 12 तीरों में भारतीय जोड़ी ने सिर्फ पांच अंक खोय और मुकाबले में अच्छी बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद निरंतरता बनाए रखते हुए तोमन और श्याम सुंदर ने 152-139 अंक के अंतर से मुकाबला जीत लिया। वहीं दूसरी ओर रिकर्व टीम स्पर्धा में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने स्लोवाकिया के डेविड इवान और डेनिस इवान को 6-2 से हराया। भारतीय जोड़ी ने मुकाबला 34-37, 36-31, 38-34, 35-31 से जीता। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले सेट में टीम ने 7 का स्कोर किया और एक भी 10 नहीं लगा पाई, जिससे स्लोवाकिया ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। लेकिन इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने अपनी लय पकड़ ली। दूसरे सेट से भारतीय जोड़ी ने सटीक निशाने लगाये। मुकाबले का निर्णायक मोड़ तीसरे सेट में आया, जब भारतीयों ने तीन 10 लगाए और 4-2 की बढ़त हासिल कर ली। चौथे सेट में भी हरविंदर और विजय ने दबाव में शानदार तीरंदाजी की और स्वर्ण अपने नाम किया।

भारत के खिलाफ मिली जीत ही पाक क्रिकेट की बदहाली का कारण बनी-मोहम्मद यूसुफ

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट की बदहाली से उसके पूर्व क्रिकेटर बेहद दुखी है। एक समय पाक टीम अपनी तूफानी गेंदबाजी के बल पर विश्व की सभी टीमों को कड़ी टक्कर देती थी पर आज उसे जिम्बाब्वे और बांग्लादेश जैसी टीमें भी हरा रही हैं। पाक टीम के गिरते स्तर पर पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने भी निराशा जतायी है। हैरानी की बात ये है कि यूसुफ ने इसके लिए 2021 टी20 विश्व कप में भारत पर मिली जीत को बताया है। यूसुफ के अनुसार उस मैच में मिली जीत से टीम के खिलाड़ी लापरवाह और अतिआत्मविश्वास से घिर गये जिसके कारण ही टीम का प्रदर्शन लगातार गिरता गया। यूसुफ जिस मुकाबले की बात कर रहे हैं। वह दुबई में खेला गया था, जहाँ पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया था। बाबर आजम ने नाबाद 68 रन और मोहम्मद रिजवान ने नाबाद 79 रन बनाकर 152 रन का लक्ष्य बिना कोई विकेट खोये हासिल कर लिया था। यह जीत पाकिस्तान के लिए एक राष्ट्रीय उत्सव से कम नहीं थी क्योंकि उसे पहली बार आईसीसी विश्वकप में भारत के खिलाफ जीत मिली थी। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार यहीं से पाक क्रिकेट का विघटन शुरु हो गया। यूसुफ ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि, भारत के खिलाफ 2021 में हमने जो मैच जीता था, उसने हमें बहुत नुकसान पहुंचाया। क्योंकि उस जीत के

बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बहुत बड़ा हासिल कर लिया है। वे यह नहीं समझ पाए कि उन्हें आगे क्या करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अच्छा प्रदर्शन करते समय भी खिलाड़ियों को जमीन से जुड़ा रहना चाहिए। यूसुफ ने चेतावनी दी कि यदि आप कॉलर उठाकर चलेंगे और विरोधी की इज्जत नहीं करेंगे तो समस्याएं आएंगी और उनमें से बहुत सी समस्याएं पाकिस्तान क्रिकेट में आ चुकी हैं। उनका इशारा टीम के भीतर बढ़ते अहंकार और अनुशासनहीनता की ओर था। यूसुफ ने टीम के भीतर की गुटबाजी पर भी गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने खुलासा किया कि 2021 टी20 विश्व कप में जीत के बाद टीम में हर कोई पाकिस्तान टीम का कप्तान बनने की कोशिश कर रहा था, जिससे टीम को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने पिछले चार-पांच सालों में पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन को रेखांकित किया, जिसमें एकदिवसीय विश्व कप, टी20 विश्व कप, एशिया कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में टीम लगातार हारी है। पूर्व क्रिकेटर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधक प्रयासों की भी चर्चा की, जिसने टीम की मदद के लिए अनगिनत कोच बदले और रणनीतियाँ अपनाईं, लेकिन दुर्भाग्य से किसी भी खिलाड़ी ने खड़े होकर जिम्मेदारी नहीं ली।

23 सूत्रीय मांगों को लेकर मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने भरी हुंकार

पुरानी पेंशन बहाली से लेकर वेतन विसंगति दूर करने की मांग, टीईटी परीक्षा का भी विरोध सरकार पर सुनवाई नहीं करने का लगाया आरोप, बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से मप्र राज्य कर्मचारी संघ, प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। बार-बार आवेदन निवेदन ज्ञापन देने के बावजूद भी मांगे पूरी न होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए अब संगठन ने बड़े स्तर का आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई है।जिसकी जानकारी देने और वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को पूरी कराए जाने की गुहार लगाते हुए मप्र राज्य कर्मचारी द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा गया है।मंगलवार को सौपे गए इस ज्ञापन में संगठन द्वारा वर्षों से लंबित उनकी 23 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। जहां मांग पूरी न होने पर उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ राज्य स्तर पर बड़ा आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

मांगों पर नही हो रही अपेक्षित सुनवाई

मप्र राज्य कर्मचारी संघ तहसील शाखा बालाघाट ने प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम अनुविभागीय अधिकारी, के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। संघ ने 23 सूत्रीय मांगों पर तत्काल निर्णय लेकर आदेश जारी करने की मांग की है। कर्मचारी संघ का आरोप है कि लंबे समय से शासन-प्रशासन को ज्ञापन और पत्रों के माध्यम से समस्याओं से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है।संघ ने पुरानी पेंशन योजना को वरिष्ठता के साथ लागू करने, ग्रेच्युटी की सीमा केंद्र के समान 25 लाख रुपए करने, कर्मचारियों-पेंशनरों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने और विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियां दूर करने की प्रमुख मांग उठाई। इसके अलावा परीक्षा संबंधी प्रावधानों का विरोध करते हुए कर्मचारियों ने टीईटी परीक्षा को लेकर भी नाराजगी जताई।संघ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो कर्मचारी बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

इन 23 मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मप्र राज्य कर्मचारी संघ द्वारा मप्र में पुरानी पेंशन योजना वरिष्ठता के साथ लागू करने, ग्रेच्युटी की सीमा केंद्र के समान 25 लाख रुपए की जाने,शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कार्य विभाग में नवीन शैक्षणिक संवर्ग की सेवा अवधि की गणना नियुक्ति दिनांक से करने,प्रदेश के अधिकारी, कर्मचारी एवं पेंशनरों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने,लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान का लाभ देने,दो से अधिक संतान की बाध्यता वाले आदेश को तत्काल निरस्त करने, दैनिक वेतन भोगी, संविदा एवं स्थायी कर्मियों का रिक्त पदों के विरुद्ध नियमितीकरण करने,नियमितीकरण के बाद शेष पदों पर सीधी भर्ती करने, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों पर आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति पर रोक लगाकर कार्यरत कर्मियों को शासकीय सेवक मानते हुए अवकाश नगदीकरण का लाभ देने,स्थायी कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने,पंचायत सचिवों का संविलियन पंचायत विभाग में करने,नवीन नियुक्तियों में स्टायफंड की व्यवस्था को उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्णय के अनुसार समाप्त कर 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के पूर्ववर्ती नियम लागू करने,कृषि विस्तार अधिकारियों की वेतन विसंगति का निराकरण उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार करने,सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षक को वरिष्ठता एवं योग्यता के आधार पर पदोन्नति देने, पदोन्नति में डीएड एवं बीएड की अनिवार्यता समाप्त कर विभागीय बीएड कराए जाने,स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की लंबित मांगों एवं वेतन विसंगतियों का शीघ्र निराकरण करने,31 वर्षों से नियमित पदों के विरुद्ध कार्यरत कर्मचारियों को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता एवं महंगाई भत्ते का लाभ देने,नेत्र चिकित्सा सहायकों का पदनाम बदलकर नेत्र चिकित्सा अधिकारी करने, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रमोशन में स्वास्थ्य सुपरवाइजर के पदों को डाइंग कैडर में डालकर लगाई गई रोक हटाने,पुरुष सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति का प्रावधान करने,एएनएम को प्रशिक्षण उपरांत पदोन्नति का लाभ देने,आयुष संचालनालय द्वारा वर्ष 2002-03 में रिक्त पदों के विरुद्ध की गई संविदा नियुक्तियों को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ देने,आयुष विभाग के सभी संवर्गों को समान वेतनमान सुनिश्चित करने, महिला एवं बाल विकास विभाग के संविदा पर्यवेक्षकों को नियमित करने, पर्यवेक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने,स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट भर्ती पदोन्नति एवं सेवा विनियम 2025 को मप्र में यथावत लागू करने,मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के तहत वनरक्षक से सहायक वनसंरक्षक के लिए होने वाली पदोन्नति प्रक्रिया में वर्ष 2025 की पदोन्नति प्रक्रिया में वर्ष 2026 एवं 2027 की प्रत्याशित रिक्तियों तथा प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत अधिकारियों के पदों को रिक्त मानते हुए उपलब्ध रिक्तियों में शामिल करने,वाहन चालकों की नियमित भर्ती करने, पदनाम परिवर्तित करने, टैक्सी प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने,विभिन्न विभागों के संवर्गों की वेतन विसंगतियों का निराकरण करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वेतन आयोग गठित करने,भृत्य का पदनाम परिवर्तित कर कार्यालय सहायक करने, जल संसाधन विभाग के अधीन सिंचाई विस्तार अधिकारी का पदनाम सिंचाई विस्तार अधिकारी करने,परिवार पेंशन के लिए 33 वर्ष की अर्हता सेवा को कम कर 25 वर्ष करने,प्रदेश के सभी विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने, नियमों का सरलीकरण करते हुए सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता में संशोधन कर पूर्व नियमों के अनुसार परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत वेतन वृद्धि का प्रावधान करने, सेवा समाप्ति के आदेश निरस्त करने,मुख्य सचिव स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक शीघ्र आयोजित करने सहित अन्य अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।

सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन का रास्ता-अशोक बिसेन

मप्र राज्य कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष अशोक बिसेन ने बताया कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर शासन को लगातार अवगत कराया जाता रहा है। इसके बावजूद मांगों का निराकरण नहीं होने से प्रदेश के कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। सरकार से मांगों पर तत्काल निर्णय लेकर आदेश जारी करना चाहिए।उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो कर्मचारी संघ आंदोलन को और व्यापक करेगा।इस दौरान सचिव सुशील कुमार बिसेन,शाखा अध्यक्ष श्रद्धानन्द बालाधरे, सचिव जितेन्द्र कुमार नकाशे, एवं तहसील अध्यक्ष दुर्वेश अम्बाडकर के अलावा बालेश्वर राहण्डाले, ललित ठाकरे, सेवानंद सोमनकर, सुरेन्द्र बिसेन,नरेश नगपुरे, राजेन्द्र लांजेवार,आनंद बेले, अनिल कोटांगले सीएल बारमाटे, श्रीमति ममता चौहान, श्रीमती भागवन्ता मतारे, जयसिंग राहंगडाले, बुधसिंह धुर्वे,रमेश भगत और संदीप उइके सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में महिला विधायकों की राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल हुईं अनुभा मुंजारे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा देशभर की महिला विधायकों के लिए 7 एवं 8 सितंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के साथ सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की पूर्ण एवं समान भागीदारी

सुनिश्चित करना तथा मजबूत और जीवंत लोकतंत्र के निर्माण में महिला जनप्रतिनिधियों की भूमिका को और प्रभावी बनाना रहा।कार्यशाला की थीम शी इज़ ए चेंजमेकर रखी गई। कार्यक्रम के दौरान राजनीति में सक्रिय महिलाओं को नेतृत्व की विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया गया। महिला विधायकों के संप्रेषण कौशल, लेखन क्षमता, चिंतन शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि वे अपने क्षेत्रों में अधिक प्रभावी नेतृत्व प्रदान कर सकें। कार्यशाला में महिला जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए जेंडर रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस यानी लैंगिक उत्तरदायी सुशासन के विषय पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य महिला विधायकों को शासन व्यवस्था में महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को समझते हुए प्रभावी नीतियां बनाने और उन्हें धरातल तक पहुंचाने के लिए सक्षम बनाना रहा। दो दिवसीय कार्यक्रम में विधायी कार्यप्रणाली, नीति निर्माण, प्रभावी संप्रेषण, वार्ता कौशल, निर्णय निर्माण और समावेशी नेतृत्व जैसे विषयों पर महिला विधायकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसके माध्यम से महिला जनप्रतिनिधियों की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में उनकी भूमिका को और प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में शामिल हुईं बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने कार्यक्रम को महिला जनप्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस पहल से नव निर्वाचित महिला विधायकों को शासन संचालन और जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी जिम्मेदारियों की व्यापक समझ विकसित करने का अवसर मिला। जनता के साथ प्रभावी संवाद, नीतियों का निर्माण और उन्हें जमीन पर लागू करने जैसे विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर, सदस्य सचिव सुदीप जैन, मध्यप्रदेश शासन की मंत्री प्रतिमा बागरी, पूर्व मंत्री उषा ठाकुर, सीधी विधायक रीति पाठक, देवास विधायक गायत्री राजे पंवार सहित देशभर से आईं महिला विधायक उपस्थित रहीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की इस पहल को महिला जनप्रतिनिधियों के राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यशाला के माध्यम से महिला विधायकों को शासन और नीति निर्माण में अपनी भूमिका को अधिक प्रभावी ढंग से निभाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मवेशी की मौत पर सरकारें हिल जाती हैं, यहां 30 बच्चों की मौत पर किसी को परवाह नहीं!

आजाद समाज पार्टी कांशीराम प्रदेश अध्यक्ष विद्रोही का सरकार पर तीखा हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर विधानसभा क्षेत्र के बिरसा इलाके में आदिवासी बैगा बच्चों की संक्रमण से हुई मौतों का मामला एक बार फिर गरमा गया है। मंगलवार को स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित भीम आर्मी एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी कांशीराम की विस्तार एवं समीक्षा बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सत्येन्द्र विद्रोही ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिरसा क्षेत्र में करीब 30 आदिवासी बैगा बच्चों की मौत के बावजूद शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता नजर नहीं आ रही है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए सत्येन्द्र विद्रोही ने कहा कि 卐मवेशी की मौत होने पर सरकारें गिर जाती हैं, लेकिन यहां 30 आदिवासी बच्चों की मौत हो गई, किसी को कोई परवाह नहीं है।卐 उन्होंने कहा कि बैगा आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आज भी स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीणों को झिरिया का दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उनके अनुसार, इसी तरह की बदहाल व्यवस्थाओं के चलते संक्रमण फैलने से मासूम बच्चों की जान गई।

करोड़ों के विकास बजट पर उठाए सवाल

विद्रोही ने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास और उत्थान के लिए शासन से करोड़ों रुपये की राशि आती है, लेकिन उसका उचित उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वर्षों से इन क्षेत्रों में विकास के नाम पर राशि खर्च की जा रही है तो फिर आज भी ग्रामीण स्वच्छ पेयजल और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से क्यों वंचित हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।

बच्चों की जान की कीमत महज दो लाख क्यों?

मुख्यमंत्री द्वारा मृत बच्चों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा पर भी प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के परिवारों ने अपने मासूम बच्चों को खोया है, उनके लिए घोषित सहायता राशि भी अभी तक नहीं पहुंची है। विद्रोही ने कहा कि जो बच्चे देश और समाज के विकास में अपनी भूमिका निभा सकते थे, उनकी जिंदगी की कीमत महज दो लाख रुपये कैसे तय की जा सकती है? उन्होंने पीड़ित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की।

पूर्व सीएचएमओ को बर्खास्त करने की मांग

बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए विद्रोही ने पूर्व सीएचएमओ डॉ. परेश उपलप के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले में जिम्मेदार अधिकारियों को केवल हटाना या स्थानांतरित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की गई और मृत बच्चों के परिवारों को न्याय नहीं मिला तो भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

तो सड़क पर उतर कर करेंगे बड़ा आंदोलन

विद्रोही ने भाजपा सरकार पर दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया।अंत मे उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों की मौत के विरोध में 3 सितंबर को जिला मुख्यालय में बंद और बड़ा आंदोलन किया गया था। इसके बावजूद यदि शासन-प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।बैठक में आजाद समाज पार्टी कांशीराम एवं भीम आर्मी के अध्यक्ष रितेश -बोरकर, निलेश बौद्ध, संतोष गेडाम सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ ग्रामीणों की हुंकार-शराब मादक पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण रोक की मांग

ग्राम सभा के फैसले के बाद कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण, कायदी सहित तीन टोलों में नशे के कारोबार पर कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ अब गांव से आवाज बुलंद होने लगी है। वारासिवनी क्षेत्र कि ग्राम पंचायत कायदी के ग्रामीणों ने शराब और अन्य मादक पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग को लेकर प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को ग्राम पंचायत पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय बालाघाट पहुंचे और जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर पंचायत क्षेत्र को नशे के अवैध कारोबार से मुक्त कराने की मांग की।

ग्राम सभा में पहले ही लिया जा चुका है फैसला

ग्रामीणों के अनुसार 17 अगस्त को ग्राम पंचायत कायदी में आयोजित ग्राम सभा में प्रस्ताव क्रमांक 8 पर नशे के खिलाफ महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया था। ग्राम सभा ने कायदी सहित पंचायत क्षेत्र के जोड़ापाठ, बनियाटोला और छोटाटोला में शराब की बिक्री के साथ अन्य नशीले एवं मादक पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया था।ग्रामीणों का कहना है कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता का सबसे अधिक असर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। नशे के कारण सामाजिक माहौल प्रभावित होने के साथ परिवारों के सामने भी कई तरह की समस्याएं खड़ी हो रही हैं। इसी को देखते हुए ग्राम सभा ने नशे के खिलाफ सामूहिक कदम उठाने का निर्णय लिया।

कलेक्टर जनसुनवाई में उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

ग्राम सभा के निर्णय को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए 8 सितंबर को ग्राम पंचायत पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जनसुनवाई में सौंपे गए ज्ञापन में शराब के साथ अन्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री पर तत्काल रोक लगाने तथा बिक्री में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की गई।ग्रामीणों ने प्रशासन से पंचायत क्षेत्र में नियमित निगरानी रखने और अवैध रूप से शराब एवं मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने की मांग भी रखी है।

नशामुक्त गांव की दिशा में ग्रामीणों की पहल

ग्रामीणों का कहना है कि नशे के खिलाफ केवल प्रशासनिक कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है बल्कि समाज की सहभागिता भी जरूरी है। ग्राम सभा का यह निर्णय गांव में नशामुक्त वातावरण तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि यदि अवैध नशे के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई की जाए तो युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सकता है और गांव का सामाजिक वातावरण बेहतर बनाया जा सकता है।

रूपझर थाने में अपराध समीक्षा बैठक

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना रूपझर में थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के नेतृत्व में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली चौकी डोरा, चौकी सोनवानी, चौकी बिठली एवं चौकी सोनगुड्डा के चौकी प्रभारियों तथा विवेचकों को थाना रूपझर बुलाकर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई।बैठक में विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों, लंबित अपराधों, मर्ग प्रकरणों एवं गुम इंसान मामलों की बिंदुवार समीक्षा की गई। थाना प्रभारी ने सभी अधिकारियों एवं विवेचकों को लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

क्षेत्र में अवैध शराब पर कार्रवाई के निर्देश

अपराध समीक्षा बैठक के दौरान थाना प्रभारी ने क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से शराब रेड की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही अपराधों में संलिप्त एवं असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों की जानकारी जुटाकर उनके विरुद्ध नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के लिए कहा गया।थाना प्रभारी ने विवेचकों को गंभीर प्रकरणों में विशेष सतर्कता बरतते हुए समय-सीमा में जांच पूरी करने तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।